खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 02 जून 2025 | वर्ष - 69 | अंक - 197 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 3.00 रु.

■ भाजपा और मीडिया का... ■ सेना जीती विदेश नीति... 04
■ अमेरिका के प्रस्ताव को स्वीकार करे हमास.. ■ यूएस सुप्रीम कोर्ट ने किया ट्रंप सरकार का... 09
■ कृषि वैज्ञानिकों के सुझाव से करें परवल की... ■ शकरकंद की खेती कैसे करें और कैसे कमाएं... 11
■ मेरे लिए रजत पाटीदार... ■ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप... 10

सार संक्षेप

राहुल गांधी कल भोपाल आएंगे

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मध्यप्रदेश में 'संगठन सृजन अभियान' की शुआत के लिए मंगलवार को यहां आएंगे। वे दिन में संगठन स्तर की विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में अन्य वरिष्ठ नेताओं की आज यहां संपन्न हुई बैठक में श्री गांधी के दौरे के संबंध में व्यापक चर्चा हुई। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, विधायक आरिफ मसूद और प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रमुख मुकेश नायक भी मौजूद रहे।

जसवीर सिंह वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर का पदभार संभाला

नई दिल्ली। एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने रविवार को भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर का पदभार संभाला। वह राष्ट्रपति के 'अति विशिष्ट सेवा पदक' और 'वायु सेना पदक' से सम्मानित एयर मार्शल मान इससे पहले वायु सेना मुख्यालय में महानिदेशक (हथियार प्रणाली) थे। एयर मार्शल मान राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के छात्र रहे हैं।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-गृहमंत्री अमित शाह कह रहे हैं कि-ममता के आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है।
चुहिया- हां प्रिये- ये राजनीति के दाव पेंच हैं , उधर ममता कह रही हैं सीमाओं की सुरक्षा केन्द्र सरकार का जिम्मा है।

पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ का कहर

दो दिन में 32 मौतें

गुवाहाटी, (एजेंसियां)। देश में मॉनसून की दस्तक के बाद से ही कई इलाकों में जमकर बारिश हो रही है। बारिश के कारण पूर्वोत्तर के कई राज्य बाढ़ जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और सिक्किम में भारी बारिश के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और इसके कारण स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्वोत्तर राज्यों में दो दिन में 32 लोगों की मौत हो गई। असम में 16, अरुणाचल में 9, मिजोरम में 4 और मेघालय में 3 लोगों की जान गई। असम के 15 से अधिक जिलों में 78 हजार अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने भी असम, अरुणाचल और सिक्किम के मुख्यमंत्री और मणिपुर के राज्यपाल से फोन पर बात की। राज्यों को केंद्र से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

असम में 78 हजार अधिक लोग प्रभावित, सुरक्षित जगहों पर भेजे गए

त्रिपुरा में 1300 परिवार विस्थापित

त्रिपुरा में 1300 परिवार को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मणिपुर में भारी बारिश के कारण पिछले 48 घंटों में बाढ़-लैंडस्लाइड के कारण 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं। 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट कामेंग जिले में हाईवे 13 पर भूस्खलन की चपेट में आई कार गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो परिवारों के 7 लोग मारे गए। एक अन्य घटना में 2 लोगों की जान गई।

असम, मणिपुर, सिक्किम मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल में आसमानी आफत से खतरा बढ़ गया है. त्रिपुरा में अगरतला को छोड़कर सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है. मुख्यमंत्री ने रविवार को सभी निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए और अधिकारियों के साथ स्थिति की निगरानी की. त्रिपुरा में जिला प्रशासन ने हालात के मद्देनजर 28 राहत शिविर खोले हैं, जिनमें 6000 से अधिक लोगों को भेजा जा चुका है. त्रिपुरा में भारी बारिश सामान्य मानसूनी बारिश है इसलिए अब कोई बड़ी बाढ़ की उम्मीद नहीं है. मौसम विभाग आईएमडी ने सामान्य मानसून गतिविधि के रूप में राज्य में एक सप्ताह तक मध्यम से भारी बारिश का अनुमान लगाया है.

मणिपुर में आसमानी आफत- भारी बारिश ने मणिपुर में कहर बरपाया है और पिछले 48 घंटों में राज्य भर में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 3,802 लोग प्रभावित हुए और 883 घर क्षतिग्रस्त हो गए. राजधानी इंफाल के कई इलाके और इंफाल पूर्वी जिले के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं, क्योंकि खुरई, हिंगांग और चेकोन इलाकों में उफान पर चल रही नदी के तटबंध टूट गए और उफान पर आ गए.

दिल्ली में धूल भरी आंधी के बाद बारिश - दिल्ली और आसपास के इलाकों में मौसम ने रविवार को अचानक करवट ली। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में रविवार को धूल भरी आंधी के बाद बारिश हुई।

बचाव के लिए उतरी सेना

ऐसे मुश्किल वक्त में इन राज्यों के लोगों के लिए भारतीय सेना देवदूत बनकर पहुंची है। हजारों की संख्या में सेना ने लोगों को रेस्क्यू किया है। वहीं भारतीय वायुसेना भी लोगों की जान बचाने के अभियान में जुटी हुई है।

सिक्किम में भारी भूस्खलन, 1500 से ज्यादा पर्यटक फंसे

सिलीगुड़ी। उत्तर सिक्किम में बाढ़ और भूस्खलन से स्थिति गंभीर हो गई है। सड़क बंद होने के कारण 1500 से अधिक पर्यटक फंस गए हैं। एक के बाद एक भूस्खलन की घटनाओं ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है। कई महत्वपूर्ण सड़कों पर यातायात पूरी तरह से ठप है।

सिक्किम सरकार ने मंगन जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी उफान पर है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मंगन के पुलिस अधीक्षक सोनम डेचु भूटिया ने बताया है कि कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़कें बंद हैं। पर्यटकों को अपने होटलों में रहने की सलाह दी गई है।

कई सड़कें बहीं, इमारतें ढहीं

पर्यटक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ था-सड़कें पूरी तरह खुलने के बाद उन्हें निकाला जाएगा। तीस्ता नदी की खतरनाक स्थिति के कारण लापता पर्यटकों के बचाव कार्य में भी बाधा आ रही है। उत्तर सिक्किम के चुंगथांग से मुन्सिथांग जाने वाली सड़क पर एक पर्यटक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 1,000 फीट नीचे तीस्ता नदी में गिर गया। पुलिस के अनुसार वाहन में 11 लोग सवार थे। एक व्यक्ति को मृत अवस्था में बरामद किया गया, दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लापता आठ पर्यटकों में से चार ओडिशा, दो त्रिपुरा और दो उत्तर प्रदेश के हैं। शेष लोगों का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। भारी बारिश व भूस्खलन के कारण बचाव कार्य में कठिनाई हो रही है। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ निवासी कौशलेंद्र प्रताप सिंह और अंकिता सिंह का भी कोई पता नहीं है। गाड़ी का चालक भी हादसे के बाद से लापता है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा

किसी की डांट खुदकुशी की वजह नहीं हो सकती

नई दिल्ली, देशबन्धु। आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी एक शख्स को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया है। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि किसी की डांट खुदकुशी की वजह नहीं हो सकती है। यह शख्स एक स्कूल और हॉस्टल का इंचार्ज था। उसने एक छात्र की शिकायत पर दूसरे छात्र को डांटा था। इसके बाद उस छात्र ने कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को रद्द किया

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा कि- कोई आम इंसान यह कल्पना भी नहीं कर सकता कि डांट की वजह से कोई इतना बड़ा कदम उठा लेगा। कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें हॉस्टल इंचार्ज को आत्महत्या के लिए उकसाने (आईपीसी की धारा 306) के इल्जाम से बरी करने से इनकार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमने इस मामले को पूरी तरह देखा और पाया कि यह हस्तक्षेप का सही मामला है। जैसा कि याचिकाकर्ता ने कहा, कोई सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि एक छात्र की शिकायत पर की गई डांट इस तरह की त्रासदी का कारण बनेगी। कोर्ट ने यह भी बताया कि ऐसी डांट का मकसद सिर्फ शिकायत पर ध्यान देना और हालात को सुधारना था। कोर्ट ने आगे कहा, हमारी राय में, इस मामले में यह साफ है कि याचिकाकर्ता पर कोई गलत इरादा साबित नहीं होता, न ही यह कहा जा सकता कि उसने छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाया।

पैर फैलाता जा रहा कोरोना

बेंगलुरु में तीनों डोज ले चुके मरीज की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या 3783 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 22 मई को भारत में 257 केस थे। केरल में सबसे ज्यादा 1400 मामले हैं।

वहीं महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 एक्टिव केस हैं। 31 मई को बेंगलुरु में 63 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसे दोनों वैक्सीन के साथ बूस्टर डोज भी लगी थी। वहीं दिल्ली में 60 साल के बुजुर्ग की मौत हुई है। महाराष्ट्र-केरल में सबसे ज्यादा 7-7 लोगों ने जान गंवाई है। जनवरी 2025 से अब तक कोरोना से 28 मौतें हो चुकी हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार ने जारी की है। इससे पहले 30 मई को सुबह 8 बजे तक सिर्फ 7 मौतों का आंकड़ा सामने आया था। ऐसे में बीते दो दिनों में देश के अंदर 21 लोगों की मौत दर्ज की गई।

- पिछले 48 घंटे में कोरोना से 21 मौतें
- सक्रिय मामलों की संख्या 3783 पहुंचीं

कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है।

राज्यसभा चुनाव : अन्नाद्रमुक ने उम्मीदवारों का किया ऐलान

चेन्नई, (एजेंसियां)। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए रविवार को उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी के उप महासचिव के.पी. मुनुसामी और मुख्यालय सचिव एस.पी. वेलुमणि ने चेन्नई के रोयापेट्टा स्थित पार्टी मुख्यालय में संयुक्त रूप से यह घोषणा की।

अन्नाद्रमुक ने इनबाथुराई और धनपाल को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। इस घोषणा के साथ ही पार्टी ने देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम (डीएमडीके) के साथ अपने गठबंधन को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। के.पी. मुनुसामी ने बताया कि अन्नाद्रमुक और डीएमडीके के बीच गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद होने वाले राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि डीएमडीके को 2026 में होने वाले राज्यसभा चुनाव में एक सीट आवंटित की जाएगी।

विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मऊ सदर सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी को एक चुनावी रैली के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से रविवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया। इस संबंध में प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे ने आज अधिसूचना जारी की।

हिमाचल में सड़क हादसा, 5 की मौत

मंडी। आईआईटी मंडी के साथ लगते कंमाद में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि एक जख्मी हो गया। तीन मृतकों की पहचान हो गई है जबकि दो का पता पुलिस लगा रही है। मृतकों की पहचान सुखविंदर सिंह पुत्र हरवंस सिंह निवासी लुधियाना, उमेश कुमार पुत्र राजा राम जीटी रोड प्रतापनगर अमृतसर और सागर पुत्र सुरेंद्र कुमार निवासी गांव व डाकघर फिरोजपुर जिला अमृतसर के रूप में हुई है। गाड़ी चालक गुरजीत सिंह पुत्र जगतार सिंह गांव मलिया जिला तरनतारण हादसे में जख्मी है। हादसा कंमाद पुल पर सुबह पौने नौ बजे हुआ। उक्त लोग पंजाब के अमृतसर से टेंट का सामान लेकर कंमाद आईटीआई मंडी आ रहे थे।

पिकअप के ऊपर बैठे लोग 100 मीटर हवा में उछलकर और चट्टानों पर गिरे

चार लोग पिकअप के ऊपर बैठे थे जबकि एक व्यक्ति चालक के साथ बैठा था। कंमाद में उतराई के बाद चालक गाड़ी पर नियंत्रण खो बैठा और पिकअप पुल की रेलिंग से टकरा गई। इससे पिकअप के ऊपर बैठे चार लोग करीब 100 मीटर हवा में उछलते हुए नीचे उहल नदी के किनारे पत्थरों पर गिरे। इससे उनकी मौके पर मौत हो गई। पिकअप परिचालक की तरफ वाली साइड से रेलिंग से टकराई। इस कारण चालक के साथ बैठा व्यक्ति भी नीचे गिर गया और उसकी भी मौत हो गई।

उपलब्धि

खंडवा ने बढ़ाया मध्यप्रदेश का मान

जल संचय करने वाले जिलों में देश में खंडवा अव्वल

भोपाल, देशबन्धु। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले ने कीर्तिमान रचकर देशभर में मध्यप्रदेश का मान ब?ाया है। खंडवा जिले ने जल संचय करने वाले जिलों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहां राज्यों की श्रेणी में देश में मध्यप्रदेश चौथे नंबर है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने प्रदेश और जिलों की रैंकिंग जारी की है।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण अभियान में मध्यप्रदेश सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बारिश के पानी का संचयन करने तथा पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।प्रदेश में बारिश के पानी को रोकने खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी एवं मनरेगा आयुक्त श्री अविप्रसाद ने बताया कि खंडवा जिले में अभियान अंतर्गत मनरेगा, 15वां वित्त, 5वां वित्त, सीएसआर एवं जनसहयोग से 1 लाख 29 हजार 46 से अधिक संरचनाओं का निर्माण एवं पंजीकरण किया गया है। इसमें 12750 कूप रिचार्ज पिट, 1500

- राज्यों की श्रेणी में देश में मध्यप्रदेश चौथे नंबर पर
- केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने जारी की सूची

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।उन्होंने खंडवा के नागरिकों, जन-प्रतिनिधियों और शासकीय अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. यादव ने कहा है कि पूरा विश्वास है कि इस अभियान में पूरे प्रदेश के सभी जिलों में बेहतर से बेहतर कार्य होगा।

>>शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

छत्तीसगढ़ में 5 हजार शिक्षकों की होगी चरणबद्ध भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावशील बनाने के लिए शिक्षकों के पांच हजार रिक्त पदों पर चरणबद्ध भर्ती की जाएगी और इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शिक्षा विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार इस निर्णय से राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन और अध्यापन व्यवस्था को गति मिलेगी तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

रूस से तेल खरीदने वालों पर अमेरिका की सख्ती

500 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव, भारत-चीन पर निशाना

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ साहसिक आर्थिक रणनीति की वकालत की. उन्होंने कहा कि रूस से तेल, गैसोलीन या पेट्रोकेमिकल्स खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाना चाहिए. यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच अमेरिका ने रूस के खिलाफ आर्थिक मोर्चे पर एक और कड़ा कदम उठाने की तैयारी कर ली है. अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कीव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रूस से तेल, गैसोलीन या पेट्रोकेमिकल्स खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है. इस कदम का मकसद रूस के युद्ध कोष को कमजोर करना और भारत व चीन जैसे प्रमुख खरीदारों पर दबाव डालना है.

यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ साहसिक आर्थिक रणनीति की वकालत की. उन्होंने कहा कि रूस से तेल, गैसोलीन या पेट्रोकेमिकल्स खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाना चाहिए. यह प्रस्ताव रूस की आर्थिक ताकत को कमजोर करने और यूक्रेन युद्ध को वित्तीय रूप से प्रभावित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है. ब्लूमेंथल ने स्पष्ट किया कि इस कदम का लक्ष्य क्रेमलिन के युद्ध कोष को सीमित करना है, जो रूस के यूक्रेन पर हमले को जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

रूस के युद्ध कोष को कमजोर करने की कोशिश

भारत और चीन पर विशेष नजर–इस प्रस्ताव का सबसे ज्यादा असर भारत और चीन जैसे देशों पर पड़ सकता है, जो रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करते हैं. भारत, जो अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, ने यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ते दामों पर तेल खरीदने की मात्रा में काफी इजाफा किया है. 2023 तक भारत रूस से प्रतिदिन लगभग 16.2 लाख बैरल कच्चा तेल आयात कर रहा था, जो उसके कुल तेल आयात का 35 प्रतिशत हिस्सा है. इसी तरह, चीन भी रूस से तेल और गैस की खरीद में अग्रणी रहा है. सीनेटर ब्लूमेंथल का यह प्रस्ताव इन दोनों देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है.

प्रस्ताव का उद्देश्य और संभावित प्रभाव–इस प्रस्तावित विधेयक में उन सभी देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही गई है, जो रूस से तेल, गैसोलीन, पेट्रोकेमिकल्स, यूरेनियम या अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की खरीद जारी रखते हैं. यह टैरिफ तब लागू होगा, जब रूस यूक्रेन के साथ शांतिपूर्ण वार्ता में शामिल होने से इनकार करता है या यूक्रेन की संप्रभुता के साथ समझौता करने की कोशिश करता है. इस कदम से न केवल रूस की आर्थिक कमर तोड़ने की कोशिश की जा रही है, बल्कि उन देशों को भी चेतावनी दी जा रही है, जो रूस के साथ व्यापारिक रिश्ते बनाए रख रहे हैं.

भारत के लिए यह प्रस्ताव कई चुनौतियां खड़ी कर सकता है. भारत ने हमेशा अपनी ऊर्जा जरूरतों को प्राथमिकता दी है और रूस से सस्ता तेल खरीदना उसके राष्ट्रीय हित में रहा है. पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल आयात को लेकर अपनी नीति को स्पष्ट रखा है. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहले कहा था कि भारत वहां से तेल खरीदेगा, जहां उसे सस्ता और उपयुक्त मिलेगा. लेकिन 500 प्रतिशत टैरिफ का यह प्रस्ताव भारत की रिफाइनिंग और निर्यात रणनीति पर असर डाल सकता है, क्योंकि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन कर यूरोप और अन्य देशों को बेचता रहा है।

आंखों में आंसू, सामने जमींदोज हो रहे आशियाने

दिल्ली के जंगपुरा में अतिक्रमण हटाने की दर्द भरी दास्तां

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जंगपुरा क्षेत्र में स्थित मद्रासी कैंप को रविवार सुबह बुलडोजरों से ढहा दिया गया. यह कार्रवाई दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के तहत बारापुला नाले की सफाई और जाम खोलने के लिए की गई, ताकि मानसून के दौरान जलभराव बचा जा सके. हालांकि, इस कार्रवाई में 155 परिवारों को पुनर्वास से बाहर रखा गया, जिनकी आजीविका और भविष्य अब अनिश्चितता के गहरे साये में है. वहीं, अपनी आंखों के सामने अपने आशियाने को जमींदोज होते देख, महिलाओं और बच्चों की आंखों से आंसू छलक पड़े.

गौरतलब है कि मद्रासी कैंप इलाके में 370 झुग्गी-झोपड़ियां और बस्ती हैं जो 60 सालों से यहां रह रहे हैं. 370 में से 215 झुग्गियों में रहने वाले दिल्ली स्लम एंड झुग्गी झोपड़ी पुनर्वास और पुनर्स्थापन नीति 2015 के तहत पुनर्वास के लिए पात्र माना गया है. पात्र परिवारों को दिल्ली के बाहरी इलाके नरेला में फ्लैट आवंटित किए गए हैं जो यहां से लगभग 40 किलोमीटर दूर है.

वहीं, पुनर्वास से बाहर 155 परिवारों में से एक महिला ने अपना दर्ज बयां करते हुए बताया कि जब प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की तो मैं आपने बर्तनों को इकट्ठा कर रही थी. ताकि कुछ चीजों को बचाया जा सके, लेकिन जहां वह काम करती हैं वहां से लगातार फोन कॉल आ रहे थे और हर बार कॉल जंगपुरा में उनकी मैडम का था और हर बार एक ही सवाल काम पर क्यों नहीं आईं? तो पुष्पा ने कहा, मैंने डेढ़ महीने तक कोई छुट्टी नहीं ली, क्योंकि मुझे पता था कि कोर्ट का मामला खतरे की घंटी बजा रहा है और बाद में छुट्टियों की जरूरत पड़ेगी. फिर भी, मुझे लगातार कॉल्स आ रहे थे.

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने नियोक्ताओं को पहले से सूचित नहीं किया था तो उन्होंने जवाब दिया, क्या बोलें? वे कह रहे हैं तोड़ने में तुम्हारा क्या काम? बताइए, सड़क पर घर का सामान छोड़कर कैसे जाएं?

155 परिवारों को नहीं मिला पुर्नवास

पुष्पा उन 155 परिवारों में से एक हैं, जिन्हें पुनर्वास नहीं मिला. वे कहती हैं कि जो परिवार नरेला शिफ्ट हो चुके हैं, वे पहले से ही चिंतित है-वहां घरेलू काम का कोई अवसर नहीं है. वहां कौन पॉश एरिया है? कोई बर्तन-कपड़ा का काम नहीं मिलता. उन्होंने ये भी कहा, %कोई नहीं पूछ रहा कि उनका घर अभी भी खड़ा है या नहीं. कोई नहीं आया कि देखे कि हमारे पास सोने के लिए जगह है या नहीं.

दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड के अनुसार, मद्रासी कैंप बारापुला के एक महत्वपूर्ण खंड के ठीक ऊपर स्थित था, जो बारिश के प्राकृतिक प्रवाह को छोटा करता था और एक बाधा के रूप में कार्य करता था. 2023 में कोर्ट के आदेशों ने छ्रष्ठ और दिल्ली सरकार को इन अतिक्रमणों को 2024 के मानसून से पहले हटाने का निर्देश दिया था.

वोट न डालने वालों के घरों पर हुए एक्शनः पीड़ित परिवार–वहीं, कुछ लोग डीडीए की कार्रवाई का विरोध के लिए कई क्लिपबोर्ड लेकर आए थे. आजतक से बात करने वाले कम से कम छह परिवारों ने दावा किया कि सर्वेक्षक प्रिंटेड सूचियों के साथ आए और सुझाव दिया कि उनके नाम इसलिए गायब हैं, क्योंकि उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में वोट नहीं दिया. कुछ मामलों में परिवारों को बताया गया कि उन्होंने दो लगातार चुनावों में वोट नहीं दिया था. जो अधिकारियों के अनुसार, उन्हें पुनर्वास के लिए अयोग्य बनाता है.

55 वर्षीय रानी ने बताया कि मैं यहां 20 साल से ज्यादा समय से रह रही हूं, पिछले चुनाव में मुझे तमिलनाडु के अपने गृहनगर जाना पड़ा. मेरी मां बीमार थी. मैं वोट नहीं दे सकी. क्या इसका मतलब ये है कि आप मेरा घर छीन लेंगे और मुझे दूसरा नहीं देंगे?

आधिकारिक प्रक्रिया के अनुसार, दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड (छ्रस्ढ्ढक्च) को पात्रता प्रमाण पत्र जारी करने का काम सौंपा गया है।

रूस के दो एयरबेस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन अटैक, उड़ा डाला बेस

कीव। रूस और यूक्रेन का युद्ध और ज्यादा विस्फोटक हो चुका है। रूस के दो एयरबेस पर यूक्रेन ने अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन अटैक किया है, कई बम बरसाए गए हैं। खबर है कि ओलेन्या और बेलाया एयर बेस पर यूक्रेन ने हमला किया है।

बड़ी बात यह है कि यूक्रेन का टारगेट वो बेस रहा है जहां से रूस लगातार बमबारी कर रहा था। ऐसे में उसी बमबारी वाले क्षेत्र को ही यूक्रेन ने उड़ा डाला है।

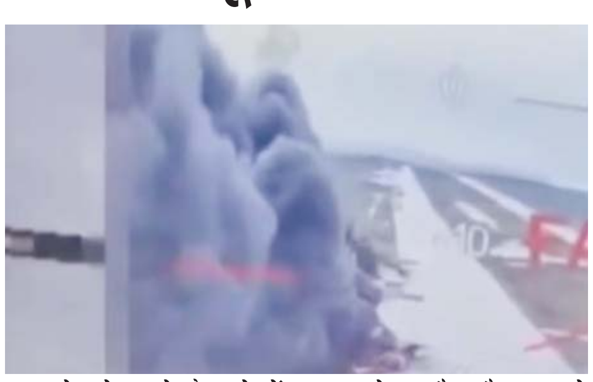

यूक्रेन ने हमले के बारे में क्या कहा?

यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक यह उनका अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन अटैक है। कम से कम 10 धमाके रूस में सुनाई दिए हैं, कई जगह आग लगी है। इस समय सोशल मीडिया पर उस हमले का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें धुएं का बड़ा गुबार इमारत के ऊपर से निकल रहा है। यूक्रेन की माने तो उसने इस हमले में रूस के कम से कम 40 बॉम्बर्स को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। यूक्रेन की सेना ने भी एक जारी बयान में इस हमले की पुष्टि की है।

रूस के लिए कितना बड़ा झटका?–सेना का कहना है कि उन्होंने रूस के ञ्जह्व-95, ञ्जह्व-22 और महंगे और दुर्लभ ८-50 जासूसी विमान तक को भारी नुकसान पहुंचाया है, काफी गहराई तक जाकर सटीक स्ट्राइक किया गया है। ये हमले रूस के लिए एक बड़ा झटका हैं क्योंकि सीधी चोट उनके सैन्य ठिकाने पर की गई है, वहां भी दशकों पुराने विमानों को नुकसान पहुंचाया गया है। अभी के लिए रूस ने इन हमलों की पुष्टि नहीं की है, उसकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन तीन सालों से चल रहे इस युद्ध में यूक्रेन के अटैक को निर्णायक माना जा रहा है।

रूस 9 घंटों तक बरसाता रहा मिसाइल-ड्रोन, 12 यूक्रेनी सैनिक मारे

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। रविवार को रूस ने लगातार 9 घंटे तक मिसाइलों और ड्रोन से यूक्रेन के कई अहम शहरों पर हमले किए, जिनमें राजधानी कीव भी शामिल है। इन हमलों में 12 यूक्रेनी सैनिकों की भी मौत की सूचना है। ये हमले उस वक्त हुए हैं जब दोनों देशों के बीच इस सप्ताह इस्तांबुल में शांति वार्ता की तैयारी चल रही है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने युद्ध की स्थिति को और जटिल बना दिया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है।

हमलों में 12 यूक्रेनी सैनिक मारे गए- यूक्रेन की सेना ने बताया कि एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर हुए हमले में 12 लोग मारे गए और 60 से अधिक घायल हुए। हालांकि, इस केंद्र के स्थान की जानकारी साझा नहीं की गई। इसके अलावा, द्निप्रोपेट्रोव्स्क, ज़ापोरिज़्ज़िया, ओडेसा और खारकीव जैसे नागरिक इलाकों में भी बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इन हमलों में एक व्यक्ति की मौत हुई और कई घायल हुए।

कीव समेत 5 शहरों में तबाही

पांच शहरों में तबाही के निशान–कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों पर भी शनिवार रात से हमले जारी रहे। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि रूस ने ड्रोन हमलों की संख्या बढ़ा दी है ताकि नागरिक इलाकों को निशाना बनाया जा सके। हालांकि, इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन दर्जनों घर क्षतिग्रस्त हुए।

वार्ता से पहले फिर बढ़ा तनाव–यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री साइबिहा ने इस हमले की निंदा करते हुए कहा, रूस शांति वार्ता की बातें करता है, लेकिन असलियत में हमला और आतंक फैलाता है। यह

क्षीर भवानी मेले में देशभर से पहुंचे श्रद्धालु

आपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में लगेगा हजारों का जमघट

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। देशभर से श्रद्धालु माता की भवानी के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। यह मेला 3 जून को संपन्न होना है। आपरेशन सिंदूर के उपरांत प्रशासन ने इतने बड़े आयोजन की इजाजत भी दी है और तैयारियां भी कर दी हैं। आज सुबह जम्मू से भी कड़ी सुरक्षा के बीच जत्था कश्मीर के लिए रवाना हुआ। यह मेला सिर्फ धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि विस्थापित समुदाय के लिए अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर भी है।

क्षीर भवानी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि यह एक ऐसा मौका होता है जब वे अपनी आराध्य देवी के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन पर असर पड़ा है, लेकिन इस यात्रा से उम्मीद की जा रही है कि हालात सामान्य होंगे और श्रद्धा के साथ-साथ पर्यटन भी फिर से रफ्तार पकड़ेगा। यह सच है कि आपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में इतना बड़ा धार्मिक मेला हो रहा है। 1990 के दशक में आतंकवाद के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए कश्मीरी पंडितों के लिए यह यात्रा सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक पुनर्संयोजन का प्रतीक बन गई है। श्रद्धालुओं ने भरोसा जताया है कि वे केवल माता भवानी में ही नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर भी पूर्ण विश्वास रखते हैं। उनका कहना है कि मुश्किल हालात के बावजूद कश्मीरी पंडितों की आस्था डगमगाई नहीं है। माता के प्रति उनका समर्पण पहले की तरह मजबूत है। साथ ही वे मानते हैं कि सरकार और सुरक्षा बलों ने यात्रा की सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रबंध किए हैं जिससे उन्हें किसी प्रकार का डर नहीं है। जम्मू में रिलीफ कमिश्नर माइग्रेंट्स ने बताया कि इस यात्रा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं।

कश्मीर के हिन्दू समुदाय की आस्था का प्रतीक–जम्मू। क्षीर भवानी मंदिर श्रीनगर से 27 किलोमीटर दूर तुलमुल्ला गांव में स्थित है। ये मंदिर मां क्षीर भवानी को समर्पित है। यह मंदिर कश्मीर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। मां दुर्गा को समर्पित इस मंदिर का निर्माण एक बहती हुई धारा पर किया गया है। इस मंदिर के चारों ओर चिनार के पेड़ और नदियों की धाराएं हैं, जो इस जगह की सुंदरता पर चार चांद लगाते हुए नज़र आते हैं। ये मंदिर, कश्मीर के हिन्दू समुदाय की आस्था को बखूबी दर्शाता है। महाराग्य देवी, रग्न्या देवी, रजनी देवी, रग्न्या भगवती इस मंदिर के अन्य प्रचलित नाम है। इस मंदिर का निर्माण 1912 में महाराजा प्रताप सिंह द्वारा करवाया गया जिसे बाद में महाराजा हरी सिंह द्वारा पूरा किया गया।

नाम सुधार सूचना

मैं नंदराम धानका पिता श्री कालका प्रसाद धानका शंकराचार्य वार्ड नरसिंहपुर का निवासी हूँ। मेरे पुत्र प्रियांश धानका का जन्म सरकारी अस्पताल नरसिंहपुर में हुआ था। पुत्र के जन्म प्रमाण में दुर्गेश धानका दर्ज है जिसके स्थान पर प्रियांश धानका दर्ज करवाना चाहता हूं एवं मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में प्रियांश धानका दर्ज कर डिजीटल जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावे। इस हेतु शपथ प्रस्तुत किया है।

नंदराम धानका

गुजरात के मंत्री का बेटा मनरेगा घोटाला मामले में गिरफ्तार

राजकोट। गुजरात सरकार के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री बचुभाई खाबड़ के बेटे बलवंत खाबड़ को एक और मनरेगा घोटाले के मामले में रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब कुछ दिन पहले ही उन्हें एक पुराने मामले में जमानत मिली थी।

पहले भी हो चुकी है गिरफ्तारी–बलवंत और उनके भाई किरण, दोनों को 16 मई को मनरेगा से जुड़े एक कथित 71 करोड़ रुपये के घोटाले में धोखाधड़ी, जालसाजी और विश्वासघात के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 29 मई को दोनों को जमानत मिल गई थी। लेकिन जैसे ही किरण जेल से बाहर आए, पुलिस ने उन्हें एक और नए मामले में उसी दिन फिर से गिरफ्तार कर लिया। अब 1 जून को बलवंत को भी नए मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्या है नया मामला?–दाहोद के बी डिवीजन पुलिस थाने में 31 मई को एक नई एफआईआर दर्ज की गई। इसके अनुसार, बलवंत की कंपनी %श्री राज कंस्ट्रक्शन कंपनी, पीपेरो% ने वर्ष 2022-23 में दाहोद जिले के धनपुर तालुका के भानपुर गांव में मनरेगा के तहत काम किए बिना ही ?33.86 लाख की सरकारी भुगतान ले लिया। एफआईआर में कहा गया है कि बलवंत ने कुछ सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से बिना सामग्री की आपूर्ति किए और बिना काम किए हुए फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए भुगतान हासिल कर लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जल संचय करने वालों.......

रिचार्ज सॉफ्ट, 23570 डगवेल, 5780 बोल्डर चेकडेम, 1256 बोल्डर वॉल, 3960 बोरीबंधान, 7455 पत्थर/मिट्टी के फील्डबण्ड, 5500 गलीप्लग (गेबीयन/लूज बोल्डर), 3269 नाला ट्रेंच, 6528 हैंडपंप रिचार्ज, 39000 रूफवाटर हार्वेस्टिंग, 58 चेकडैम/स्टॉपडैम/तालाब, 4800 पोखर तालाब, 2275 ड्रेनवर्क, 1500 खेत तालाब, 68 कंटूर ट्रेंच, 750 सूखे बोर रिचार्ज, 2462 जीर्णोद्धार कार्य एवं 6560 अन्य जल संरक्षण के जैसे जल संरचनाओं का पुनरुद्धार, हैंडपंप पुनर्भरण, सूखे बोरवेल का पुनर्भरण और कुएं के पुनर्भरण कार्य शामिल हैं।

भौतिक सत्यापन के बाद होगी पुरस्कार की घोषणा–केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के बाद भारत सरकार द्वारा जिले में हुए कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जल संचय, जनभागीदारी अभियान अंतर्गत एक अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 के बीच जो निर्माण किया गया है, उसके आधार पर खंडवा जिला देश में पहले नंबर पर है।

क्या है जल संचय, जन भागीदारी अभियान–प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल प्रबंधन को लेकर समग्र दृष्टिकोण के अंतर्गत सरकार तथा समाज के समन्वित प्रयासों द्वारा विविध जल आवश्यकताओं को पूरा करने पर बल दिया। इसका उद्देश्य जहां गिरे, जब गिरे - वर्षा का जल संचित करें के मंत्र के साथ वर्षा जल संचयन और जन सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस अभियान की सफलता के आधार पर जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग ने 6 सितंबर 2024 को जल शक्ति अभियानः कैच द रेन के तहत जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत की गई। जिसका उद्देश्य कम लागत, वैज्ञानिक और सामुदायिक तरीके से भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देना एवं समुदायों की भागीदारी के माध्यम से कृत्रिम भू जल पुनर्भरण की आवश्यकता के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है, जिससे जल संकट जैसी चुनौतियों का समाधान किया जा सके। साथ ही सामुदायिक भागीदारी से विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों को जल संरक्षण परियोजनाओं की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करना है। जन-भागीदारी से जल संरचनाओं का निर्माण एवं पुनरुद्धार करने के साथ ही कम लागत में बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट, रूफटॉप वर्षा जल संचयन, जलाशयों का पुनरुद्धार करना भी अभियान में शामिल हैं।

देश-प्रदेश

उवाच

आतंक के आकाओं को एक झटके में खत्म कर दिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आतंक के बहुत सारे आका बीते ढाई-तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे। जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे। उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया। पीएम श्री मोदी ने आगे कहा कि साथियों भारत की इस कार्रवाई से पाकिस्तान घोर निराशा में घिर गया था। हताशा में घिर गया था। बौखला गया था। इसी बौखलाहट में उसने एक और दुस्साहस किया। आतंक पर भारत की कार्रवाई का साथ देने की बजाय पाकिस्तान ने भारत पर ही हमला करना शुरू कर दिया।

मोहन सरकार की बड़ी कार्रवाई

कटनी और दतिया के पुलिस अधीक्षक को हटाया, चंबल आईजी-डीआईजी का भी तबादला

मुख्यमंत्री ने कहा - लोकसेवा में इनका व्यवहार खेदजनक

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते जहां 2 पुलिस अधीक्षकों को हटा दिया है, वहीं चंबल रेंज के आईजी और डीआईजी का भी स्थानांतरण कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस निर्देश पर यह स्थानांतरण के आदेश जारी किए गए हैं। इन अधिकारियों से नाराज मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सोशल मीडिया एक्स पर टिप्पणी करते हुए लिखा है कि कटनी के पुलिस अधीक्षक और दतिया के पुलिस अधीक्षक तथा आईजी, डीआईजी चंबल रेंज द्वारा ऐसा व्यवहार किया गया, जो लोकसेवा में खेदजनक हैं। इस कारण इन्हें तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही डॉ. यादव ने इस अधिकारियों को हटाने के लिए निर्देशित किए।

गृह विभाग द्वारा रविवार रात को जारी आदेश के मुताबिक कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन, दतिया के पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र कुमार, चंबल रेंज के आईजी सुशांत कुमार सक्सेना और डीआईजी कुमार सौरभ को हटा दिया गया है। इन चार अधिकारियों के साथ ही कुल 10 आईपीएस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं।

जिनमें मंत्री विजय शाह के मामले में जांच के लिए बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के मुखिया प्रमोद वर्मा का भी स्थानांतरण कर दिया गया है। सागर रेंज के आईजी प्रमोद वर्मा को जबलपुर रेंज का आईजी बनाया गया है।

जहां नगर पुलिस अधीक्षक के साथ प्रेम प्रसंग की खबरों के बीच विवादों में आने पर कटनी के पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन को हटाया गया है। जबकि शनिवार को दतिया एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम में व्यवस्थाओं के दौरान पुलिस अधीक्षक और आईजी, डीआईजी की आपस में बहस हो गई थी। इस विवाद की जानकारी मुख्यमंत्री तक पहुंचते ही उन्होंने स्वत: संज्ञान लेकर इन अधिकारियों को हटा दिया। साथ ही उनके व्यवहार को लोकसेवा के लिए खेदजनक बताया।

5सोलंकी सागर और अतुलकर चंबल आईजी पदस्थ

आईपीएस चंद्रशेखर सोलंकी को सागर आईजी और सचिन कुमार अतुलकर को चंबल जोन, मुरैना आईजी पदस्थ किया गया। कुमार सौरभ को डीआईजी चंबल रेंज मुरैना स्थानांतरित किया गया है। वहीं सूरज वर्मा को दतिया और अभिनव विश्वकर्मा को कटनी पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के तबादले

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने 10 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक देवेन्द्र कुमार दुबे उपसंचालक जिला-भोपाल से जलबपुर, पंकज श्रीवास्तव उपसंचालक जिला-जबलपुर से भोपाल, महेन्द्र वर्मा उपसंचालक जिला-उज्जैन से शाजापुर, हिमाली सोनपाठकी उपसंचालक जिला-इंदौर से देवास, राजू सोलंकी उपसंचालक जिला-उज्जैन से नीमच, नीतू खरे उपसंचालक जिला पन्ना से छतरपुर, ज्योति बंसल उपसंचालक जिला-हरदा से सीहोर, दीपा टटवाड़े उपसंचालक जिला शाजापुर से उज्जैन संध्या मार्को उपसंचालक जिला-डिण्डौरी से छिंदवाड़ा पदस्थ किया गया।

राहुल गांधी कल करेंगे सृजन अभियान का शुभारंभ, तैयारियों को लेकर दिग्गजों ने की बैठक

▸ अखिल भारतीय कांग्रेस ने सौंपी पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस 3 जून से राजधानी में सृजन अभियान का शुभारंभ करने जा रही है। इस अभियान का शुभारंभ करने के के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 3 जून को भोपाल आ रहे हैं।

इसकी तैयारियों को लेकर आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। अभियान के दौरान राहुल गांधी सबसे पहले कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की बैठक को संबोधित करेंगे। इसके अलावा राहुल पार्टी संगठन के अलग अलग प्रकोष्ठों और विभागों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चर्चा करेंगे। वहीं राहुल गांधी मध्य प्रदेश से जुड़े किसी भी कार्यकर्ता और नेता से वन टू वन भी बात कर सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस की इस उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव और कमलेश्वर पटेल सहित अन्य दिग्गज नेता मौजूद रहे। पर्यवेक्षक नियुक्त : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए 11 सदस्यीय एआईसीसी पर्यवेक्षकों की टीम का गठन किया है। यह नियुक्तियां पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत की गई हैं, जिनका उद्देश्य राज्य में पार्टी के संगठन और समन्वय को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना है। इन पर्यवेक्षकों में धीरज गुर्जर, दानिश अबरार, दिव्या मदेरणा, इंदिरा मीना, मुकेश भाकर, मनीष यादव, डॉ. रागिनी नायक, अमीत सुभाषराव झनक, रवि बहादुर, राघवेन्द्र कुमार सिंह और गुरुदयाल सिंह बंजारे को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 मई को भोपाल प्रवास के दौरान विकास की अनेक ऐतिहासिक सौगातें देने पर आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकास की अनेक ऐतिहासिक सौगातें देकर प्रदेश के सपनों को नई उड़ान दी है, मध्यप्रदेश आनंदित है, उत्साहित है, कृतज्ञ है। यह सौगातें आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में सशक्त सिद्ध होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का यह स्नेह और विश्वास हमें निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अमूल्य सहयोग और अपार स्नेह के लिए उनका हृदय से आभार।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने बाबा महाकाल से प्रार्थना की कि राज्यपाल के सभी संकल्प पूर्ण हों और उन्हें उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपने प्राकृतिक खेती की अद्भुत प्रेरणा दी है, जो न केवल मानव जीवन, बल्कि संपूर्ण पर्यावरण के लिए जीवनदायिनी है। बाबा महाकाल आपके सभी संकल्पों को सिद्ध करें, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें मेरी मंगलकामनाएं। मंगूभाई छगनभाई पटेल मूलत: गुजरात से हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे श्री पटेल लंबे समय तक नवसारी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे हैं। गुजरात सरकार में वे मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2014 में उन्हें गुजरात विधानसभा का कार्यकारी उपाध्यक्ष भी बनाया गया था। उन्हें 6 जुलाई 2021 को मध्यप्रदेश के 19वें राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया।

बिहार में बेटियां सुरक्षित नहीं: कांग्रेस

कानून का राज खत्म होने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि बिहार में नाबालिगों के साथ दुष्कर्म और हैवानियत की जघन्य घटनाएं हो रही हैं और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। इस तरह की घटनाएं बिहार में तथाकथित सुशासन की पोल खोलती हैं। कांग्रेस सांसद डॉ. रंजीत रंजन तथा पार्टी प्रवक्ता डॉ. शम्मा मोहम्मद ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार में बेटियां सुरक्षित नहीं है, वहां कानून का राज खत्म हो गया है, बच्चियों के साथ जघन्य अपराध होते हैं और अस्पतालों में पीड़ित का इलाज करने से इनकार कर दिया जाता है लेकिन सरकार ना आपराधिक मामला दर्ज करती है और ना किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुजफ्फरपुर में 26 मई को एक दिल दहलाने वाली घटना हुई जिसमें नाबालिग बच्ची के साथ जघन्य वारदात हुई है। बच्ची का गला रेता गया और उसके शरीर पर कई भयावह वार किए गए। जानकारी के मुताबिक 34 साल के जिस व्यक्ति ने इस हैवानियत को अंजाम दिया है। वह पहले भी ऐसी घटनाओं में शामिल रहा है। नाबालिग बच्ची की हत्या के लिए राज्य की जनता दल यू- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने सवाल किया कि आखिर बिहार में इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति इस तरह खुलेआम कैसे घूम रहे हैं।

ये कैसा सुशासन राज

कांग्रेस नेताओं ने इसे शर्मनाक बताया और कहा कि बिहार में लगातार जघन्य अपराधों हो रहे हैं और डबल इंजन सरकार% कान में तेल डालकर सो रही है। उन्होंने अपराध के लिए प्राथमिकी दर्ज करके एम्स के डॉक्टरों पर कार्रवाई करने की मांग की और कहा बिहार में न तो हेल्थ सिस्टम सही है, न कानून व्यवस्था और न ही प्रशासन। ये कैसा सुशासन राज है- जहां बच्चे असुरक्षित हैं।

विद्यालयों में ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा पौधरोपण अभियान

▸ स्कूल शिक्षा विभाग 50 लाख पौधों का करेगा रोपण

भोपाल, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विद्यालयों में 5 जून से ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर पौध रोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान प्रदेश में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के नाम से चलाने का फैसला किया गया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। प्रत्येक जिले में अभियान के दौरान एक लाख पौधों का रोपण करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में विद्यार्थियों की भागीदारी से 30 सितम्बर तक 50 लाख पौधे रोपे जायेंगे।

व्यापक स्तर पर पौध रोपण का उद्देश्य बच्चों और युवा पीढ़ी को सतत् विकास के प्रति संवेदनशील बनाने और प्रकृति को हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदार बनाना है। यह अभियान मातृत्व की भावना का सम्मान करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना भी है। पौध रोपण में स्थानीय और क्षेत्रीय प्रजातियों के पौधे लगाने को प्राथमिकता दी जायेगी। अभियान के दौरान बच्चों को पौधों की किस्मों और उनके फायदे की जानकारी भी साझा की जायेगी। जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों, ग्राम में उपलब्धभूमि एवं विद्यालय की छात्र संख्या के अनुसार कार्ययोजना बनाने के लिये कहा गया है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठन करने को कहा गया है। समिति में वनमंडल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, स्कूल प्राचार्य, समाज के प्रमुख नागरिकों को शामिल करने के लिये कहा गया है। समिति के नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सहायक नोडल अधिकारी होंगे।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी से पवन कल्याण नाराज

विजयवाड़ा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत राज मंत्री के पवन कल्याण ने पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा कानून की छात्रा शर्मिष्ठा को गिरफ्तार किए जाने पर नाराजगी जाहिर की है और सवाल किया है कि जब तृणमूल के नेता सनातन धर्म का मजाक उड़ाते हैं, तो तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं करती है। कल्याण ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कानून की छात्रा शर्मिष्ठा ने अपनी बात रखी, उसके शब्द खेदजनक और कुछ लोगों को आहत करने वाले थे।

उसने अपनी गलती स्वीकार की, वीडियो डिलीट किया और माफी मांगी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शर्मिष्ठा के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

फोन नं. 07582-220840 ईमेल आईडी. cepwdsagar@mp.nic.in

एनआईटी नं.-10/2025-26 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण

सागर दिनांक 28.05.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	आमंत्रण
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_ PWDRB_ 426340_1	लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत बसारी से बारछा तिगड्डा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 6.30 किमी अनु. लागत 683.79 लाख	सागर	683.79	683790.00	20000.00	10 माह	प्रथम
2	2025_ PWDRB_ 426341_1	लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर का निर्माण कार्य लं.6.65 कि.मी. विद्युतीकरण कार्य सहित अनु लागत 723.19 लाख 1- बेरखेड़ी टड़ा मार्ग से रिफायनरी गेट नं.1 मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 1.25 किमी. अनु. लागत 136.49 लाख 2- बेलई से देहरी मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 5.40 किमी. अनु.	सागर	723.19	723190.00	20000.00	10 माह	प्रथम
3	2025_ PWDRB_ 426342_1	लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर का निर्माण कार्य लं.6.70 कि.मी. विद्युतीकरण कार्य सहित अनु. लागत 953.16 लाख 1. निर्तला मंडी बामोरा मार्ग से भापसोन पहलेजपुर मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 4.70 किमी. अनु. लागत 605.44 लाख 2- बीना खिमलासा मार्ग से महेरा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित निर्माण कार्य लं. 2.00 किमी. अनु. लागत 347.72 लाख	सागर	953.16	953160.00	20000.00	12 माह	प्रथम
4	2025_ PWDRB_ 426343_1	भानगढ़ से खिरिया भगवती आमखेड़ा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 4.75 किमी अनु. लागत 693.12 लाख	सागर	693.12	693120.00	20000.00	10 माह	प्रथम
5	2025_ PWDRB_ 426344_1	देवल से पालीखेडा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 7.20 किमी. अनु. लागत 717.87 लाख	सागर	717.87	717870.00	20000.00	10 माह	प्रथम
6	2025_ PWDRB_ 426345_1	बीना कंजिया मार्ग लहटवास विलखना निवोदा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 6.50 किमी. अनु. लागत 801.96 लाख	सागर	801.96	801960.00	20000.00	10 माह	प्रथम
		योग		4573.09				

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट http://mptenders.gov.in/ पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट/कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 29.05.2025 समय 17.30 बजे से दिनांक 13.06.2025 समय 17.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

G-13672/25

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

मुख्य अभियंता,
लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को किया संबोधित, कहा-

ममता के आशीर्वाद से हो रही घुसपैठ

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत में बंगलादेशियों की घुसपैठ के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ही इसे प्रभावी रूप से रोक सकती है। श्री शाह ने आज यहां नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, बंगाल के वोट केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करते हैं। बंगाल का वोट देश की सुरक्षा से जुड़ा है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगलादेशियों के लिए हमारे देश की सीमाएं खोल दी हैं। उनके आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है। आप मुझे बताएं, घुसपैठ रोकनी चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा, क्या दीदी (ममता बनर्जी) इसे रोक सकती हैं? क्या उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) इसे रोक सकते हैं? केवल पद्म (कमल/भाजपा) सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के वास्ते घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए सुश्री बनर्जी नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री ने जबानी हमला जारी रखते हुए सुश्री बनर्जी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सस्ती राजनीतिक टिप्पणी करने तथा एक तरह से देश की करोड़ों माताओं और बहनों की भावनाओं से खेलने का आरोप लगाया। श्री शाह ने मुख्यमंत्री के उस आरोप के संदर्भ में यह टिप्पणी की जिसमें कहा गया था कि भाजपा नीत केंद्र सरकार अमेरिका के सामने चुप थी, जबकि हर जगह 'ऑपरेशन सिंदूर'का प्रचार कर रही थी।

सीमा सुरक्षा केंद्र की जिम्मेदारी: टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस आरोप पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त दी है, जिसमें उन्होंने कहा कि- पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। इस पर टीएमसी ने कहा कि सीमा सुरक्षा बीएसएफ की जिम्मेदारी है, जो केंद्र सरकार के अधीन काम करती है।

एनसीपी में सेंधमारी से अजित पवार नाराज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुखिया अजित पवार को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। उनकी पार्टी के सात विधायकों ने एक साथ पार्टी का साथ छोड़ सत्ताधारी पार्टी में विलय कर लिया है। एनडीपीपी द्वारा एनसीपी में सेंधमारी करने से अजित पवार काफी नाराज है।

हालांकि ये विलय महाराष्ट्र में नहीं, बल्कि नागालैंड में हुआ, जहां एनसीपी के सभी सात विधायक सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) में शामिल हो गए। इससे मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के नेतृत्व वाली एनडीपीपी को 60 सदस्यीय विधानसभा में पूर्ण बहुमत मिल गया। इस विलय के साथ ही सत्ताधारी पार्टी के विधायकों की संख्या 25 से बढ़कर 32 हो गई है। शरद पवार की संयुक्त

▸ एनडीए बैठक में उठाएंगे आवाज

एनसीपी में टूट के बाद नागालैंड इकाई ने अजित पवार गुट का साथ दिया था। एनसीपी का आरोप है कि एनडीपीपी ने उनकी पार्टी में पोचिंग कर गठबंधन धर्म का उल्लंघन किया है। एनडीए की अगली बैठक में अजित पवार इस मुद्दे को उठाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष शारिंगैन लोंगकुमेर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सात

ों विधायकों ने स्वयं उपस्थित होकर विधानसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र सौंपे, जिनमें एनडीपीपी में विलय का उनका निर्णय बताया गया।

आखिर किसे राजद का जयचंद बता रहे तेज प्रताप

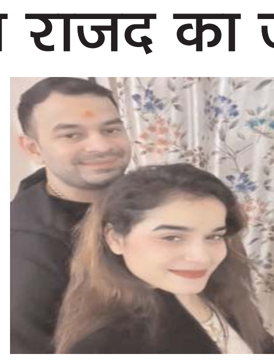

पटना, देशबन्धु। लालू यादव का परिवार इन दिनों उथल पुथल के दौर से गुजर रहा है। राजद सुप्रीमो के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने जब अनुष्का यादव से 12 वर्ष से रिलेशनशिप में रहने का खुलासा किया तो लालू यादव ने उन्हें 25 अप्रैल को पार्टी और परिवार से बेदखल कर दिया। हालांकि पिता द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद भी तेज प्रताप यादव लगातार अपने परिवार के साथ होने का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव को बेटा होने पर उन्हें बधाई दी। बाद में राजद द्वारा केंद्र और बिहार की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने पर तेज प्रताप यादव ने उसी भाषा में आवाज बुलंद दी। वहीं रविवार को उन्होंने राजद में मौजूद 'जयचंद' को लेकर संदेश दिया। उन्होंने जयचंद द्वारा उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। ऐसे में बड़ा सवाल है कि तेज प्रताप यादव किसे जयचंद बता रहे हैं।

■ जयचंद द्वारा उनके खिलाफ साजिश रचने का लगाया आरोप

तेज प्रताप यादव ने अपने संदेश में कहा कि मेरे प्यारे मम्मी पापा....मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप है तो सब कुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग।

जबलपुर, सोमवार 02 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

भाजपा और मीडिया का असली नारी विरोधी चेहरा

शानिवार का इंडिया टुडे समूह के आज तक चैनल पर एक बहस में भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत की दिवंगत मां के लिए, अपशब्द कहे और एंकर द्वारा टोके जाने के बावजूद अपशब्दों का सिलसिला जारी रखा। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के जुड़े सवालों और कुछ विवादित मुद्दों को लेकर चैनल पर बहस चल रही थी, जिसमें श्री राजपूत अपनी बात रख रहे थे, इसी दौरान भाजपा प्रवक्ता ने पहले तो उनके पिता के लिए, अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उसके बाद उनकी मां को ऐसे अपशब्द कहे, जिन्हें यहां लिखा नहीं जा सकता। हालांकि बहस संचालित कर रहे एंकर ने भाजपा प्रवक्ता की इस हरकत पर फौरन ऐतराज जताया और अपशब्दों के लिए माफी भी मांग ली, लेकिन उसके बाद एंकर ने कहा कि प्रेम शुक्ला और सुरेन्द्र राजपूत जी आप लोग क्या कर रहे हैं। जबकि सुरेन्द्र राजपूत केवल अपना पक्ष रख रहे थे और उनकी भाषा भले तल्ख हो, लेकिन उनमें किसी के निजी जीवन पर टिप्पणी या माता-पिता के लिए अपशब्द नहीं थे। फिर भी आज तक के एंकर ने दोनों प्रवक्ताओं को एक पलड़े पर रख दिया। एंकर की यह दखलंदाजी किसी नजरिए से मासूम नहीं कही जा सकती। यहां गलत को गलत और सही को सही कहे जाने की जरूरत थी, लेकिन अब मीडिया के ऐसे धड़े में इस नैतिकता के लिए कोई जगह ही नहीं बची है।

देश के समाचार चैनलों पर बहस का स्तर इतना गिर चुका है कि अब शायद पूरे परिवार के साथ खबरें नहीं देखी जा सकती, विमर्श नहीं सुने जा सकते। फिल्मों, धारावाहिकों, वेब सीरिज आदि में पहले से भाषा, दृश्यों आदि को लेकर अस्वीकरण दिया जाता है। अब क्या यही सिलसिला समाचार चैनलों पर भी शुरु हो जाएगा, यह चैनल मालिकान को सोचना होगा। दरअसल पहली बार नहीं है कि जब समाचार चैनल पर किसी ने अपशब्द का इस्तेमाल किया, कुछेक प्रकरण अतीत में भी हुए हैं। लेकिन तब विरोध की दो-चार आवाज़ों के अलावा कोई सख्त कार्रवाई न होने के कारण अपनी जुबान पर नियंत्रण न रखने वालों को और शह मिल गई। भाजपा के लिए ऐसे प्रवक्ता अक्सर फायदेमंद साबित होते हैं क्योंकि बदनामी में भी उसे नाम दिखाई देता है। वहीं चैनल मालिकान के लिए टीआरपी और मुनाफा ही पत्रकारिता का अंतिम सत्य बन चुका है। लिहाजा ये भी बहस के नाम पर निम्न स्तरीय विमर्शों को बढ़ावा देते हैं। इन चैनलों के एंकर जिन्होंने कभी किसी मकसद से पत्रकारिता की डिग्री ली होगी, वे भी शायद पूरी तरह पथभ्रष्ट हो चुके हैं। अब वही एंकर सबसे सफल माना जाता है, जिसके कार्यक्रम में सबसे अधिक झगड़ा हो और मारपीट तक नौबत आ जाए, तो बात ही क्या है। हाल ही में एक एंकर ने तो खुद अपनी कुर्सी से उठकर कांग्रेस नेता को धमकाया था कि वह अपनी बात वापस ले। तुम बदतमीज हो, अपनी हद में रहो, अरे जाओ हमें मत सिखाओ, ऐसी शब्दावली तो अब इतनी आम हो चुकी है कि दर्शकों को शायद इसमें कुछ गलत ही नहीं दिखता।

लेकिन अब दर्शकों को भी सोचना होगा कि आखिर जिस कार्यक्रम को वे ज्वलंत मुद्दों को समझने या अपनी राय विकसित करने के लिए देख रहे हैं, उनसे उन्हें क्या हासिल हो रहा है। कांग्रेस या भाजपा विरोधी खेमे के बाकी दलों को भी सोचना होगा कि वे समाचार चैनलों पर आखिर अपना पक्ष रखने जा ही क्यों रहे हैं, जबकि वहां उन्हें अकेले घेरकर प्रायोजित तरीके से अपमानित किया जाता है। विपक्ष को अपनी बात रखनी है तो सीधे जनता के बीच जाए और सोशल मीडिया के मंच का इस्तेमाल करे। जिस दिन जहर फैलाने वाले तमाम चैनलों का सामूहिक बहिष्कार हो जाएगा, उस दिन से इनकी मुनाफाखोरी भी रुकेगी और तब शायद पत्रकारिता के लिए कोई जगह बन पाएगी।

इस घटना से स्वाभाविक तौर से आहत सुरेन्द्र राजपूत ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट लिखा कि- मां तो मां है सबकी एक जैसी है वो चाहे कांग्रेस वालों की हो भाजपा वालों की हो मेरी मां हो या प्रेम शुक्ला की मां हो या फिर भारत मां हो।

मेरी मरी हुई मां को गाली देकर भाजपा ने अपनी वैचारिक दरिद्रता दिखा दी है। इस घटना की वीडियो क्लिप भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई और कांग्रेस के साथ-साथ, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, शिवसेना तमाम दलों के नेताओं ने प्रेम शुक्ला के कथन की कड़ी आलोचना की और साथ ही सवाल उठाए कि क्या भाजपा इसी तरह नारी शक्ति का अभिनंदन करती है।

अखिलेश यादव ने लिखा कि भाजपा से जनता को नैतिक-धर्म, पारिवारिक-आदर्श, सामाजिक आचरण और भाषिक मर्यादा की रत्ती भर भी उम्मीद नहीं बची है। भाजपा के दिन पूरे हुए। वहीं शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि प्रेम शुक्ला उन पर भी इसी तरह की अभद्र भाषा के साथ टिप्पणी कर चुके हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने लिखा कि ये भाजपाई हमेशा से महिला विरोधी रहे हैं, इसलिए तो बिहार में महिला विरोधी व्यक्ति को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा रखा है। देश और बिहार की नारी शक्ति, महिला विरोधी भाजपा और उसके सहयोगी को माफ नहीं करेंगी। वहीं आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि आखिर ये कौन सी भाषा है? अत्यंत पीड़ादायक सुरेन्द्र राजपूत जी की मां जो अब इस दुनिया में नहीं हैं उनको भाजपा प्रवक्ता द्वारा गाली देना ये साबित करता है कि भाजपा के लोगों के मन में न तो बेटियों के लिए इज्जत है, न किसी की मां के लिए।

हैरानी की बात यह है कि भाजपा ने इस तरह के बयान को न गलत बताया न प्रेम शुक्ला पर किसी किस्म की कार्रवाई की बात की। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक न भाजपा आलाकमान, न किसी अन्य भाजपा नेता या नेत्री का कोई बयान आया है, जिसमें इस घटना की निंदा हुई है। जबकि एनडीए से उत्तीर्ण हुई महिला कैडेट्स के लिए नारी तु नारायणी जैसे ट्वीट भाजपा ने किए। साथ ही शनिवार को अहिल्या बाई होल्कर की 3 सौवीं जयंती के कार्यक्रम में नारी शक्ति का गुणगान करते प्रधानमंत्री की बातें प्रसारित हुईं। ऑपरेशन सिंदूर में भी नरेन्द्र मोदी बार-बार नारी अस्मिता और सम्मान की बात कर रहे हैं। अब प्रेम शुक्ला पर किसी कार्रवाई का होना या न होना, उससे जाहिर हो जाएगा कि भाजपा का असली चाल, चरित्र, चेहरा क्या है।

सेना जीती विदेश नीति हारी!

पाकिस्तान के लिए यह आखिरी मौका है। अपने आतंकवादी प्रशिक्षण केन्द्रों को बंद कर दे। इन्हें प्रोत्साहित करने वाली धार्मिक शक्तियों को नियंत्रित करे। और अपनी जनता की वास्तविक समस्याओं मार्डन एजुकेशन, रोजगार और आर्थिक विकास पर ध्यान दे।

अगर वह यह सोचता है कि इस बार उसे पहले के मुकाबले ज्यादा अन्तरराष्ट्रीय समर्थन मिल गया तो यह उसकी बड़ी भूल है। खुशफहमी है। हमारी विदेश नीति की कुछ बड़ी गलतियों की वजह से हम वह समर्थन नहीं जुटा पाए जो 75 साल से हमें मिलता रहा था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह हमें फिर हासिल नहीं होगा।

भारत अपनी गलतियों से बहुत जल्दी सबक सीखने वाला देश है। अभी सबने देखा कि हमारे चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने माना कि हमसे गलती हुई और हमने उससे तत्काल सबक सीखा और अंदर तक जाकर पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। यह दूसरी बार है जब सेना ने यह कहा है हमने सीखा। इससे पहले 7 मई की रात को पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर देने के बाद सेना ने यह वाक्य पहली बार बोला था।

मुद्दा वास्तव में यह नहीं है कि हमारे कितने जहाजों को नुकसान हुआ। सेना के जनरल बिल्कुल सही कह रहे हैं कि मुद्दा यह है कि क्यों हुआ? और हमने इससे क्या सीखा? ओवर ऑल हम हावी रहे। हम मतलब हमारी सेना। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया और क्लीयर मैसेज दिया कि पूर्ण युद्ध चाहती नहीं थी नहीं तो और ज्यादा नुकसान भी पहुंचा सकती थी।

पाकिस्तान यह बात जानता है। वहां की सेना भी जानती है। वह अलग बात है कि अपने यहां की जनता को बेवकूफ बनाने के लिए वहां के शासक अपनी सैन्य शक्ति को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं। सेना भी जानती है कि उसकी वास्तविक क्षमता कितनी है। मगर वह पाकिस्तान के शासकों में अपना महत्व बनाए रखने के लिए जबर्दस्ती बांहें चढ़ाती रहती है।

भारत की विशाल, मजबूत, प्रोफेशनल सेना का मुकाबला करना उसके लिए संभव नहीं है। इस बार चीन ने उसकी खुलकर मदद की। यही वह पेंच है जिसे समझना सबसे ज्यादा जरूरी है।

चीन ने सैनिक मामले में जो उसकी मदद की जिसकी वजह से हमें कुछ नुकसान भी हुआ। उसी को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं कि कितने जहाज गिरे। तो वह मामला तो सेना ने संभाल लिया। मगर चीन जैसे कई देशों ने जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ माहौल बनाया वह सबसे खतरनाक है। कभी दुनिया के 120 से ज्यादा देशों का नेतृत्व हम करते थे। मगर उस नेहरू जिसने इन देशों का संगठन बनाया था कि आलोचना में ही हमारे प्रधानमंत्री ने 11 साल निकाल दिए। दुनिया में सबसे ज्यादा देशो का संगठन

शकील अख्तर

> भारत का राजनीतिक नेतृत्व हमेशा ऐसा ही कमजोर नहीं रहेगा। आतंकवाद को खतम करके ही पाकिस्तान अपना भविष्य सुरक्षित रख सकता है। देश में इस समय हर जगह सवाल हैं। मोदी समर्थकों में भी। लोग यह समझने लगे हैं कि मोदी के लिए सबसे बड़ी चीज वोट है। बाकी सब उनके लिए सेकेन्डरी (वोट के बाद आने वाली) चीजें हैं। यह आम जनता, जिनमें 11 साल से लगातार मोदी का अंध समर्थन करने वाले लोग भी शामिल हैं कहने लगे हैं कि पाकिस्तान के साथ ठीक तरीके से निपटा नहीं गया।

संयुक्त राष्ट्र। उसके बाद सबसे सबसे ज्यादा देश किस संगठन के सदस्य थे? गुटनिरपेक्ष आन्दोलन। 120 सदस्य देश। और आज स्थिति क्या हुई। एक देश हमारे साथ नहीं। वह रूस जो हमारा सबसे विश्वसनीय दोस्त था वह भी हमारे साथ नहीं। पूछिए क्यों?

अभी जब रूस-युक्रेन युद्ध शुरू हुआ तो हमारे मीडिया को कहां भेजा गया था? हर न्यूज चैनल की टीम। बड़े-बड़े एंकर। हेलमेट लगाकर सड़क पर नाटक कर रहे थे यह बम यहां गिरा? यह राकेट मेरे बगल से निकला! किसके बम थे वह? किसके राकेटो के खिलाफ बोल रहे थे? उसी रूस के जिसने उसका बदला अब लिया।

किस देश में गए थे युद्ध देखने? युक्रेन में। कौन ले गया था? युक्रेन। किसकी मर्जी से मोदी सरकार की मर्जी से। अब परिणाम आप देख ही रहे हैं। भारत की विदेश सेवा में एक से एक अन्तरराष्ट्रीय समझ वाले अफसर हैं। मगर जब सेना तक को बता दिया जाता है कि कब कैसे स्ट्राइक करने जाना है। बादल हों तो निकल जाना है। आसमान खुला हो तो रूक जाना है रडार पकड़ लेगा। तो विदेश सेवा में तो कोई भारत के पारंपरिक हितों के नजरिए से प्रोफेशनल ढंग से सोच ही नहीं सकता। उससे तो अपनी घरेलू राजनीति के हिसाब से हर चीज करवाई जा रही थी। विदेशों में भारतीयों को जोड़ना और उनसे मोदी मोदी के नारे लगवाना।

आपको मालूम है विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों के बीच कभी विभाजन नहीं था। सब भारतीय एक। और अब मालूम है जैसे देश को विभाजित कर दिया वैसे ही विदेशों में रह रहे भारतीयों को। एक तरफ नए मोदी भक्त दूसरी तरफ देश समर्थक भारत प्रेमी।

बहरहाल बात हो रही थी रूस की। तो जब मोदी सरकार हमारे मीडिया को युक्रेन का समर्थन करने के लिए वहां भेजती है तो कैसे समझ लेती है कि भारत-पाक के बीच संघ्रर्ष में उसे रूस का समर्थन मिल जाएगा?

दरअसल सच्चाई यह है कि इस युद्ध समान स्थिति में किसी ने पाकिस्तान का समर्थन नहीं किया। हुआ यह कि भारत का जो साथ देते थे उसके पुराने दोस्त थे वह पीछे हट गए। यही पाकिस्तान का फायदा हुआ। मोदी अमेरिका को सब कुछ मान कर बैठे थे। और अमेरिका में भी ट्रंप को। कभी विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी ही लिखेंगे कि मोदी का वहां अबकी बार ट्रंप सरकार का नारा लगवाना कितनी बड़ी हिमालयन भूल थी।

प्रसिडेन्ट ट्रंप हमको बहुत छोटा करके देखने लगे। और चुप रहकर हम उनको और बढ़ावा दिए जा रहे हैं। क्या भारत डर गया? भारत कभी किसी से नहीं डरता। 1971 में इन्दिरा गांधी ने और उससे पहले 1965 में लाल बहादुर शास्त्री ने यह बता दिया था। अमेरिका, पाकिस्तान सबको। मगर अब ट्रंप कितनी बार बोल चुके है कि मैंने युद्ध विराम करवाया यह भी लोगों ने गिनना बंद कर दिया। 10-11-12 गिनती बढ़ती जा रही है। और हमारे प्रधानमंत्री का मौन! देखिए समय का न्याय। मनमोहन सिंह को मौन कहते थे आज सबने देख लिया कि मौन कौन है।

आमसभाओं में शब्दों के गोले बरसाने से कुछ नहीं होता। नेतृत्व की क्षमता मालूम पड़ती है ताकतवर के सामने डट कर खड़े हो जाने से। पाकिस्तान को तो तालिबान भी धमका लेता है। यह मौका था चीन और अमेरिका को अपना मेटल दिखाने का।

राहुल ने दो साल पहले कह दिया था। मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी गलती। लोकसभा में। कहा था कि भारत की सफल विदेश नीति ने कभी चीन और पाकिस्तान को एक नहीं होने दिया। उन दोनों का एक हो जाना भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है और वही हुआ। लेकिन अगर विदेश नीति सही हाथों में होती तो चीन के पाकिस्तान के साथ खुलकर जाने पर भारत अमेरिका का साथ ले लेता। मगर

अमेरिका तो हमें टेकन फार ग्रांटेड (कुछ भी नहीं, जो हम चाहेंगे वही करेगा) समझे हुए है और हुआ भी यही। ट्रंप ने कहा 5 बजे युद्ध विराम! हमने कर दिया। पाकिस्तान को इसकी जरूरत थी। मगर फिर भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व दिखाने के लिए उसने पांच बजे नहीं किया। ड्रोन भेजता रहा। हमले करता रहा। मगर जैसा कि हमने शुरूआत में लिखा पाकिस्तान के लिए आखिरी मौका!

भारत का राजनीतिक नेतृत्व हमेशा ऐसा ही कमजोर नहीं रहेगा। आतंकवाद को खतम करके ही पाकिस्तान अपना भविष्य सुरक्षित रख सकता है। देश में इस समय हर जगह सवाल हैं। मोदी समर्थकों में भी। लोग यह समझने लगे हैं कि मोदी के लिए सबसे बड़ी चीज वोट है। बाकी सब उनके लिए सेकेन्डरी (वोट के बाद आने वाली) चीजें हैं। यह आम जनता, जिनमें 11 साल से लगातार मोदी का अंध समर्थन करने वाले लोग भी शामिल हैं कहने लगे हैं कि पाकिस्तान के साथ ठीक तरीके से निपटा नहीं गया। अमेरिका के सामने चुप हैं। लेकिन वोट के लिए लगातार बोलते जा रहे हैं। शायद सेचुरेशन पाइंट आ गया है। इतिहास के शब्दों में वाटर लू!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

प्रधानमंत्री भाजपा के लाभ के लिए कर रहे हैं ऑपरेशन सिंदूर का इस्तेमाल

■ **नित्य चक्रवर्ती**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री द्वारा उनके और उनकी सरकार के खिलाफ किये गये क्रूर हमलों का जवाब देते हुए सही कहा कि नरेंद्र मोदी 2026 की शुरुआत में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा के लिए सस्ते राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद प्रधानमंत्री की पक्षपातपूर्ण राजनीति के खिलाफ पहला ऐसा स्पष्ट हमला था, जिसके तहत वह अपने चुनाव उन्मुख भाषणों के माध्यम से पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की सफलता को भाजपा के लिए राजनीतिक लाभ में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

पिछले बीस दिनों में, यानी 10 मई से, विपक्षी दलों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को अपना पूरा सहयोग दिया और यहां तक कि प्रधानमंत्री द्वारा भारत की स्थिति को समझाने के लिए विदेशों में भेजे गये बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उस समय राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता की बात की थी और भारत की हर राजनीतिक पार्टी ने इस पर अनुकूल प्रतिक्रिया दी थी। परन्तु विपक्षी राजनीति पार्टियों के उस प्रशंसनीय सहयोग के बदले, भारत के 142 करोड़ लोगों के नेता प्रधानमंत्री ने पिछले दो हफ्तों में अपनी सार्वजनिक बैठकों का इस्तेमाल विपक्ष को बदनाम करने और ऑपरेशन सिंदूर को भाजपा के अन्य ऑपरेशन जैसे ऑपरेशन बंगाल के साथ जोड़ने के लिए किया।

> विपक्षी नेताओं को अब तक यह समझ आ गया होगा कि प्रधानमंत्री यह कहकर अपना राजनीतिक खेल खेल रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर रुका हुआ है और कभी भी यह फिर से शुरू हो सकता है। यह एक सैन्य रणनीति है और इसका ऐलान सार्वजनिक रैलियों में नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि देश में यह युद्धोन्माद जारी रहे ताकि बिहार में होने वाले आगामी चुनावों और उसके बाद बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों में भाजपा को राजनीतिक लाभ मिल सके।

जरा सोचिए, गुरुवार दोपहर पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में आयोजित जनसभा में, राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में रैली में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की तरह ही टीएमसी सरकार को उखाड़कर बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए ऑपरेशन बंगाल का आयोजन किया जायेगा। भाजपा प्रमुख को राजनीतिक रैली में टीएमसी सरकार को उखाड़ फेंकने की बात करने का पूरा अधिकार है, लेकिन वे ऑपरेशन सिंदूर को अखंड भारत के कार्यक्रम के साथ बंगाल में भाजपा के पक्षपातपूर्ण उद्देश्य के साथ मिला रहे थे। वह भी राष्ट्रीय एकता के तथाकथित प्रतीक नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में।

विपक्षी नेताओं को अब तक यह समझ आ गया होगा कि प्रधानमंत्री यह कहकर अपना राजनीतिक खेल खेल रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर रुका हुआ है और कभी भी यह फिर से शुरू हो सकता है। यह एक सैन्य रणनीति है और इसका ऐलान सार्वजनिक रैलियों में नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि देश में यह युद्धोन्माद जारी रहे ताकि बिहार में होने वाले आगामी चुनावों और उसके बाद बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों में भाजपा को राजनीतिक लाभ मिल सके। हाल के दिनों में बिहार और गुजरात में जिस तरह से उनके रोड शो आयोजित किये गये हैं, उससे यह बात बिल्कुल साफ है।

ममता ने गुरुवार को प्रधानमंत्री की जनसभा के दो घंटे बाद उन्हें जवाब देते हुए सही कहा, 'मोदीजी ने आज जो कहा, उससे हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि प्रधानमंत्री की आवाज सुनकर बहुत दुखी भी हैं, जब सभी विपक्षी नेता दुनिया के सामने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वे देश के हित, राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए साहसिक निर्णय ले रहे हैं। हम देश की रक्षा करेंगे, क्योंकि यह हमारी मातृभूमि है। लेकिन क्या यह समय है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री कहें कि वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल भी करेंगे? मैं उन्हें चुनौती देती हूं। अगर उनमें हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है।'

वरिष्ठ विपक्षी नेता द्वारा प्रधानमंत्री को इस तरह का जवाब देना जरूरी था, क्योंकि नरेंद्र मोदी भारत-पाक तनाव के मौजूदा दौर में इंडिया ब्लॉक के घटकों की विनम्रता का फायदा उठाते हुए विपक्ष के खिलाफ पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। विपक्ष ने प्रधानमंत्री को काफी छूट दी है, लेकिन उन्होंने उसका सम्मान नहीं किया है। अब समय आ गया है कि विपक्ष सामान्य रूप से काम करना शुरू करे और संसद का विशेष सत्र बुलाकर स्थिति पर चर्चा करे तथा कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगे, जिनका अभी तक उत्तर नहीं मिला है।

जैसे ममता ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि- 22 अप्रैल को पहलगाम में नरसंहार करने वाले आतंकवादियों को अभी तक क्यों नहीं पकड़ा गया है? या प्रधानमंत्री ट्रंप और अन्य अमेरिकी अधिकारियों के लगातार इस दावे पर चुप क्यों हैं कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान को व्यापार की धमकी देकर युद्ध विराम पर सहमति ली है। यह भारत के लिए अधिक था, क्योंकि 10 मई की सुबह भारत जीत रहा था। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने 9 मई को प्रधानमंत्री से क्या कहा? क्या उन्होंने ट्रंप द्वारा दी गयी धमकी को व्यक्त किया? अमेरिकी व्यापार विभाग ने भी अदालत में यही बात कही है। उनके पास अवश्य ही इसका रिकॉर्ड होगा। प्रधानमंत्री को अपना बयान जारी करके इसका स्पष्ट खंडन करना चाहिए। वे चुप क्यों हैं और दूसरों को बोलने क्यों दे रहे हैं? ये मुद्दे अब सरकार के सामने रखे जाने चाहिए। चूंकि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों सहित राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने की लक्ष्मणरेखा पार कर ली है, इसलिए अब इंडिया ब्लॉक की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं है कि वह प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार चले। उन्हें ममता का अनुसरण करना चाहिए।

ममता ने एजेंडा तय कर दिया है। अब समय आ गया है कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियां चर्चा करें और असली विपक्ष की तरह व्यवहार करना शुरू करें। बस बहुत हो गया।

ललित सुरजन की कलम से

बिहार चुनाव : कुछ अन्य बातें

बिहार में महागठबंधन की अभूतपूर्व जीत के बारे में टीकाकारों के अपने-अपने विश्लेषण हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा ने अपने हाल में प्रकाशित लेख में बहुत चतुराई के साथ मोदी-शाह की टीम को ही भाजपा की हार के लिए दोषी ठहरा दिया है। इसके अलावा कहीं गणित फेल होने की बात हो रही है, तो कहीं केमिस्ट्री सफल होने की। इसमें प्रशांत किशोर याने एक चुनाव प्रबंधक की भूमिका कितनी प्रभावी रही होगी, यह अलग प्रश्न उभर आया है। उल्खेनीय है कि श्री किशोर ने 2014 में नरेन्द्र मोदी के चुनाव प्रबंधक के तौर पर काम किया था। यह अभी रहस्य ही है कि वे श्री मोदी को छोड़कर नीतीश कुमार के खेमे में कैसे आ गए। एकाध जगह कहीं लिखा गया कि चुनाव जीतने के बाद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में उन्हें अपमानित किया। इससे आहत होकर उन्होंने पाला बदल लिया। बिहार के नतीजे आने के बाद वे दिल्ली गए और पढ़ने में आया कि वे एक तरफ राहुल गांधी से मिले और दूसरी तरफ अरुण जेटली से भी।

(देशबन्धु में 19 नवंबर 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/11/blog-post_18.html

गुरुवाणी विचार

पांचवें नानक गुरु अर्जुनदेव

समस्त प्राणियों के लिए खुले द्वार वाला निरंकार निवास स्थान, सचखंड का प्रतीक हरिमंदर साहिब अमृतसर और शब्द गुरु जुगो जुगो अटल गुरु ग्रंथ साहिब को प्रदान करने वाले गुरु अर्जुन देव ही थे। हरिमंदर साहिब के चारों तरफ दरवाजे इस बात का प्रतीक है कि हरिमंदर साहिब के दरवाजे सब के लिए खुले हुए हैं। बिना किसी जाति पांति, धर्म भेद के। तभी तो भटों ने आपकी स्तुति में कहा है कि-

जपिओ जिन अर्जुन देव गुरु फिर संकट जोन गरभ नहीं आवो।

भट्ट मथुराजी ने तो यहां तक लिख दिया है कि-

चरण गगन नवखंड में जोत सरूपी रहियो,
मन मथुरा किछु भेद नहीं, गुरु अरजुन परतख हरि।

गुरु अर्जुन देव के पिता का नाम चौथे नानक रामदास जी माता का नाम भाणीजी तीसरे नानक गुरु अमर दास की सुपुत्री की कोख से 5 अप्रैल 1583 में हुआ था। आपने अमृतसर मे हरिमंदर साहिब गुरुद्वारे का निर्माण कराया था। जिसकी नींव उस वक्त के प्रसिद्ध सूफी फकीर सांई द्वारा रखवाई गयी की बिना किसी धर्म भेद के। आपकी रचित-

कोई बोले राम राम कोई खुदाय।
कोई सेवे गोसइया कोई अलाये।।

कुछ ही मील दूर आपने तरणतारण नामक नगर भी बसाया जिस में एक विशाल सरोवर सौ वर्गफीट का निर्माण कराया। उस सरोवर के एक तरफ जहां आपने एक गुरुद्वारा भवन का निर्माण कराया वहीं दूसरी तरफ कोढ़ियों के रहने के लिए मकान भी बनावाया। आप संगीत के विद्वान थे। आपने ही स्वयं रचित व उनके पहले चारों गुरुओं की वाणी का संकलन और भक्ति विचार धारा के भक्तों की वाणी का संकलन भाई गुरुदास द्वारा कराया। भादो सुदी 1, सन् 1604 को हरिमंदर साहिब में उसका पहला प्रकाश कराया। उसके बाद आपने जमीन पर ही विश्राम किया फिर कभी पलंग का सहारा नहीं लिया। सूफी संतों को आपकी बढ़ती लोकप्रियता देखकर ईर्ष्या होने लगी। अपनी लोकप्रियता में कमी महसूस होते देखकर उन लोगों ने बादशाह जहांगीर के कान भरने शुरु कर दिए। ऐसा न हो कि एक दिन गुरु अर्जुन देव उसकी गद्दी ही न हथिया लेवे। इसमें चंदु नामक गुरु घर के धुर विरोधी (जिसकी बेटी का रिश्ता गुरुदेव ने अपने साहिबजादे हरिगोविंद से करने से इंकार कर दिया था।) भी आग में घी डालने का काम किया और बादशाह के काफी कान भरने का काम किया। जहागीर का लड़का खुसरो जो अपने दादा अकबर सरीखे आदर सारे धर्मों का आदर करता था, और वह चाहता था कि राज्य का प्रबंध में धर्म निरपेक्षता बरती जाये। उसने भी अपने पिता के विरुद्ध बगावत कर दी। उसकी बगावत दबा दी गई। तब खुसरो ने भागकर गोविंदवाल में जाकर गुरु अर्जुन देव की शरण ली और अपनी जान बचाई। यह भी बादशाह जहांगीर का गुरुजी के प्रति नाराजगी थी। बादशाह जहांगीर ने गुरु अर्जुन देव को पकड़ कर लाहौर लाने का हुक्म दिया और दो लाख का जुर्माना लगा दिया किंतु गुरुदेव ने अकारण जुर्माना पटाने से इंकार कर दिया तो बादशाह ने उन्हें गर्म तवे पर बिठाकर उन पर गर्म रेत डालकर मौत की सजा सुना दी। उन्हें उबलती देग में बिठाया गया। गुरुदेव ने अपना अंतिम समय देखकर रावी नदी पर स्नान करने की इच्छा प्रकट की। रावी नदी में स्नान करते समय उन्होंने अपना नश्वर शरीर त्याग दिया। आप के अंतिम शब्द थे-

तेरा भाणा मीठा लागै हरिनाम पदारथ नानक मांगे।

आपको जेठ सुदी 4 सम्वत् 1663 को शहीद किया गया। लाहौर के उस स्थान पर डेरा साहिब गुरुद्वारा मौजूद है जो अब पाकिस्तान में है और हजारों दर्शनार्थी वहा जाकर शीश निवाते हैं। आपने ही प्रसिद्ध सुखमणी साहिब वाणियों की रचना की है जो गुरुग्रंथ साहिब में दर्ज है- जो शरण आवै तिस कंठ लगावै। इह विरद सुवामी छंदा।

-इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

विकास बनाम विनाश:कुदरत के सबक को कब पढ़ेगा इंसान?

वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में ठहराव का यह दौर बेशक चिंताजनक है, लेकिन पर्यावरण पर इसका अप्रत्याशित सकारात्मक असर दुनिया के लिए चेतावनी और सीख दोनों है। अनजाने में ही सही, जब मनुष्य ने अपनी गतिविधियां रोक दीं, तो कुदरत जैसे खुलकर सांस लेने लगी। पिछले कुछ महीनों से नदियों के बहाव में पारदर्शिता लौट आई, वायु प्रदूषण में अभूतपूर्व कमी देखी गई और आकाश फिर से नीला हो गया। यह सब देख कर मानो कुदरत पुकार कर कह रही हो— 'हे मानव! अब तो संभल जा, पढ़ मेरी पीर!'

लॉकडाउन में सांस लेती धरती-पांच साल पहले कोविड-19 के कारण लागू लॉकडाउन ने इंसानी गतिविधियों को थाम दिया। औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों का धुआं और अनावश्यक यात्रा सब पर रोक लगी। इसके परिणामस्वरूप, वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसों का स्तर घटा, जिससे दुनिया भर के बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता में बेहतरी देखी गई। शोध बताते हैं कि साल 2020 में वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 5प्रचिशत की रिकॉर्ड कमी दर्ज हुई। यह बताता है कि वायु प्रदूषण की जड़ें हमारी जीवन शैली में छिपी हैं।

गंगा और यमुना जैसी नदियों में पानी पहले से कहीं अधिक साफ दिखा। उत्तर भारत की मैदानी जमीनों से हिमालय के हिमाच्छादित शिखरों का दीदार संभव हुआ। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि मनुष्य ने एक बार के लिए 'ठहरना' सीखा। यह एक ऐसा ठहराव था जिसमें धरती को आराम मिला और पर्यावरण को राहत।

पांच साल पहले लॉकडाउन एक आपातकालीन परिस्थिति थी, न कि समाधान। लेकिन इसने हमें यह अहसास जरूर दिलाया कि प्रदूषण और पारिस्थितिकीय क्षरण मानव निर्मित हैं और इन्हें कम किया जा सकता है— अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक संकल्प हो। लेकिन अफसोस, जैसे-जैसे लॉकडाउन हटा, वैसे-वैसे सब कुछ पहले जैसा होने लगा। प्रदूषण लौट आया, नदियां फिर से काली होने लगीं, कारखानों का धुआं फिर से आसमान ढंकने लगा।

हॉकिंग की चेतावनी और आज की सच्चाई महान भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग ने चेतावनी दी थी कि यदि मनुष्य ने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति व्यवहार नहीं बदला तो उसे पृथ्वी को छोड़कर किसी अन्य ग्रह की शरण लेनी पड़ेगी। उनके अनुसार पृथ्वी की शेष उम्र महज 200 से 500 वर्षों की है। वे भविष्यवाणी करते थे कि या तो किसी धूमकेतु का टकराव, या सूर्य की विकिरण, या कोई महामारी पृथ्वी से जीवन मिटा देगी। कोविड-19 जैसी महामारी उनके कथन को और भी भयावह यथार्थ में बदल देती है। हमें यह स्वीकारना होगा कि अब विकास की परिभाषा बदलने की जरूरत है। 'अर्थव्यवस्था की वृद्धि' तब तक अधूरी है जब तक वह पारिस्थितिकीय स्थिरता को न छूती हो। हमें 'स्मार्ट ग्रोथ' से आगे बढ़कर 'ग्रीन ग्रोथ' की दिशा में सोचना होगा।

कम कार्बन उत्सर्जन वाली जीवनशैली अपनाना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता बन चुकी है। यानी ऐसी जीवनशैली जो प्रकृति के साथ सामंजस्य में हो—उदाहरणस्वरूप साइकिल चलाना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता, ऊर्जा की बचत और उपभोग में संयम। भारत और विश्व के लिए अब समय है कि वह अपने उद्योग और परिवहन व्यवस्था को पर्यावरण-अनुकूल बनाए। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए सौर, पवन और अन्य हरित ऊर्जा स्रोतों की ओर अग्रसर होना होगा। वाहनों में इलेक्ट्रिक टेक्नालॉजी का उपयोग बढ़ाना, रेलवे और सार्वजनिक परिवहन को सुलभ और स्वच्छ बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह बदलाव न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव भी घटाएगा। वायु प्रदूषण से हर साल दुनिया भर में लगभग 70 लाख मौतें होती हैं। यह आंकड़ा जलवायु संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

— डॉ. सत्यवान सौरभ

फ्लाई ओव्हर पर शाम ढलते ही सज जाती हैं शराब पीने वालों की महफिल

आबकारी विभाग का कंट्रोल रूम बना धृतराष्ट्र, जनप्रतिनिधि और आला अधिकारी भी मौन

जबलपुर, देशबन्धु। नगर और आस-पास जब से अहाते बंद हुये हैं, उसके बाद चलते-फिरते आहाते आबाद हो गये हैं। अब तो उन स्थानों पर शराब पीने वालों की महफिल सजने लगी है जो आम तौर चौबीस में से अठारह से बीस घंटे चहल-पहल से परिपूर्ण रहते हैं। कुछ इसी तरह का नजारा मदन महल फ्लाई ओव्हर पर देखने को मिल रहा है। शराब की खाली बॉटल और दूसरी आपत्ति सामग्री रोजाना यहां देखी जा सकती है। वहीं दूसरी तरफ इस तरह के अवैध शराब पीने की महफिलों पर लगाम लगाने वाले आबकारी विभाग का कंट्रोल रूम धृतराष्ट्र बन गया है।

डा. बराट रोड स्थित जिला आबकारी विभाग के कंट्रोल रूम में प्रभारी से लेकर दूसरे अधिकारी और जवान दिन भर टाईम पास करने के साधनों में लीन रहते हैं, शाम ढलने के बाद इस तरह की अवैध शराब की महफिलों पर लगाम कसने के बजाय अपने-अपने घरों में आराम फरमाने निकल जाते हैं।

देशबन्धु ख़बर

उल्लेखनीय है कि दशमेश द्वार से गुलाटी पेट्रोल पंप के बीच फ लाई ओव्हर की रोटरी के आस-पास शाम ढलते ही अवैध रूप से शराब पीने वाले एकत्र हो जाते हैं। एक नहीं बल्कि कई गुटों की महफिल सजने लगती हैं। इसके बाद शुरू हो जाता है शराब खोरी का कृत्य, इससे यहां से गुजरने वाले अमन पसंद लोगों के लिये मुश्किल हो शुरू हो जाती है, कई बार अपने परिवार के साथ गंतव्य स्थान की तरफ जाने वालों को आने जाने में असुविधा सामना करना पड़ता है, विवाद की स्थिति बनने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

कानून के राज का खुले आम माखौल- यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि यहां से रोजाना प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ सत्ता और विपक्ष में रहने वाले जनप्रतिनिधि आते जाते हैं। फिर भी खुले आम शराब पीने वालों की महफिल चलती रहती है। जो कानून के माखौल उड़ाने का बड़ा उदाहरण है।

डीजीएम विद्युत वितरण कंपनी की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

ऊर्जा मंत्री ने रात्रि किया विद्युत कॉल सेंटर का निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गत रात्रि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविन्दपुर भोपाल स्थित काल सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं करने पर डीजीएम मुरैना अभिषक चौरसिया की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कॉल सेंटर से ही डीजीएम भोपाल सिटी ईस्ट जोन और डीजीएम रायसेन से भी बात कर समस्याओं के निराकरण में देरी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। भिण्ड जिले के गोरमी गाँव के उपभोक्ता नरेन्द्र सिंह से भी बात कर उनकी समस्या के संबंध में जानकारी ली। श्री तोमर ने निर्देशित किया कि कॉल सेंटर के हेल्पलाइन नम्बर 1912 में कॉल वेटिंग नहीं होना चाहिए।

कॉल सेंटर प्रभारी ने बताया कि सामान्यत: एक घंटे में 300 से 350 फोन काल आते हैं। उन्होंने स्काडा सेंटर और स्मार्ट मीटर मानीटरिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया।

अवैध रेत से भरे ट्रेक्टर को जब्त कर थाना के सुपुर्द किया

जबलपुर, देशबन्धु। मझौली तहसीलदार ने संदेह के आधार पर मनखेड़ी मार्ग में रेत से भरे एक ट्रेक्टर को रोका, जिस पर ड्राईवर ट्रेक्टर छोड़कर भाग गया। इस पर उन्होंने अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रेक्टर को जब्त कर इंद्राना थाना के सुपुर्द कर दिया।

पद्मभूषण पं. कुंजीलाल दुबे स्मृति आयोजन, नृत्य नमन आज

जबलपुर, देशबन्धु। पद्मभूषण पं. कुंजीलाल दुबे की स्मृति में कला, साहित्य, संस्कृति को समर्पित पाथेय संस्था द्वारा 2 जून को शाम 7.00 बजे से मानस भवन में नृत्य नमन समारोह का आयोजन किया गया है। कलामर्मज्ञ डॉ. विश्वनाथ दुबे की स्मृति को समर्पित इस आयोजन में 175 नृत्य साधिकाएँ शास्त्रीय,उपशास्त्रीय शैली में 13 सामूहिक नृत्यों को प्रस्तुत करेंगी। आयोजन समिति ने कला प्रेमियों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

मैडिकल अधीक्षक के निवास पर निकला ख़तरनाक रसेल व्हाइपर सर्प

जबलपुर, देशबन्धु। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल जबलपुर के अधीक्षक डॉ अरविन्द शर्मा के शासकीय निवास पर सुबह श्रमिकों द्वारा साफ़ सफ़ाई का काम किया जा रहा था कि तभी एक श्रमिक की नज़र सीमेंट शीट के नीचे बैठे बादामी रंग के काले काले गोल धब्बे दार सर्प पर पड़ी जो कि मानवीय आहट पाकर प्रेशर कुकर की शीटी की तरह जोर से फुंफकार लगाते हुए आक्रामक हो गया। अधीक्षक डॉ अरविन्द शर्मा ने तत्काल सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे को सूचना दी जिन्होंने मौके पर पहुंचकर रैस्क्यू करते हुए सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

दुबे के अनुसार पकड़ा गया सांप रसेल व्हाइपर प्रजाति का सांप है जिसे सामान्य तया परांन , दबोइया, तथा घोणस कहते हैं। इस प्रजाति में मादा सर्प है ,जो कि अंडे ना देकर सीधे तौर पर सपोलों को जन्म देती है ये पूरे भारत में सबसे ज्यादा ज़हरीले सर्पों में दूसरे स्थान पर आता है। और ये सर्प बेहद गुस्सैल और आक्रामक होता है। इसमें खतरनाक हीमोटाक्सिन ज़हर पाया जाता है। इसके काटने पर मांस पेशियां गंभीर रूप से प्रभावित होकर गैंगरिंग की स्थिति पैदा कर देती है। सर्प दंश के दो घंटे के भीतर पीड़ित को मैडिकल उपचार मिल जाए तो पीड़ित की जान बचाई जा सकती है।

कार चालक ने मचाया कोहराम

जबलपुर, देशबन्धु। गोरा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत एक तेज रफ्तार कार का कोहराम देर रात देखने को मिला जहां शराब के नशे में कार चालक ने लापरवाही पूर्वक कार चलते हुए दो लोगों को टक्कर मार दी टक्कर मारने के बाद का तेज रफ्तार में जाकर पलट गई जहां कार चालक मौका देखकर मौके से फरार हो गया घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल पहुंचाया है जहां घायलों का इलाज डॉक्टरों की निगरानी में किया जा रहा है मेडिकल अस्पताल पहुंचे थाना प्रभारी गोरा बाजार रमन सिंह ने पूरे मामले में जानकारी देते हुए बताया है कि एक तेज रफ्तार कार का चालक शराब के नशे में लापरवाही पूर्वक नशे में कार चला रहा था मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसकी तलाश कर रही है फिलहाल पुलिस ने कार को जप्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच कर रही है।

पशु चिकित्सालय के दवा स्टोर में भड़की आग

जबलपुर, देशबन्धु। आधारताल स्थित महात्मागांधी पशु चिकित्सालय के दवाई स्टोर रूम में अज्ञात कारणों से देर रात भीषण आग लग गई जिस आग में लाखों रुपयों की दवाइयां जलकर खाक हो गई इस आग की सूचना पर मौके पर पहुचे कई दमकल वाहनों की मदद से देर रात 2 बजे आग पर काबू पाया गया आग इतनी भीषण थी की स्टोर रूम की तीन खिडकियों से आग की लपटें बाहर की ओर निकल रही थी और जलती दवाइयों का जहरीला धुंआ आसपास फैल रहा था जिससे लोग बचते नजर आ रहे थे इस दौरान रहवासी क्षेत्र होने के कारण वहां पर अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया था और बडी संख्या में स्थानीय लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आये थे जिन्हें थाना आधारताल पुलिस समझाइस दे कर घटना स्थल से दूर कर रही थी फिलहाल यह आग किन कारणों से लगी और कितने की दवाइयां जलकर खाक हुई है इसकी जांच में महात्मागांधी पशु चिकित्सालय के अधिकारी और पुलिस जुटी हुई है।

सेवाभारती महाकौशल की किशोरी विकास प्रशिक्षण एवं कार्यशाला संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। सेवाभारती महाकौशल द्वारा आज ब्रिटिश फोर्ट स्कूल राइट टाउन में किशोरी विकास के विषय को लेकर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण किया गया। किशोरियों के शारिरिक मानसिक विकास व बर्तमान परिस्थिति एवं परिवार की भूमिका तथा आत्मरक्षा इत्यादि पर विषय विशेषज्ञों द्वारा विचार रखे गए इस अवसर पर भोपाल से पधारी आभा पांडेय ने किशोरियों का मार्गदर्शन किया तथा डॉ कावेरी शाह महिला चिकित्सक ने किशोरियों की शारिरिक परेशानियों पर शंका समाधान किया, इस अवसर पर सेवाभारती महाकौशल के अध्यक्ष डॉ संजय खन्ना सचिव अनिल शर्मा संगठन मंत्री महेश सोनी कोषाध्यक्ष श्री अनुराग सोनी यशवंर्द्ध ठगेले माया पांडेय (सदस्य किशोर न्याय बोर्ड जबलपुर) डॉ विनीता तिवारी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय श्री प्रदीप सक्सेना सतना सेउपस्थित रहे।

भाजपा का पूर्व मंडल अध्यक्ष असम की युवती को बंधक बनाकर करा रहा था देहव्यापार

गढ़ा, मदन महल, तिलवारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने होटल में छापा मार कराया युवती को आजाद

जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ा थानांतर्गत गढ़ा, मदन महल एवं तिलवारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की होटल पर छापा पर छापा मार कर वहां बंधक बना कर रखी गई असम की युवती को आजाद कराया। असम की युवती ने आरोपी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष पर आरोप लगाया कि वह उसे करीब एक वर्ष से होटल में न सिर्फ बंधक बना कर रखे हुए था बल्कि उससे देह व्यापार भी करा रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गढ़ा क्षेत्र में स्थित एक होटल में देह व्यापार की सूचना मिलने के बाद गढ़ा मदन महल और तिलवारा पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारकर कार्रवाई की। गढ़ा थाने से मिली प्रारंभिक जानकारी में यह जानकारी में आया कि यह होटल भाजपा रानी दुर्गावती मंडल के पूर्व अध्यक्ष अतुल चौरसिया की बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक छापामार कार्रवाई के दौरान पुलिस को एक आसाम की युवती मिली है। युवती ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि होटल संचालक आरोपी भाजपा नेता अतुल चौरसिया ने उसे बंधक बनाकर रखा था और उससे जबरन देह व्यापार भी करवा रहा था। छापे की कार्रवाई से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं भी व्याप्त हो गई है क्योंकि यह पूरा मामला एक राजनीतिक दल से जुड़े व्यक्ति से जुड़ा हुआ है इसलिए पुलिस भी पूरी गंभीरता के साथ मामले की पड़ताल में जुट गई है। हालांकि पुलिस अभी कुछ विशेष जानकारी देने से बचती नजर आ रही है लेकिन गढ़ा थाने के द्वारा इस कार्रवाई की पुष्टि तो की गई है। पुलिस होटल में मिली युवती से पूछताछ करने में लगी है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा भी कर दिया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में आरोपी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया एवं उसके साथी आरोपी शीतल दुबे के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

एक वर्ष पूर्व आसाम से आई थी पीड़िता

इधर पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मूलत: आसाम निवासी 23 वर्षीय युवती करीब एक वर्ष पूर्व शहर रोजगार की तलाश में आई थी। यहां उसे गढ़ा क्षेत्र के ही एक ब्यूटी पार्लर में कुछ समय काम किया तभी उसकी पहचान एक मुस्कान नामक महिला से हुई। मुस्कान उसे आरोपी अतुल चौरसिया के पास जो लेकर गई फिर वह पिछले एक वर्ष से आरोपी की गिरफ्त से बाहर नहीं निकल पाई। पीड़िता आसाम निवासी युवती का आरोप है कि आरोपी के द्वारा न सिर्फ उसे अपने होटल में बंधक बनाकर रखा गया बल्कि उससे अनैतिक देह व्यापार भी कराया गया। पुलिस इस मामले में विवेचना में जुटी हुई है।

लोक निर्माण मंत्री सिंह ने सीसी रोड का किया भूमिपूजन

जबलपुर, देशबन्धु। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने राधाकृष्ण वार्ड स्थित सिंधी कैम्पि में चौपाल कर 1.15 किलोमीटर लम्बाकई की सिंधी कैम्पा से हीरा पहलवान के बिल्डिंग तक एवं लक्ष्मी ट्रेडर्स से दीपक वंशकार के मकान तक तथा प्रेम सागर पुलिस पोस्टप से माखन सोनकर टेंट तक 140.37 लाख की लागत से सीसी रोड का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में जबलपुर की जनता ने 20 साल तक बढ़ते वोटों से उन्हें आशीर्वाद देकर इतिहास रचा है। विधायक के रूप में उन्हें लोक निर्माण मंत्री का दायित्व दिया है, अत: उत्तरदायित्व बन जाता है कि वे लोगों के सुख-दुख में सहभागी बने और जनहित के विकास कार्य करें। इसी भावना से वे जगह-जगह चौपाल कर विकास कार्यों की जानकारी दे रहे हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सड़क की गुणवत्ता अच्छी हो, यदि कोई ठेकेदार गड़बड़ी करते हैं तो उन्हें ब्लैक लिस्टेड किया जाये।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि बजट सत्र के दौरान जबलपुर के विकास के लिए 3200 करोड़ स्वीरकृत करायें हैं, जिससे हर व्यक्ति के घर के पास विकास की झलक दिखेगी और जबलपुर विकास की दृष्टि से शीघ्र ही एक अलग स्व,रूप में दिखेगा। जबलपुर में मध्यकप्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओव्हर जिसकी लागत 1100 करोड़ रूपये है अपनी पूर्णता की ओर है। साथ ही रोप वे बनाया जायेगा, जिसमें एक रोप-वे एम्पायर टॉकिज से सदर, छोटी लाईन होते हुए गौरीघाट व गौरीघाट के उस पार तक जायेगा जिसकी लागत 750 करोड़ होगी, दूसरा रोप-वे जिसकी लागत 350 है।

राजस्व वसूली में लापरवाही पर कठोर कार्यवाही

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर वृत्त के संभाग पाटन के कार्यपालन अभियंता नवनीत राठौर द्वारा समस्त लाइन कर्मचारियों एवं अधिकारियों की गूगल मीट के माध्यम से समीक्षा बैठक कर लाइन कर्मचारियों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही की गई। जिसमें खराब प्रोग्रेस लाने वाले कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र एवं वेतन वृद्धि रोकने संबंधित आदेश जारी किया गया। यहां तक कि कुछ कर्मचारियों को बर्खास्त करने के लिए भी अनुशंसा पत्र जारी किया गया है। कम पेइंग काउंट एवं रीडिंग में लापरवाही करने वाले मीटर रीडर पर कार्यवाही करते हुए 3 दिवस की वेतन कटौती आदेश जारी कर भविष्य में पुनरावृति करने पर कार्य से पृथक करने हेतु पत्र जारी किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान लाइन कर्मचारी सतेंद्र सेन, अरविंद ठाकुर, राजेश सोनी, रूपेन्द्र टेकाम को कार्य में निरंतर लापरवाही के चलते बर्खास्त करने हेतु अनुशंसा पत्र जारी किया गया।

हाइपरटेंशन जागरूकता माह के अवसर पर वॉकथॉन आयोजित

जबलपुर, देशबन्धु। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस 17 मई से 16 जून तक चलाये जा रहे हाइपरटेंशन जागरूकता माह के अंतर्गत जिले में चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत आज रविवार को कुंडम रोड स्थित साईं कृषि फार्म, खमरिया पिपरिया में वॉकथॉन का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग, फॉगसी पर्यावरण समिति, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, एम्पॉग्स, जॉग्स, आईएमएस, एमपीएनएचए, सीएमएचओ जबलपुर, कदंब संस्था एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान जनमानस को रक्तचाप की नियमित जाँच कराने, इसे नियंत्रित करने के लिए अपनाई जाने वाली जीवनचर्या के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित वॉकथॉन में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ संजय मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ नवीन कोठारी, डॉ जितेंद्र जामदार, डॉ अभिजीत विश्नोई, डॉ शैलवाला तिवारी, डॉ राखी बाजपेई, डॉ रंजना गुप्ता, डॉ सारिका दुबे, डॉ शारदा मिश्रा, डॉ तरुण त्रिपाठी, डॉ संजय जैन, डॉ वीणा जैन, डॉ निशा साहू थी।

खुले में मॉस-मटन विक्रय करने वालों के खिलाफ की कार्रवाई

जबलपुर, देशबन्धु। निगमायुक्त प्रीति यादव के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों और मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों के द्वारा अधारताल, कृषि विश्वविद्यालय रोड, एवं सुहागी बाजार क्षेत्रों में गंदगी करने वाले, अमानक पॉलीथिन विक्रय करने वाले व्यापारियों एवं खुले में मॉस-मटन विक्रय करने वालों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की गयी।

नगर निगम

कार्रवाई के संबंध में उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल ने बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने नगर निगम द्वारा लगातार गंदगी फैलाने वालों पर सख्ती की जा रही है। इसके साथ साथ अमानक प्रकार की पॉलीथिन विक्रय करने वाले दुकानदारों और खुले में मॉस-मटन विक्रय करने वालों के विरूद्ध भी नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गंदगी फैलाने वाले, अमानक प्रकार की पॉलीथिन विक्रय करने वाले व्यापारियों एवं खुले में मॉस-मटन विक्रय करने वाले 40 के विरूद्ध चालानी कार्रवाई कर 4 हजार रुपये से अधिक जुर्माने के रूप में वसूली कर निगम खजाने में जमा करवाई गई। शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

जरूरतमंदों के किये लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

जैन मंदिर संगम कालोनी में पहुंचे सैकड़ों मरीज

जबलपुर, देशबन्धु। उखरी रोड संगम कॉलोनी स्थित जैन मंदिर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार 1 जून को सुबह 10 बजे से 1 बजे के बीच किया गया। जिनालय ट्रस्ट, अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद जबलपुर शाखा एवं जैन डॉक्टर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर का शुभारंभ अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद जबलपुर शाखा अध्यक्ष रानी जैन एवं सचिव सुनीता जैन, जैन डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय जैन एवं सचिव डॉ. पीयूष जैन द्वारा किया गया। नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 200 से ज़्यादा मरीजों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई। शिविर में चिकित्सकों ने जांच के साथ परामर्श प्रदान किया।

लगाया गया रक्तदान शिविर

जैन मंदिर में कैंप के साथ जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में जिला अस्पताल के ब्लड बैंक की प्रभारी डॉक्टर अमित जैन के निर्देशन में टीम ने ब्लड कलेक्शन किया। कैंप रक्तदाताओं ने रक्तदान कर रक्तदान महादान का संकल्प पूरा किया। इस अवसर महिला परिषद की केंद्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी श्रीमती विमला जैन डॉक्टर कुसुम जैन श्रीमती मंजुला मनी दीदी साधना बड़कुल, मीना परिधान, साधना कश्मीर, सुनीता, साधना गायिका, संगम कॉलोनी ट्रस्ट अध्यक्ष आशीष लालू जी, जबलपुर ड्रग एंड केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्य डॉक्टर चंद्रेश जैन, रजनीकांत, पवन जैन, डॉक्टर समीर जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सीमा जैन द्वारा किया गया।

इन डॉक्टरों ने दी सेवायें

कैम्प में डॉक्टर पीयूष जैन, डॉक्टर नरेन्द्र कुमार जैन, डाक्टर समीर जैन, डॉक्टर केके परिहार, डॉक्टर स्वप्निल जैन, डॉक्टर अभिनीत जैन, डॉक्टर रैनी जैन, डॉक्टर मयंक जैन, आयुर्वेद चिकित्सक डॉक्टर जाग्रति नायक, डॉक्टर एके जैन, डॉक्टर महेंद्र जैन आदि ने अपनी सेवाएं दी।

सेना के सम्मान में जय हिंद सभा से बौखलाई भाजपा : कांग्रेस

पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने लगाया आरोप

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी टीकाराम कोष्टा ने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम पर आयोजित कांग्रेस की जय हिंद सभा को छलावा बताने वाले अपने गिरेबान में झांक कर देखें सेना के शौर्य पर देश का पीएम अपनी ब्रांडिंग बिहार चुनाव में करता है।

प्रदेश के मंत्री विजय शाह महिला सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया का अपमान और पूर्व में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी के विषय में ऊलजलूल संबोधन कर अपमानित करने वाला इसी प्रकार उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा सेना को अपमानित करने पर मौन रहने वाले भाजपाइयों का चाल चरित्र और चेहरा सबके सामने उजागर हो गया है ।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी टीकाराम कोष्टा, प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी विजय अग्रवाल अंकित चौरसिया डॉक्टर मोइन अंसारी मामूर गुड्डू राजेश पटेल लखन श्रीवास्तव अशोक चौधरी संजू ठाकुर रविंद्र कुशवाहा धर्मेंद्र कुशवाहा आदि ने भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित सभा को छलावा, और कांग्रेस शीर्ष नेताओं पर सवाल उठाने वाले मध्य प्रदेश भोपाल में भाजपा द्वारा महिलाओं का महासम्मेलन लोकमाता अहिल्याबाई की जयंती कार्यक्रम से प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज का नदारत रहना क्या है?

गंगा दशहरा के पूर्व चुनरी से श्रृंगार 4 जून को

भेड़ाघाट में हर वर्ष होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी पूर्ण

जबलपुर, देशबन्धु। प्रतिवर्ष अनुसार इस 13 वे वर्ष में गंगा दशहरा की पूर्व सुबह 4 जून बुधवार को सुबह 7 बजे बैनगंगा नर्मदा मैया सरस्वती मैया के संगम बेनगंगा पुल हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से उस पार तक 900 फुट की चुनरी अर्पण की जाएगी महा आरती के साथ भंडारे का वितरण होगा।

ज्ञात हो बाणासुर नाम के राक्षस ने तपस्या कर गंगा मेया का उद्गगम किया था नामकरण बाणासुर के नाम से बाण एवं गंगा मैया दोनों मिलकर बाणगंगा कहते थे अभरश: होकर बेनगंगा कहने लगें

आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज ने अपने संदेश में कहा भेड़ाघाट क्षेत्र में सुख

समृद्धि बनी रहे नशा मुक्त रहे पर्यावरण एवं खुशियली रहे उपस्थिति की अपील आश्रम के व्यवस्थापक नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल जय किशन गुप्ता सुषमाशंकर पटेल मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान मनोज गुलाबवानी कैलाश विश्वकर्मा सुरेश विश्वकर्मा विशाल पांड्या आदि ने की है।

कैप्टन अखिलेश कुमार तिवारी को गौरवरत्न से सम्मानित किया गया

जबलपुर, देशबन्धु। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स संयुक्त रूप से सम्मानित किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंट विधायक अशोक रोहणी धनंजय बाजपेई सीताराम कुरचानिया रावेंद्रतिवारी आनंद मोहन शर्मा निशांत शर्मा पुष्पा तिवारी डॉक्टर स्वागतिकापति शेलेश मिश्रा रिंकू श्रीवास विनय कुरचनिया विजय गुप्ता यदुवंश मिश्रा अमन तिवारी, अशोक रोहणी ने कहा जनता सेवा जीवन की महत्वपूर्ण सेवा है धनंजय वाजपेई कहा सेना जनता,व देश की सर्वश्रेष्ठ रक्षक है। कैप्टन अखिलेश तिवारी ने कहा जनता को सेल्फडिफेंस सीखना चाहिए आतंकवादियों से सावधान हर हाल में रहना होगा, रावेंद्रतिवारी व पुष्पा तिवारी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया

विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। बिलहरी कृष्णा होम्स में रिटायर्ड कैप्टन अखिलेश कुमार तिवारी का विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अखिलेश कुमार तिवारी को शाल श्रीफल प्रस्ति पत्र स्मृति चिन्ह देकर मन्तो पहलवान के द्वारा सम्मानित किया गया इस अवसर पर विधायक अशोक रोहणी, पार्षद कृष्णा दास चौधरी, पुष्पा तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी सचिव कुश्ती संघ मन्तो पहलवान. सुन्दर लाल अग्रवाल, आशीष चौधरी, संतोष रजक, संतोष यादव अजय पदम जी, सुनील रजक, विनय रोहाणी संजय वर्मा, मेवालाल यादव उपस्तित रहे विदाई समाहरोह में सभी आकांटों को ने रिटायर्ड कैप्टन अखिलेश कुमार तिवारी की उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु होने की कामना की।

डीबी क्लब में कवि रवींद्रनाथ टैगोर एवं नज़रुल इस्लाम की याद में संगीत एवं नृत्य अनुष्ठान

जबलपुर, देशबन्धु। डीबी क्लब में कवि रवींद्रनाथ टैगोर एवं नज़रुल इस्लाम की याद में संगीत एवं नृत्य अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्लब अध्यक्ष सुजीत घोष एवं क्लब सचिव कृष्णनेंदु चौधरी तथा उपाध्यक्ष आलोक चक्रवर्ती द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण करके किया गया । महान कवि एवं लेखक रवींद्रनाथ तथा नज़रुल इस्लाम के गीतों पर आधारित नृत्य एवं संगीत का रंगारंग कार्यक्रम सुश्री मीता भट्टाचार्य एवं उनके शिष्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को आयोजित करने का एकमात्र उद्देश्य भारत के गौरव रवींद्रनाथ एवं नजरूल इस्लाम की सुंदर एवं अतुलनीय गीतों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम में त्वेषा मोइत्रो, सोहम बनिक, विवान चटर्जी, अद्विक राय, सिद्धार्थ मोइत्रो, प्रियांशी सोनी, अरण्य मुखर्जी, तीष्ठा चक्रवर्ती, इंद्राणी बनर्जी नेहा बनर्जी, कृष्णा बोराल, सुभांशि पाल, अरनबी बोराल, सुचित्रा मोइत्रो, अंकुर शील, अनुराग शील, एवं सुप्रीयो बैनर्जी शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीमती केया घोष के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।

विश्व साईकिल दिवस पर स्वस्थ्य रहने चलाई साईकिल

जबलपुर, देशबन्धु। को विश्व साईकिल दिवस के उपलक्ष्य में, फिट इंडिया (रविवार) को प्रातकाल: 6.30 बजे, फिट इंडिया के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण से साईकिल रैली निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य अथिति भीष्म सिंह राजपूत , प्रदेश सचिव साईकिल संघ व अविद खान,जिला सचिव जुडो संघ एवं रमेश परिहार, यूथ हॉस्टल, प्रभारी सभी को पौधे देकर सम्मान्नित किया गया। तद्पश्चात राजपूत के द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाई व् रैली को रवाना किया साथ ही अविद खान, एवं रमेश परिहार, यूथ हॉस्टल, प्रभारी उपस्थित थे। साइकिल रैली जिसमें स्कूली छात्रा/छात्राओं, साईकिल राइडर, खेल-प्रेमी, स्थानीय-निवासी, खिलाडी तथा खेलों इंडिया सेंटर एवं एसटीसी जबलपुर के खिलाडीगण के द्वारा संयुक्त

रूप से साइकिल रैली निकाली गई जो कि निर्धारित रुट रानीताल, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स से आरंभ होकर बल्देवबाग से ऊखरी रोड होते हुए वापस रानीताल, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, पर समाप्त हुई।

साइकिल रैली निकलने का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री के द्वारा जो आवाहन किया गया था फिट इंडिया के तहत सभी को प्रतिदिन एक घंटा निकाल कर साइकिल चलानी चाहिए जिससे कि स्वास्थ्य व सेहत फिट रहने के लिए बहुत उपयोगी है साइकिल चलाए जिसके तहत फिट रह सकते हैं, उसी के तहत लगातार भारतीय खेल प्राधिकरण के द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली छात्रा/छात्राओं, साईकिल राइडर, खेल-प्रेमी, स्थानीय-निवासी, खिलाडी तथा खेलों इंडिया सेंटर एवं एसटीसी जबलपुर के खिलाडीगण ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, लगातार इस आयोजन को भारतीय खेल प्राधिकरण के द्वारा कराया जा रहा है उसी क्रम में, आज एक संयुक्त रूप से साइकिल रैली का आयोजन किया गया और लोग जिसका लाभ ले रहे हैं।

दैनिक राशिफल

सोमवार 02 जून 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। जेष्ठ शुक्ल पक्ष की सप्तमी नक्षत्र- मघा।

मेष - आपको अपने उग्र स्वभाव और जिद पर अंकुश रखने की आवश्यकता है। आप परिश्रम करेंगे, लेकिन उसका उचित फल नहीं मिलने से निराशा का अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृषभ - आज आपको बहुत से काम में सफलता मिलेगी। आपका आत्मविश्वास बहुत ज्यादा रहेगा। विद्यार्थियों की रुचि पढ़ाई में बनी रहेगी। सरकारी कामकाज में आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। संतान के पीछे अधिक पैसे खर्च होगा।

मिथुन - दिन का आरंभ ताजगी से भरा होगा। आपकी किस्मत आपका साथ देगी। सतत बदलते विचार से निर्णय लेने में अस्वस्थता महसूस कर सकते हैं। नए काम शुरू कर सकेंगे।

कर्क - आज आपको मानसिक भय परेशान करेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद या मनमुटाव हो सकता है। आपका अभिमान किसी के दिल को चोट पहुंचा सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में ध्यान केंद्रित नहीं कर सकेंगे।

सिंह - आत्मविश्वास में वृद्धि होने से आप तेजी से निर्णय लेकर प्रगति की ओर बढ़ेंगे। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपके उग्र व्यवहार और वाणी के कारण किसी के साथ मतभेद हो सकता है। पिता या बुजुर्ग से कोई लाभ होगा।

कन्या - शारीरिक तथा मानसिक रुप से आपको बेचैनी रहेगी। आपके इगो के कारण किसी के साथ वाद-विवाद हो सकता है। अचानक गलत जगह धन खर्च हो सकता है। वैवाहिक जीवन में मतभेद होने की आशंका बनी रहेगी।

तुला - आपके वैवाहिक जीवन में सुख- शांति रहेगी और आय में वृद्धि होगी। नौकरी और व्यवसाय में परिस्थिति अनुकूल रहेगी। नौकरी में पदोन्नति हो सकती है। परिजनों और मित्रों के साथ खुशी के पल गुजार सकेंगे।

वृश्चिक - आपका सभी काम सफलतापूर्वक पूरा होंगे। वैवाहिक जीवन में संतोष और खुशी का अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बड़े अधिकारी और बुजुर्गों के आशीर्वाद आपके साथ रहेगा।

धनु - आज आपको शारीरिक अस्वस्थता और थकान का अनुभव होगा। मानसिक रूप से भी बेचैनी का अनुभव होगा। कहीं जाने की योजना को टालना हितकर होगा। संतान की चिंता हो सकती है।

मकर - आज आपको नकारात्मकता से दूर रहने की सलाह दी जाती है। अचानक खर्च आ सकता है या बीमारी के उपचार के पीछे खर्च हो सकता है। व्यापार में भागीदारों के साथ मतभेद हो सकता है।

कुंभ - आज का दिन आप घूमने-फिरने और मनोरंजन में व्यतीत करेंगे। पारिवारिक सदस्यों और मित्रों के साथ कहीं भोजन करेंगे। आपको अच्छे वस्त्राभूषण और वाहन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन - घर में शांति और आनंद के वातावरण का सकारात्मक प्रभाव आपके काम पर देखने को मिलेगा। परंतु आपको अपने उग्र स्वभाव और वाणी पर अंकुश रखनी होगी। आप अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।

1,6,3,9-41,59,76,95,10,80,36,09

कर्मचारियों को आधार अपडेट में आ रही समस्या

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मॉर्टिन ने बताया की वर्तमान में समस्त अधिकारी कर्मचारियों को आईएफएमआईएस अंतर्गत एम्प्लॉय प्रोफाइल समग्र आई डी से सत्यापन एवम आधार से लिंक किए जाने के लिए शासन के निर्देश जारी हुए है , परंतु आधार सेवा केंद्रों में आधार अपडेट करने वालों द्वारा मनमानी चल रही है, दलालों का बोलबाला है, आधार अपडेशन करने वाले निर्धारित फीस के अतिरिक्त मनमानी मुंहमांगी फीस वसूल रहे इसमें यह लोग अधिकतर सिनियर सिटीजन, महिला इत्यादि से मनमाना पैसा वसूल रहे। कलेक्टर से निवेदन है मामले को संज्ञान में लेते हुए सख्त निर्देश जारी करें जिससे शासकीय कर्मचारी, पेंशनर्स और आमजन को समस्या का सामना ना करना पड़े। संघ के रॉबर्ट मार्टिन, हेमंत ठाकरे, शहीर मुमताज़, राजेश सहारिया, दिनेश गोंड, राकेश श्रीवास, धनराज पिल्ले, गुडविन चार्ल्स, एनोस विक्टर, फिलिप अन्थोनी, राजकुमार यादव, दीपेश जैन, मनमोहन चौधरी, विनय रामजे, सुनील झारिया, त्रिलोक सिंह, आर. पी. खनाल, एस बी रजक, अनूप डाहट, निलेष खरे, अशोक परस्ते,महेंद्र प्रधान, वीरेंद्र श्रीवास, समर सिंह ठाकुर, आषीष कोरी आदि ने मांग की है।

बच्चों को मोबाइल की लत से बचाने दिया विशेष प्रशिक्षण

जबलपुर , देशबन्धु। ग्रीष्म ऋतु में स्कूलों की छुट्टियां बच्चों को घर में आराम करने और मोबाइल में खेलने की लत के लिए नहीं होती है बल्कि इन अवकाश के दिनों में बच्चों को नई कला सीखने का अवसर यह ऋतु प्रदान करती है, इसका उदाहरण जबलपुर रेल मंडल द्वारा रेल सौरभ क्लब में आयोजित ग्रीष्मकालीन समर कैंप में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर विभिन्न कलाओं जैसे ताइक्कांडो, पेंटिंग, नृत्य को सीख कर इस बात को साबित किया की इसके साथ ही अपने समय का सदुपयोग किया।

रेल सौरभ क्लब में आयोजित एक माह के समर कैंप में बच्चों ने खेल की विभिन्न कलाओं के साथ ही आपस में मित्रता और क्रिएटिविटी को सीखा। रेनू गौतम एवं श्रीमती पूनम खत्री तलरेजा के मार्गदर्शन में और सभी रेलवे अधिकारियों के सहयोग से यह कैंप और भी यादगार बन गया। समर कैंप के आखिरी दिन सभी बच्चों के

अभिभावकों के मन में यही भाव होगा कि- आज हम एक ऐसे खूबसूरत सफर के अंतिम पड़ाव पर हैं, जहाँ हमने न सिर्फ नया सीखा, बल्कि नई दोस्तियाँ भी बनाईं। यह समर कैंप केवल खेल, गतिविधियों और मनोरंजन का मंच नहीं था, बल्कि यह हमारे बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और टीम वर्क को निखारने का अवसर भी था।

तंबाकू निषेध दिवस पर विशेष कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर न्यू सुदर्शना वेल्फेयर सोसायटी द्वारा संचालित जबलपुर नशा मुक्ति केन्द्र में एक विशेष संकल्प प्रार्थना का आयोजन किया गया।

इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने दृढ़ संकल्प लिया कि वे तंबाकू एवं अन्य नशीली वस्तुओं से पूरी तरह दूर रहेंगे और तनाव, गुस्सा, घबराहट जैसी समस्याओं के समाधान के लिए नशे के बजाय सकारात्मक उपाय अपनाएंगे।

पांच दशक पहले सुभाष टॉकीज और पूरे देश में रिलीज हुई थी जय संतोषी मां

जबलपुर, देशबन्धु। 30 मई का दिन पूरे देश और खासतौर से जबलपुर से भी जुड़ा हुआ है। ठीक 50 साल पहले 30 मई 1975 को जबलपुर सहित पूरे देश में एक फिल्म जय संतोषी मां रिलीज हुई थी। इसी साल शोले और दीवार फिल्में भी रिलीज हुई थी। शोले तो सर्वाधिक कमाई करने वाली फिल्म में उस समय दर्ज हुई लेकिन जय संतोषी मां कमाई करने में नंबर पर रही थी। इस फिल्म ने अमिताभ बच्चन की दीवार से भी अध?िक पैसा कमाया था। इस दृष्टि से जय संतोषी मां को 50 साल बाद भी सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण माना जाता है। 1975 में यह फिल्म जबलपुर की सुभाष टॉकीज में रिलीज हुई थी। 1950 के शुरुआती समय में

सुभाष टॉकीज का निर्माण हुआ था। इसके संचालक सेठ गोविन्द दास व त्रिभुवन दास मालपाणी जैसे नगर के समृद्ध लोग थे। सुभाष टॉकीज जबलपुर की पुरानी रिहाइश में लोकप्रिय थी। उस समय सुभाष टॉकीज की छवि धार्मिक फिल्मों के छविगृह के रूप में ज्यादा रही। संत तुकाराम, हर हर महादेव या सामाजिक फिल्में प्राय- यहां लगती थीं।

1975 में जब शोले जैसी फिल्में जबलपुर के मध्य स्थित श्रीकृष्णा टॉकीज में तो दीवार ज्योति टॉकीज में लगी तब जय संतोषी मां को सुभाष टॉकीज में स्थान मिला। शोले व दीवार के सामने जनता और तो और टॉकीज वाले भी भूल गए कि जय संतोषी मां जैसी कोई फिल्म जबलपुर में लगी है। एक दो दिन तक कोई हलचल नहीं हुई लेकिन जैसे ही चार पांच दिन बीते कि लोगों खासतौर से महिलाओं का हुजूम सुभाष टॉकीज की ओर निकलने लगा।

सुभाष टॉकीज मंदिर के रूप में परिवर्तित हो गई। टॉकीज के आसपास के लोगों ने अगरबत्ती, गुड़ चना, नारियल से लेकर पूजन सामग्री बेचने लगे। महिलाएं चप्पल उतार कर टॉकीज में फिल्म देखती थीं। टॉकीज के अलावा आसपास जूते चप्पल रखने की व्यवस्था की गई। फिल्म में जब भी संतोषी माता की महिमा का गुणगान होता, दर्शक जेब से रेजगारी निकाल निछावर करना शुरू कर देते। फिल्म में संतोषी मां की भूमिका निभाने वाली अनिता गुहा वास्तविक जीवन में देवी के रूप में पूजने लगीं। वे जहां भी निकलती लोग उनके दर्शन के लिए लपक पड़ते। महिलाएं अपने बच्चे उनकी गोद में आशीर्वाद पाने के लिए डाल देते।

- पंकज स्वामी

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री सुदर्शन मदान- गोरखपुर रतन कॉलोनी निवासी श्री सुदर्शन मदान (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शक्ति परियार- रिज रोड साउथ सिविल लाइन निवासी श्री ओम बहादुर परियार की धर्मपत्नी श्रीमती शक्ति परियार (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती देवकी बाई कहार- घमापुर शीतलामाई वार्ड निवासी श्री हीरा कहार की धर्मपत्नी श्रीमती देवकी बाई कहार (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला देवी- अनुश्री परिसर गली नं. 3 बिलहरी निवासी श्री प्रहलाद की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जनक नंदनी- बेदी नगर मदनमहल निवासी श्री मुरारी लाल की धर्मपत्नी श्रीमती जनक नंदनी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अशोक कुमार- पाल कम्पाउंड नेपियर टाउन निवासी श्री अशोक कुमार (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

आभूषण व्यवसायी को चंद पलों में लगा 65 हजार का चूना

जबलपुर,देशबन्धु। लार्डगंज थानांतर्गत मालवीय चौक स्थित एक आभूषण व्यवसायी की दुकान में आभूषण लेने आई महिला ने पलक झपकते अपनी नकली अंगूठी उतारकर दुकान से असली अंगूठी पहन कर चलती बनी। संदेह होने पर सीसीटीवी खंगालने पर आभूषण व्यवसायी को पता चला कि महिला उसे 65 हजार का चूना लगा गई। श

आभूषण व्यवसायी अग्रवाल कॉलोनी निवासी 50 वर्षीय प्रभात जैन की रिपोर्ट पर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर मामला विवेचना में लिया हैं। पुलिस के अनुसार अग्रवाल कालोनी जैन मंदिर के सामने स्नेह नगर निवासी पीड़ित आभूषण व्यवसायी प्रभात जैन ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई हैं।

प्रभात ने बताया कि उनकी मालवीय चौक पर वर्धमान ज्वेलर्स नाम से शो रूम हैं। शो-रूम में 23 मई की शाम करीब 6.30 बजे से 8.30 बजे के लगभग एक महिला सोने की अंगूठी खरीदने आई, जिसे दुकान की महिला कर्मचारी सपना यादव द्वारा सोने की अंगूठियां दिखाई गईं। महिला ने सोने की अंगूठी देखते हुए एक अंगूठी चोरी कर ली और उसकी जगह नकली अंगूठी रख दी।

असली पहनकर दुकान में नकली अंगूठी छोड़ गई महिला

टैग लगी नकली अंगूठी पहनकर आई थी महिला-पुलिस को श्री जैन ने बताया कि 23 मई को शो-रूम में एक महिला सोने की अंगूठी खरीदने आई। जिसे दुकान की महिला कर्मचारी सपना यादव द्वारा सोने की अंगूठियां दिखायी गयीं। सोने की अंगूठी देखने के बाद आरोपी महिला दिखायी गयी सोने की अंगूठी पसंद न आने की बात कहकर दुकान से बाहर चली गई। आरोपी महिला के जाने के बाद दुकान बंद होने के समय जो ट्रे स्टाक बॉक्स को बंद करकर रख दिया। 30 मई को एक ग्राहक सोने की अंगूठी लेने आया तो श्री जैन ने वही बॉक्स निकाला तो उन्हें संदेह हुआ। जिसके बाद उन्होंने दुकान का सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। फूटेज देखने पर उन्होंने पाया कि 23 मई को दुकान आई आरोपी महिला द्वारा स्टाक बॉक्स मे लगी हुई असली सोने की अंगूठी निकालकर अपने हाथ में पहने हुई टैग लगी नकली अंगूठी को रख दिया गया। आरोपी महिला द्वारा धोखाधड़ी करते हुए नकली अंगूठी रख कर करीब 65 हजार रुपए की 6.70 मिली ग्राम 91.6 हॉल मार्क लगी असली अंगूठी ले गई। श्री जैन की रिपोर्ट पर आरोपी महिला के विरूद्ध धारा 318(4)बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

विवाह समारोह से लौटे परिवार के होश उड़े

सूने घर का ताला तोड़ चोर ने जेवर नगदी पर किया हाथ साफ

जबलपुर,देशबन्धु। संजीवनी नगर अनमोल विहार में एक परिवार घर में ताला लगाकर विवाह समारोह में गया था और उनके सूने मकान का ताला तोड़कर किसी चोर ने घर में रखे जेवर और नगदी पर हाथ साफ कर दिया।

इस मामले में पीड़ित अनमोल विहार निवासी 34 वर्षीय अभिषेक नेमा ने रिपोर्ट दर्ज कराई। अभिषेक ने पुलिस को बताया कि 21 मई को वह अपने परिवार के साथ नरसिंहपुर में मामा के यहां विवाह समारोह में गया था। परिवार जन घर के मुख्य दरवाजे में सेंटर लॉक एवं ताला लगाकर मुख्य गेट में भी ताला लगाकर गए थे। बाहर की लाईट भी चालू थी। अभिषेक 30 मई की रात 10.00 बजे अपने पूरे परिवार के साथ शादी से लौटकर घर लौटा तो मेन गेट में ताला लगा था। ताला खोलकर अंदर गए तो परिवार अवाक रह गया। अंदर वाला दरवाजे का ताला मुड़ा हुआ था और सेंटर लॉक भी तिरछा था। दरवाजा खोलकर घर के अंदर गए तो देखा कि पहले कमरे में अलमारी, दीवान खुला था एवं कपड़े, सामान बिखरे पड़े थे। अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था। अलमारी के लॉकर में रखा शादी में मिला पुराना सामान 1 जोड़ कान की झूमकी, एक छोटा मंगल सूत्र,1 जोड चांदी की पायल मोटी वाली एवं गुल्लंक में रखे करीब 10 हजार रुपए गायब थे। किसी चोर ने घर का ताला तोड़कर घर के अंदर घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने मामला विवेचना में लिया हैं।

हत्या के प्रयास कर फरार आरोपी चंद घंटों में धराया

जबलपुर,देशबन्धु। खमरिया थानांतर्गत एक युवक पर प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने वारदात के महज चंद घंटो बाद धरदबोचा।

आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी जब्त किया गया। थाना खमरिया में रविवार की रात भट्टा मोहल्ला पिपरिया में मारपीट में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायल को उपचार हेतु तत्काल रांझी अस्पताल भिजवाया गया। जहां से घायल को विक्टोरिया अस्पताल रैफर कर दिया गया। घायल के चचेरे भाई भट्टा मौहल्ला पिपरिया निवासी 24 वर्षीय सावन कोल ने बताया कि बीती रात करीब साढ़े 12 बजे वह शादी समारोह से वापस घर लौटा तो देखा कि घर के सामने उसके बड़े पिता के लड़के नेमचंद को पवन यादव चाकू से मार रहा था। जो उसके चिल्लाने पर भाग गया। सावन ने पास जाकर देखा तो भाई नेमचंद के पेट में चोट लगने से खून निकल रहा था।

आरोपी पवन यादव ने हत्या करने की नीयत से उसके बड़े पिता के लड़के नेमचंद पर चाकू से हमला कर चोट पहुंचा दी। रिपोर्ट पर धारा 109 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा घटित हुई घटना को गम्भीरता से लेते हुये आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु आदेशित किये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी (भा.पु.से.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक रांझी सतीश कुमार साहू के मार्ग निर्देशन में थाना प्रभारी खमरिया सरोजनी टोप्पो के नेतृत्व में टीम गठित कर लगाई गई। गठित टीम द्वारा सरगर्मी से तलाश करते हुय आरोपी पवन यादव उम्र 21 वर्ष निवासी प्रेमनगर पिपरिया खमरिया को अभिरक्षा में लेते हुये घटना में प्रयुक्त चाकू जब्त कर प्रकरण मे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

ठेला लगाने के विवाद पिता-पुत्र से मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। लार्डगंज थानांतर्गत ठेला लगाने के विवाद पर शनिवार एक ठेला संचालक पिता-पुत्र पर दूसरे ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट कर लाठी से हमला कर दिया। मामले में पटेल मोहल्ला यादव कॉलोनी निवासी पेशे से ठेला लगाने वाले 45 वर्षीय संजू साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई। संजू ने पुलिस को बताया कि उसके समीप ही ठेला लगाने वाले गोलू साहू से उसका विवाद चल रहा हैं। शनिवार दोपहर इसी विवाद के चलते दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर संजू अपने लड़के विवेक साहू के साथ घर के सामने खड़ा था। तभी आरोपी सोहन साहू, गोलू साहू, मनोज साहू आए और गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुये उसके एवं उसके बेटे के साथ हाथ मुक्कों एवं लाठी से मारपीट कर चोटें पहुंचा दी और जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गए। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(1),181(1),351(2),3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश जारी है।

पाटन हत्याकांड : 48 घंटे बाद भी नहीं हो पाई शिनाख्त

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत में 30 मई को हुई हत्या की वारदात के 48 घंटों बाद भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई हैं। हत्या के इस प्रकरण में विवेचना के लिए सर्वप्रथम मृतक की शिनाख्त महत्वपूर्ण बिंदू हैं लेकिन जिस तरह ग्रामीण और अन्य भी मृतक की शिनाख्त नहीं कर पाए उससे यह प्रतीत हो रहा है कि मृतक किसी दूसरे क्षेत्र का निवासी हो सकता हैं।

पुलिस अपने स्तर पर मृतक की शिनाख्त के लिए खासी मशक्कत कर चुकी हैं लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिल पाई हैं। पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र 25 से 28 वर्ष के लगभग है। उसके हाथ व सीने में टेटू बने हुए है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक पाटन या आसपास का रहने वाला नहीं हैं।

टैटू से भी नहीं हो पाई पहचान

ज्ञात हो कि मृतक के दाएं हाथ में अंग्रेजी और हिंदी में दीपक लिखा हुआ था, वहीं बाएं हाथ में टैटू से राम और मर्द लिखा है। इसके साथ ही मृतक के सीने में टैटू से मर्द भी लिखा हुआ था। मृतक का बांया कंधा जला हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया था। पुलिस का कहना है कि दोनों हाथ व सीने में बने टेटू से पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने मृतक के शरीर में लिखे राम, दीपक और सीने पर मर्द के टैटू की फोटो लेकर पाटन और आसपास के क्षेत्र में प्रेषित की है। इसके साथ ही कंट्रोल रूम के माध्यम से जिले अलग-अलग थानों में भेजी है। एएसपी का कहना है कि पीएम के बाद ही मौत की असल वजह सामने आ पाएगी।

नग्न अवस्था में मिला था शव

ज्ञात हो कि 30 मई को पाटन थानांतर्गत मढ़तालाब के पास एक व्यक्ति के मृत पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर टीआई पाटन गोपिन्द्र सिंह राजपूत स्टाफ के साथ मौके पर पहुचें। जहां एक करीब 35 वर्षीय युवक का नग्न अवस्था में शव मिला। युवक के सिर, चेहरे पर चोट के निशान थे जिनसे खून निकला था। चेहरे पर टी शर्ट ढ़की थी। मौके पर शराब के पाव पड़े थे। ऐसी आशंका व्यक्त की गई किसी परिचित ने पहले मृतक के साथ शराब पी और फिर जब वह नशे की स्थिति में था तभी आरोपी द्वारा उसे मौत के घाट उतारा गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 103 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा घटित हुई घटना को गंभीरता से लेते हुये आरोपी की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी हेतु आदेशित किये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा एवं एसडीओपी पाटन लोकेश डाबर के मार्ग निर्देशन में थाना प्रभारी पाटन गोपिन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में टीम गठित कर लगायी गई।

कॉम्बिंग गश्त में 304 वारंट हुए तामील, अपराधियों पर अंकुश लगाने पुलिस ने किया रतजगा

जबलपुर,देशबन्धु। अपराधों की रोकथाम हेतु बीती रात जिला पुलिस ने रतजगा कर 304 वारंट तामील कराए। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा कराई गई कॉम्बिंग गश्त में कई वर्षों से फरार मामलों के न सिर्फ 304 वारंट तामील किए गए बल्कि अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 22 आरोपियों को 39 लीटर कच्ची एवं 79 पाव देशी शराब जब्त करते हुए 4 आरोपियों को अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने से पहले पकड़ा गया। बताया गया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधों की रोकथाम हेतु गुंडे, बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध उनके आपराधिक रिकार्ड को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिदिन प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कराई जा रही है वहीं थानों में लंबित वारंटो की तामीली तथा मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए कॉम्बिंग गश्त हेतु आदेशित किए जाने पर गत दिवस शाम 5 बजे से बीती रात करीब 2 बजे तक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जोन-2) समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात/अपराध) सोनाली दुबे, तथा समस्त नगर पुलिस अधीक्षकों/उप पुलिस अधीक्षक/एस.डी.ओ.पी. के मार्ग निर्देशन एवं उपस्थिति में समस्त थाना प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा हमराह स्टाफ के कॉम्बिंग गश्त की गई।

बनाई गई 81 टीमें

कॉम्बिग गश्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग 592 अधिकारी एवं कर्मचारियों की 81 टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 121 गैर म्यादी वारिटयों एवं 120 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 63 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। इसके साथ ही कॉम्बिंग गस्त के दौरान चाकू रखकर घूमते हुए 4 आरोपियों को पकड़ते हुए आरोपियों के कब्जे से 4 चाकू जब्त किए गए। इसी प्रकार अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश देते हुये 22 आरोपियों को गिरफ्तार कर 39 लीटर कच्ची तथा 79 पाव देशी/विदेशी शराब जब्त की गयी है। इसके साथ ही कॉम्बिंग गश्त के दौरान सक्रिय गुंडे बदमाशों को चेक करते हुए देर रात आने जाने वालों से रोक-टोक पूछताछ एवं रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैंड के साथ-साथ मुसाफिरखाना में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग की गई।

प्रमोद वर्मा बने आईजी जबलपुर

कटनी के विवादित एसपी अभिजीत रंजन हटाए गए, अभिनव विश्वकर्मा बने कटनी एसपी

जबलपुर,देशबन्धु। 1 जून मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) स्तर के 10 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन एवं अतिरिक्त प्रभार निदेशक जेएनपीए सागर प्रमोद वर्मा (भापुसे 2001) को अब पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर जोन बनाया गया है। वहीं विवादों में घिरे एसपी कटनी एसपी अभिजीत रंजन (भापुसे 2014) को सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल बनाया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन-2) नगरीय पुलिस जिला इंदौर अभिनव विश्वकर्मा (भापुसे 2019) को पुलिस अधीक्षक कटनी बनाया गया है।

इनके भी हुए तबादले -सुशांत कुमार सक्सेना (भापुसे 2005) पुलिस महानिरीक्षक, चम्बल जोन, मुरैना से पुलिस महानिरीक्षक, (अ0अ0वी), पुलिस मुख्यालय, भोपाल, चंद्रशेखर सोलंकी (भापुसे 2006) पुलिस महानिरीक्षक, विसबल इंदौर रेंज से पुलिस महानिरीक्षक, सागर जोन, सागर एवं अतिरिक्त प्रभार निदेशक, सचिन कुमार अतुलकर (भापुसे 2007) उप पुलिस महानिरीक्षक / पुलिस महानिरीक्षक, छिन्दवाड़ा एवं अतिरिक्त प्रभार जबलपुर जोन, जबलपुर से पुलिस महानिरीक्षक, चम्बल जोन, मुरैना कुमार सौरभ (भापुसे 2007)= उप पुलिस महानिरीक्षक / पुलिस महानिरीक्षक, चम्बल रेंज, मुरैना से पुलिस महानिरीक्षक, (अजाक), पुलिस मुख्यालय, भोपाल, सुनील कुमार जैन (भापुसे 2009)= उप पुलिस महानिरीक्षक, सागर रेंज, सागर से उप पुलिस महानिरीक्षक, चम्बल रेंज, मुरैना, वीरेन्द्र कुमार मिश्रा (भापुसे 2012)= पुलिस अधीक्षक, दतिया से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल, सूरज वर्मा (भापुसे 2013)= सेनानी, प्रथम वाहिनी, विसबल, इंदौर से पुलिस अधीक्षक, दतिया का प्रभार सौंपा गया हैं।

अवैध रुपयों की मांग कर तोड़ा वाहन

जबलपुर,देशबन्धु। माढ़ोताल थानांतर्गत कटंगी रोड में कोरियर का काम करने वाले एक युवक से पहले दो बदमाशों ने शराब के लिए रुपए मांगे और रुपए न देने पर युवक के साथ मारपीट कर उसके लोडिंग वाहन में तोड़-फोड़ कर दी। मारपीट में घायल युवक को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस को घायल मालगुजार बखरी के पास कठौंदा निवासी 28 वर्षीय रंजीत खंगार ने बताया कि वह अपनी लोडिंग इंट्रा वाहन से कोरियर बांटने का काम करता है। गत दिवस आफिस से लौटते समय कटंगी रोड होंडा शोरूम के पास रूका। वहां कठौंदा के आरोपी राहुल यादव एवं रेहान रजक पहुंचे और रंजीत से गाली गलौज कर शराब पीने के लिए रुपए मांगे। रंजीत के मना करने पर आरोपियों ने पहले उसके साथ मारपीट कर जमीन पर पटक दिया फिर पत्थर पटक कर उसकी गाड़ी का कांच तोड़ दिया। रंजीत को जान से मारने की धमकी देकर भागे आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 296, 115(2), 119(1),351(2), 324(4),3(5) बीएनएस का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी हैं।

मैकेनिक के साथ मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। अधारताल थानांतर्गत एक मैकेनिक के साथ एक ग्राहक ने मारपीट कर दी। इस मामले में पीड़ित इमलिया निवासी पेशे से मैकेनिक इमलिया निवासी 24 वर्षीय अतुल पटैल रिपोर्ट दर्ज कराई। अतुल ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले उसने आरोपी हेमंत यादव की गाड़ी की रिपेयरिंग की थी। गत दिवस आरोपी हेमंत उसकी रात सवा 8 बजे उसकी दुकान पहुंचा और शराब पीने के लिए 5 सौ रुपए मांगने लगा। अतुल ने पैसे देने से मना किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर कर दी। पुलिस प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही हैं।

प्रताडऩा से तंग आकर महिला ने की थी आत्महत्या

15 साल पहले हुआ था विवाह, पति करता था चरित्र पर संदेह, गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। परिणय सूत्र में बंधने के 15 साल से पति की प्रताडऩा झेल रही एक महिला आखिरकार फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। पति को महिला के चरित्र पर संदेह था। पुलिस के अनुसार विवेचना में यह बात सामने आई कि पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने आत्महत्या की। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस के अनुसार थाना मझौली में 2 मई को मृतका के पति आरोपी ग्राम खबरा निवासी 36 वर्षीय मनोज झारिया ने ही घटना की सूचना दी थी। आरोपी मनोज ने पुलिस को सूचना दी कि वह 2 मई की सुबह फर्नीचर दुकान चला गया था। शाम को घर लौटा तो दरवाजा उड़का हुआ था। आवाज लगाने पर पत्नी ने कुछ नहीं कहा तो उसने अंदर जाकर देखा तो अवाक रह गया। वहां पत्नि 36 वर्षीय आरती फांसी पर लटकी थी। जिसकी फांसी लगा लेने से मृत्यु हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजते हुए मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया था।

मायके पक्ष के कथनों में सामने आई वास्तविकता

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने मृतका के मायके पक्ष के कथन लिए। जिसमें पुलिस ने पाया कि आरती की शादी वर्ष 2010 में आरोपी मनोज कुमार झारिया के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही आरोपी पति मनोज अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह कर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। घटना के दिन भी आरोपी मनोज ने पत्नी आरती के साथ मारपीट की थी। आए दिन की शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर आरती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। संपूर्ण जांच पर आरोपी पति मनोज के विरूद्ध धारा 108 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी पति मनोज झारिया उम्र 36 वर्ष को अभिरक्षा में लिया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गोसलपुर में समय पर नहीं आते हैं चिकित्सक, मरीज होते हैं परेशान

गोसलपुर, देशबन्धु। जबलपुर जिले के अंतर्गत संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोसलपुर में लगभग सैकड़ों गांव के मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं परंतु यहां पर पदस्थ चिकित्सक समय पर संस्था नहीं पहुंचते जिसके कारण मरीजों को परेशान होना-पड़ता है मजबूरी में इन मरीजों को स्टाफ नर्स या कंपाउंडर कुल मिलाकर अप्रशिक्षित लोग मर्ज देखकर इलाज करते हैं जो की नियम के मुताबिक बिल्कुल विपरीत है आपको बता दें की पीएचसी गोसलपुर में एक एमबीबीएस डॉक्टर एवं एक होमियोपैथिक चिकित्सक पदस्थ है परंतु यह दोनों चिकित्सक समय पर व प्रतिदिन नहीं आते जिसके चलते लोगों को मध्य प्रदेश शासन के स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाती

चिकित्सकों के प्रतिदिन व समय पर संस्था न आने के कारण अस्पताल में अधीनस्थ कर्मचारी बे राजा की फौज की तरह काम संपादित होता है गौरतलब है की पीएचसी गोसलपुर इस क्षेत्र की सबसे बड़ी स्वास्थ्य संस्था कहलाती है परंतु यहां पर हमेशा मरीज भटकता रहता है ग्राम के जागरूक गण अनिल सराफ रवि सिंह ठाकुर सुरेंद्र श्रीवास लाइक खान सुरेंद्र पाटस्कर मनीष साहू ने इस ओर जिला प्रशासन से ध्यान देने की मांग की है।

किसान संघ के साथ बिजली अधिकारियों की बैठक

पाटन देशबन्धु। भारतीय किसान संघ के आव्हान पर तहसील इकाई मझौली के द्वारा मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड मझौली के अधिकारियों के साथ किसान संघ के प्रतिनिधि मंडल की बैठक संपन्न हुई जिसमें किसानों की विद्युत से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया गया जैसे कि मझौली में 132 के व्ही विद्युत सबस्टेशन रानीताल कटाव 33 केव्ही विद्युत सबस्टेशन ओवर लोड ट्रांसफार्मर कृषि पंपों के लोड फेल ट्रांसफार्मर और मेंटिनेंस कार्य जाने एवं अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई।

किसानों की विद्युत से संबंधित समस्याओं से कराया अवगत

कार्यक्रम में शामिल रहे सिहोरा मझौली ई ई सिहोरा मझौली एई मझौली जेई इन्द्राना जेई किसान संघ पदाधिकारी अटल बिहारी पटेल जिला कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र पटेल तहसील अध्यक्ष रंजीत पटेल तहसील मंत्री राजा भैय्या झारिया उपाध्यक्ष राकेश पटेल कोषाध्यक्ष राजकुमार सेन मिडिया प्रभारी राजवीर सिंह राजपूत कार्यालय मंत्री कैलाश पटेल जैविक प्रमुख वीरेंद्र पटेल सदस्य रामकुमार पटेल आदित्य चन्सोरिया अमित सिंह राजपूत किसान संघ तहसील मझौली सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

रामपुर से गांधीग्राम तक हाईवे सड़क पर धूल का गुबार, वाहन चालकों का घुट रहा दम

गांधीग्राम, देशबन्धु। जबलपुर-कटनी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर गांधीग्राम से आगे रामपुर से धमधा तक लगभग 2 किलोमीटर के हिस्से में सड़क किनारे हो रहे दिन-रात के खनिज उत्खनन और उसके परिवहन ने स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का जीना मुहाल कर दिया है। ब्लू डस्ट, आयरन ओर, मैंगनीज, लेटराइट, और मुरम जैसे खनिजों के सैकड़ों डम्फर, हाइवा, दस चक्का और ट्राला वाहनों की दिन-रात आवाजाही से हाईवे की पटरी पर बिछी मुरम मिट्टी धूल के गुबार में बदल गई है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर गांधीग्राम बाईपास से रामपुर ग्राम और नर्सरी के सामने से धमधा तक हाईवे सड़क के दोनों ओर और सड़क पर मिट्टी व धूल की मोटी परत जमा हो गई है। वाहनों के गुजरने पर धूल इतनी तेजी से उड़ती है कि पूरे हाईवे पर अंधेरा छा जाता है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों दोनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए अत्यंत खतरनाक है, जिनका धूल के कारण दम घुटने लगता है और विजिबिलिटी कम होने से दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। ग्राम रामपुर में सड़क किनारे स्थित नर्सरी के अंदर से खनिज-युक्त वाहनों की लगातार आवाजाही से उड़ने वाले धूल के गुबार इतने घने होते हैं कि पूरी फोरलेन सड़क की पटरी और आधी सड़क धूल की मोटी परत से ढक गई है। रात्रि के समय तो यह समस्या और विकराल हो जाती है, क्योंकि धूल के कारण हाईवे पर विजिबिलिटी न के बराबर हो जाती है।

सार-समाचार

मो. आबिद मंसूरी बने बरगी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अल्पसंख्यक

शहपुरा बरगी, देशबन्धु। बरगी ब्लाक अध्यक्ष अल्पसंख्यक नियुक्त मो. आबिद मंसूरी को बधाई देते हुए अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष एड.शेख अलीम ,प्रदेश सचिव सुमन जैन ,दलवीर सिंह, राजेन्द्र बंधु, राजू जैन, शहपुरा ब्लाक अध्यक्ष शेख शाहिद, पारिख खान, सुरेश रजक, जय हिन्द सभा जबलपुर में शामिल होने का आव्हान किया समस्त कांग्रेस परिवार सेना के सम्मान के लिए।

ग्राम पंचायत दोनी में कृषि संगोष्ठी आयोजित

मझौली, देशबन्धु। ग्राम जनपद पंचायत मझौली के ग्राम पंचायत दोनी में ग्रामीण क्षेत्र के किसानों की उपस्थिति में कृषि संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें विभाग ,मृदा परीक्षण विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं कृषि से संबंधित विभागों कर्मचारियों ने फसल में आ रही समस्याओं और नई नई तकनीक को लेकर सुझाव दिया और सभी विभाग की अधिकारियों ने बताया कि किस पर किस प्रकार से उन्नत खेती और नई किस्म की फसल औद्योगिक खेती किस प्रकार से कर सकते है और भूमि की उर्वरता शक्ति , मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव परिणाम संबंधी दुष्प्रभाव ,अवशोषण प्रबंधन विकल्प क्या हो सकते हैं इस विषय में भी बताया गया अधिकारी ने बताया कि अवशोषण ,पशु चारा अथवा औद्योगिक उपयोग के लिए किस प्रकार इकट्ठा करना है । अवशिष्ट भूमि की सतह पर रखना एवं समस्त प्रबंधन के विषय में उन्नत तकनीकी के विषय में जानकारी दी गई आज के कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू किस विश्वविद्यालय डॉक्टर नीलू विश्वकर्मा, डॉ आर पी साहू, डॉक्टर जी एस राठौड़, पूजा चतुर्वेदी पशु विभाग से डॉक्टर पार्श्व श्रीवास्तव, टी आर विवेक सेन समस्त किसान उपस्थित रहे।

भगवान का अभिषेक कर किया पुण्यार्जन

पनागर, देशबन्धु। नगर के विद्यासागर वार्ड स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में आज भगवान श्री 1008 श्रेयांश नाथ स्वामी जी का मोक्ष कल्याण बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रावकों पुरुष महिलाओं बच्चों ने भगवान का अभिषेक शांति धारा पूजन कर निर्माण कांड का वाचन करते हुए लड्डू लादू चढ़ाए तत्पश्चात सभी लोगों ने श्री चरण प्रतिष्ठित रचना श्री सम्मेद शिखरजी सिद्ध क्षेत्र के रचना के दर्शन कर पुण्यअर्जन किया। लगभग 70 वर्ष पूर्व चरण प्रतिष्ठित श्री सम्मेद शिखर जी की पंचकल्याणक से प्रतिष्ठित रचना नगर में विराजमान है धर्म प्रेमी जन दर्शन कर पुण्य लाभ लेते हैं।

विश्व तम्बाकू निषेध पर कार्यक्रम आयोजित

पनागर, देशबन्धु। शासकीय कला महाविद्यालय पनागर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रतिवर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध मनाया जाता है जिससे तम्बाकू और इसके उत्पादों के सेवन से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्परिणामों बचा जा सके। "अपील को उजागर करना: तम्बाकू और निकोटिन उत्पादों पर उद्योग रणनीती को उजागर करना" थीम पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन, प्रशासनिक अधिकारी अवधेश दुबे, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. गायत्री मरावी, डॉ. प्रशांत नामदेव, वीरेन्द्र कुमार कुर्मी, अधिकारी/कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थित में आयोजित किया गया।

शासकीय कार्यालयों में फर्जी वकील दिखा रहे अधिकारियों को काले कोर्ट की धौंस

कानूनी शिक्षा और स्टेट बार काउंसिल के पंजीकरण के बिना पैरवी करने वालों हो कार्रवाई

पाटन, देशबन्धु। भारत में कानूनी प्रक्रिया के लिए एलएलबी डिग्री और स्टेट बार काउंसिल में पंजीयन होना अनिवार्य है। बिना इसके पैरवी करना कानून का उल्लंघन है। इससे मुवक्किल के हितों के नुकसान के साथ ही न्याय प्रक्रिया पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कानूनी पेशे में योग्यता और नैतिकता का विशेष महत्व होता है। बिना प्रशिक्षण के पैरवी करने से गलत सलाह और प्रक्रियात्मक त्रुटियां होती है, जो मुवक्किल और समाज के लिए हानिकारक होती हैं। कानूनी पेशा जिम्मेदारी और विशेषज्ञता मांगता है। कोर्ट में बिना इसके पैरवी करना अनैतिक है। चंद लालची लोगों की वजह से नगरवासी और ग्रामीणों का विश्वास न्याय के मंदिर पर दिनों दिन टूटता जा रहा है।

बता दें कि नगर में इन दिनों वकालत की पढ़ाई पूरी किए बिना काला कोट पहनकर न्यायालय में उपस्थित होकर पेशी व अन्य न्यायालीन कार्य करने, शासकीय कार्यालयों एवं पुलिस थाने में वकालत की धौंस जमाने की लगातार घटनाएं बढ़ी हैं। जिम्मेदारों की चुप्पी साधने से नगर में ऐसे दर्जनों फर्जी वकील मौज काट रहे हैं। जबकि कड़ी मेहनत कर दिन भर पसीना बहाने वाले डिग्रीधारी तथा वैध पंजीयन वाले अधिवक्ताओं के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। वही पक्षकारों से भी फीस को लेकर वाद-विवाद और जबरन पैसे की वसूली और मारपीट करने के मामले बढ़े हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पाटन तहसील में आधा दर्जन लोग खुद को वकील बताकर न्यायालय की कार्यवाही में पेशी तथा अन्य न्यायालीन कार्य कर रहे हैं। एसडीएम मानवेंद्र सिंह राजपूत की कोर्ट में भी पक्षकारों की पैरवी करते हुए इन्हें देखा गया है। बताया जा रहा है कि इन सभी की एलएलबी की पढ़ाई पूरी नहीं हुई है और न ही इनका स्टेट बार काउंसिल में पंजीकरण हुआ है। इसके अलावा न ही इनके पास मुंशी का कार्य करने के वैध दस्तावेज या अनुमति उपलब्ध है।

विशेष लाभ अर्जित करने के लिए जान बूझकर अपनी पहचान छिपाकर पक्षकारों के साथ छल करने का कृत्य भी कानून के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इतना ही नहीं वाहनों में भी वकील-के मोनों का दुरुपयोग इन लोगों के द्वारा किया जा रहा है, साथ ही पुलिस थानों में पहुंचकर पक्षकारों को भी गुमराह कर रहे हैं। इन सभी को कई बार पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर वकालत की धौंस जमाते हुए देखा गया है।

विगत 10 अप्रैल 2024 को एक फर्जी वकील के द्वारा वकालत का रौब दिखाते हुए पाटन एसडीएम मानवेंद्र सिंह राजपूत से मुलाकात कर खुद को नगर का नामचीन अधिवक्ता बताकर परिचय दिया गया। तब से लेकर आज तक एसडीएम कोर्ट में लगे प्रकरणों में पैरवी और दलाली कर रहा है। एसडीएम कार्यालय में इसे सभी नामचीन वकील समझते हैं। जबकि धरातल पर इसका रुतबा ही शून्य है। राजनीति में भी चरण वंदना करके अपने हाथ आजमा रहा है। इस गंभीर मामले पर जिम्मेदारों को स्वत:संज्ञान लेकर सक्त कार्यवाही करना चाहिए, जिससे आमजनों का न्याय के मंदिर पर आस्था कायम हो सके।

फर्जी वकीलों पर हो सकती यह कार्रवाई- देश में, बिना डिग्री लिए या बार काउंसिल में पंजीकृत हुए बिना कोई व्यक्ति यदि न्यायालय में वकील के रूप में पैरवी करता है,तो यह गैर-कानूनी माना जाता है। इस तरह के कृत्य को अनधिकृत प्रैक्टिस ऑफ लॉ कहा जाता है। इसके विरुद्ध एडवोकेट्स एक्ट, 1961 की धारा 45 के तहत, बिना पंजीकरण के वकालत करना दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। इसमें 7 साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया या संबंधित राज्य बार काउंसिल को शिकायत मिलने पर ऐसे फर्जी वकीलों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और स्थायी रूप से वकालत करने पर प्रतिबंधित भी लग सकता है। यदि कोई फर्जी डिग्री प्रस्तुत करता है,तो उस पर जालसाजी और धोखाधड़ी का मामला बन सकता है, जिसके लिए आपराधिक मुकदमा दर्ज हो सकता है। वही पुलिस को शिकायत मिलने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (जालसाजी) या अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज हो सकता है। यदि किसी पक्षकार को वकील पर संदेह है कि वह बिना डिग्री एवं बार काउंसिल में पंजीकरण के बिना ही वकालत कर रहा है, तो आप संबंधित राज्य बार काउंसिल, स्थानीय पुलिस या कोर्ट में उसके विरुद्ध शिकायत दर्ज करा सकते हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर वकील के पंजीकरण की स्थिति के बारे में जांच कर सकते है।

इनका कहना

जब इस संबंध में मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के वाइस चेयरमैन एवं जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के पूर्व अध्यक्ष से बात की तो उन्होंने बताया कि बिना एलएलबी पढ़ाई पूरी किए और स्टेट बार काउंसिल के पंजीकरण के बिना यदि कोई व्यक्ति काला कोट पहनकर (अधिवक्ता की ड्रेस) में माननीय न्यायालय की कार्यवाही में उपस्थित होकर पेशी एवं अन्य न्यायालीन कार्य करता है तथा अपने घरों और ऑफिस में अधिवक्ता का बोर्ड और वाहनों में मोनो चिपका कर इसका दुरुपयोग करते पाया जाता है और इसकी शिकायत मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद में आती है तो उसके विरुद्ध पुलिस में मामला दर्ज कराया जाएगा। उनका बार काउंसिल में पंजीकरण नहीं किया जाएगा।

आरके सैनी, वाइस चेयरमैन, मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद

जैविक खेती और कृषि से संबंधित जानकारी को लेकर कृषि संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पाटन देशबन्धु। जिले के पाटन विस के अंतर्गत आने वाले मझौली ब्लॉक की ग्राम पंचायत दोनी में ग्रामीण इलाकों से पधारे किसानों की उपस्थिति में कृषि संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विभाग के द्वारा मृदा परीक्षण विभाग,पशु चिकित्सा विभाग एवं कृषि से संबंधित विभागों के कर्मचारियों ने फसल में आ रही समस्याओं और नई नई तकनीक को लेकर किसानों को सुझाव दिए और विभागीय अधिकारियों ने बताया कि किस प्रकार से उन्नत खेती और नई किस्म की फसल, औद्योगिक खेती किस प्रकार से कर सकते है। भूमि की उर्वरता शक्ति, मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव परिणाम संबंधी दुष्प्रभाव, अवशोषण प्रबंधन विकल्प क्या हो सकते हैं।

आगे उन्होंने बताया कि अवशोषण, पशु चारा अथवा औद्योगिक उपयोग के लिए किस प्रकार इकट्ठा करना है। अवशिष्ट भूमि की सतह पर रखना एवं समस्त प्रबंधन के विषय में उन्नत तकनीकी के विषय में जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के डॉक्टर नीलू विश्वकर्मा,डॉ आर पी साहू, डॉक्टर जीएस राठौड़, पूजा चतुर्वेदी पशु विभाग से डॉक्टर पार्श्व श्रीवास्तव,टी आर विवेक सेन सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पेट्रोल टैंकर एवं बल्कर में भिड़ंत

रीवा देशबन्धु। नेशनल हाईवे 39 रीवा सीधी मार्ग पर चौरसिया ढाबा महसांव के समीप बीती रात लगभग 2 बजे के करीब पेट्रोल टैंकर एवं बल्कर की सीधी भिड़ंत हो गई इस दौरान एक बड़ा हादसा टल गया वही टैंकर के टंकी की पाइप फट जाने से पेट्रोल रोड में गिर गया, घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात्रि यह सड़क हादसा महसाव स्थित चौरसिया ढाबा के सामने उस वक्त हुआ जब दोनों वाहनों की सीधी टक्कर हो गई हालांकि इस सड़क हादसे में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि पेट्रोल लोड टैंकर की टंकी अगर क्षतिग्रस्त होती तो फिर यह एक बड़ा हादसा हो सकता था।

96 वर्षीय पिता की ज़मीन पर बेटे ने जमाया कब्ज़ा

पाटन देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत रिमझा गांव में एक युवक के द्वारा अपने 96 वर्षीय पिता को उडद की फसल नहीं काटने देने का मामला सामने आया है। गांव के बुजुर्ग राम लड़िया ने बताया कि मेरे द्वारा अपने खेत मे उडद की फसल लगाई थी किन्तु मेरे बड़े लड़के द्वारा जबरन फसल पर कब्जा कर लिया गया है,जिसकी सूचना मेरे द्वारा पाटन थाने को दी है। पाटन थाने से मिली जानकारी के मुताबिक श्रीराम लड़िया पिता मैल प्रसाद लड़िया उम्र 96 साल निवासी रिमझा पाटन ने अपने लड़के शंकर सिंह उम्र 54 वर्ष निवासी रिमझा के विरुद्ध जुमानी रिपोर्ट लेख कराई है कि मेरे हिस्से की 3 एकड़ जमीन ग्राम छतरपुर में है जो सिकमी दी है। दिनाक 01.06.2025 को सुबह लगभग 11.00 बजे जब सिकमीदार उक्त फसल को काटने मजदूर खेत पर भेजे तो मेरे बड़े लड़के रोहन लड़िया उम्र 56 वर्ष मजदूरों और मुझसे वाद विवाद करने लगा। उक्त घटना को मेरे मझले लड़के शंकर सिंह लड़िया और उसकी पत्नी हेमा बाई ने भी देखा और सुना है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर मामले की दर्ज एनसीआर प्रार्थी को देकर न्यायालय की शरण लेने की समझाइश दी गई है।

पुलिस ने न्यायालय की शरण लेने की दी समझाइश

नर्मदा मे डूबने से तीन युवकों की मौत

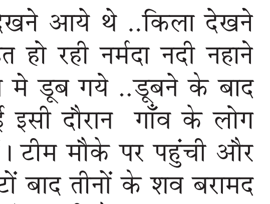

मंडला, देशबन्धु। जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित रामनगर गाँव से एक हृदय विदारक घटना सामने आई जहाँ रामनगर के नर्मदा घाट में नहाते वक्त तीन युवक नर्मदा की गहराई में डूब गये। जिससे तीन युवकों की मौत हो गई। जानकारी अनुसार नैनपुर के रामपुरी गाँव से 8 से 9 लोग जिसमें युवक युवतियां भी शामिल थे जो की रामनगर किला देखने आये थे ..किला देखने के बाद ये किले के पास से प्रवाहित हो रही नर्मदा नदी नहाने चले गये इसी दौरान तीन युवक नदी मे डूब गये ..डूबने के बाद उनके साथियो ने चीख पुकार मचाई इसी दौरान गाँव के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य किया गया और कुछ घंटों बाद तीनों के शव बरामद कर लिये गये। पूरे घटना क्रम की जांच जारी है।

भागवत में श्रीकृष्ण की लीलाओं का किया भावपूर्ण वर्णन

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा नगर में इन दिनों श्रीमद् भागवत कथा रूपी अमृतमयी गंगा प्रवाहित हो रही है। श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ के पाँचवे दिवस की कथा में बाल ब्रह्मचारी संत शिरोमणि ब्रह्मानंद दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।

उन्होंने बताया कि जब इन्द्र ने अपने अहंकारवश वर्षा का प्रकोप बरपाया और बृज में त्राहि-त्राहि मच गई, तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर समस्त बृजवासियों को शरण दी। इसके पश्चात श्रीकृष्ण ने इन्द्र का मान तोड़कर गिरिराज की पूजा कराई। उसी परंपरा में आज भी वृंदावन में बांके बिहारी जी को दिन में आठ बार भोग लगाया जाता है। इस दिव्य अवसर पर महराज श्री के सानिध्य में छप्पन भोग अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों से 56 प्रकार के व्यंजन तैयार कर भगवान को समर्पित किए। कथा के दौरान पूतना उद्धार, बकासुर वध, कालिया नाग की कथा सहित भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का हृदयस्पर्शी वर्णन हुआ।

महाराज श्री ने कहा कि मन से नमन और मन से मनन करेंगे तो जीवन की सभी समस्याओं का हनन निश्चित है। साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं से नदियों की स्वच्छता बनाए रखने का आग्रह भी किया और विशेष रूप से मां नर्मदा को गंदगी से मुक्त रखने का संदेश दिया।

कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और गिरिराज पूजन बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव से किया गया। महाराज श्री ने बताया कि आज सोमवार को श्री रुक्मिणी-कृष्ण विवाह उत्सव का भव्य आयोजन होगा।

राहुल गांधी का बिहार दौरा छह जून को

पटना, 31 मई (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आगामी 6 जून को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। इस बार उनका कार्यक्रम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मजबूत गढ़ नालंदा में है, जहां वे अत्यंत पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में भाग लेंगे। यह आयोजन राजगीर के कन्वेंशन सेंटर में होगा। राहुल गांधी पटना एयरपोर्ट पर उतरेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा सीधे नालंदा रवाना होंगे। सम्मेलन के दौरान वे अति पिछड़ा और पिछड़ा वर्ग के लोगों से संवाद करेंगे। यह वही वर्ग है, जिसे सीएम नीतीश कुमार का पारंपरिक वोट बैंक माना जाता है। दरअसल, राहुल गांधी का यह कार्यक्रम पहले 27 मई को निर्धारित था, लेकिन राजगीर में हॉल उपलब्ध नहीं होने के कारण इसे स्थगित कर 6 जून को निर्धारित किया गया है। इस वर्ष चुनावी माहौल के बीच राहुल गांधी का यह पिछले 5 महीनों में पांचवां बिहार दौरा होगा। इससे पहले वे 18 जनवरी, 4 फरवरी, 7 अप्रैल और 15 मई को भी बिहार का दौरा कर चुके हैं। लगातार दौरों से कांग्रेस राज्य में अपने संगठन को सक्रिय करने और मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। सम्मेलन में राज्य और जिला स्तर के कांग्रेस नेता शामिल होंगे, साथ ही बड़ी संख्या में ईबीसी के लोगों के शामिल होने की संभावना है।

इजरायल ने हमास को चेतावनी दी

अमेरिका के प्रस्ताव को स्वीकार करे हमास या विनाश के लिए रहे तैयार: इजरायल

यरूशलम, (एजेंसियां)। इजरायल ने हमास को चेतावनी दी है कि वह पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से प्रस्तावित गाजा युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करे या विनाश का सामना करने के लिए तैयार रहे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार श्री विटकॉफ के प्रस्ताव में गाजा में 60 दिनों के युद्ध विराम के बदले में दो चरणों में 10 इजरायली बंधकों रिहा करने और 18 शवों को सौंपने की बात कही गयी है। समझौते में 180 फिलिस्तीनियों के शवों के सौंपने के साथ 1,236 फिलिस्तीनी बंदियों और कैदियों की इजरायल द्वारा रिहाई भी शामिल है। इजरायल के रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने शुक्रवार को कहा कि इजरायली सेना ने गाजा में अपने अभियान को पूरी ताकत के साथ जारी रखा है और बड़े पैमाने पर हवाई,जमीनी तथा समुद्री हमले किए। इज़रायली सेना ने कल जारी एक बयान में कहा कि वायु सेना ने ज़मीनी बलों के साथ मिलकर गाजा पट्टी में कई ठिकानों पर हमले किये। इस दौरान आतंकवादियों का सफाया हुआ और हथियारों को नष्ट किया गया। साथ ही, आतंकवादियों के भूमिगत ढाँचे भी नष्ट हुए। इस दौरान, इज़रायली सैनिकों पर दो रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड दागे गए, जिसमें तीन सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए। इज़रायली सेना के अनुसार, अक्टूबर 2023 के हमास हमले के दौरान पकड़े गए 251 बंधकों में से 57 गाजा में ही रह गए हैं।

> इजरायली सेना ने गाजा में अपने अभियान को पूरी ताकत के साथ जारी रखा है और बड़े पैमाने पर हवाई,जमीनी तथा समुद्री हमले किए : रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज

'गाजा युद्ध विराम प्रस्ताव पर फिलिस्तीनी गुटों से परामर्श कर रहा है हमास'

गाजा। हमास ने कहा है कि वह पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से पेश किए गए गाजा युद्ध विराम प्रस्ताव के बारे में फिलिस्तीनी बलों और गुटों के साथ परामर्श कर रहा है। नाम न बताने की शर्त पर हमास के एक सूत्र ने कहा कि परामर्श का उद्देश्य प्रस्ताव के विवरण की जांच करना और अंतिम स्थिति निर्धारित करने से पहले फिलिस्तीनी हितों के साथ इसकी अनुकूलता सुनिश्चित करना है। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार गाजा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के लिए श्री विटकॉफ के प्रस्ताव को स्वीकार करती है। एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के हवाले से बताया कि प्रस्ताव में दो चरणों में 10 जिंदा बंधकों और 18 शवों को सौंपे जाने के बदले में गाजा में 60 दिनों का युद्ध विराम शामिल है। इजरायल 180 फिलिस्तीनियों के शवों के साथ 1,236 फिलिस्तीनी बंदियों और कैदियों को रिहा करेगा।

सीरिया ने इजरायल के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू की : अधिकारी

दमिश्क। सीरिया के सूचना प्राधिकरण प्रमुख हमजा अल-मुस्तफा ने कहा है कि देश में बार-बार होने वाले इजरायली हमलों से निपटने के लिए इजरायल के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू हो गई है। सीरिया के अंतरिम नेता अहमद अल-शरा की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अल-मुस्तफा ने कहा कि सीरिया और इजरायल के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता जारी है, जो 1974 के विघटन समझौते के प्रवर्तन पर केंद्रित है। उन्होंने अंतरिम सरकार के सुधार एजेंडे के बारे में भी बताया, जिसमें अद्यतन कानून और अधिक वित्तीय स्वतंत्रता के माध्यम से एक आकर्षक निवेश वातावरण को बढ़ावा देने के देश के लक्ष्य पर जोर दिया गया।

यूएस सुप्रीम कोर्ट ने किया ट्रंप सरकार का रास्ता साफ, 5 लाख लोगों पर मंडराया निर्वासन का खतरा

न्यूयॉर्क, 31 मई (एजेसियां)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप सरकार का रास्ता साफ कर दिया है। कोर्ट ने फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के उस आदेश को हटा दिया है, जिसके तहत क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के चार देशों के पांच लाख से अधिक प्रवासियों के लिए मानवीय पैरोल सुरक्षा को बरकरार रखा गया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने ट्रंप प्रशासन को एक अन्य मामले में लगभग 350,000 वेनेजुएला के प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी स्थिति को रद्द करने की भी अनुमति दी है। स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि इस कदम ने ट्रंप प्रशासन के लिए हजारों प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा को फिलहाल खत्म करने का रास्ता साफ कर दिया है और निर्वासन के दायरे में आने वाले लोगों की कुल संख्या को लगभग दस लाख तक पहुंचा दिया है।

अमेरिका-मेक्सिको बॉर्डर पर आने वाले प्रवासियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, बाइडेन प्रशासन ने 2022 के अंत और 2023 की शुरुआत में क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के लोगों के लिए पैरोल कार्यक्रम बनाया, जिसके तहत उन्हें कुछ प्रोसेस से गुजरने के बाद दो साल तक अमेरिका में काम करने की इजाजत दी गई। इस प्रोग्राम ने लगभग 5,32,000 लोगों को निर्वासन से बचाया। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के तुरंत बाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम को सभी पैरोल प्रोगाम को टर्मिनेट करने का निर्देश देते हुए एक कार्यकारी आदेश जारी किया। कार्यकारी आदेश पर कार्रवाई करते हुए नोएम ने मार्च में पैरोल प्रोग्राम को समाप्त करने की घोषणा की, जिसके तहत पैरोल के किसी भी अनुदान की वैधता 24 अप्रैल तक समाप्त हो जाएगी।

आज का इतिहास

1818- ब्रिटिश सेना ने बॉम्बे में मराठा गठबंधन सेनाओं को परास्त किया।
1881- मारकोनी ने रेडियो के पेटेंट के लिए आवेदन दिया।
1898: डॉ. पॉल-लुइस साइमंड ने पता लगाया कि बॉम्बे में फैले प्लेग का कारण चूहे, मक्खियां हैं।
1908- सर अरबिंदो को माणिकटोला बम कांड में गिरफ्तार किया गया।
1953- ब्रिटेन में महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय की ताजपोशी।
1956- तमिल और हिंदी सिनेमा के बेहतरीन फिल्मकारों में शुमार मणि रत्नम का जन्म। बहुत कम लोगों को मालूम है कि उनका पूरा नाम गोपाल रत्नम सुब्रमणियम है
1966- अमेरिका का पहला अंतरिक्ष यान चांद की ज़मीन पर सफलतापूर्वक उतरा।
1972- नेवादा में यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान को एक व्यक्ति ने हाईजैक किया। बंधकों को छोड़ने के लिए अपहरणकर्ता ने 2 लाख डॉलर की फिरौती मांगी।

सुडोकू 6931

7	9			5			2	
		2	7					4
	8							
				7	8	4		9
	6						7	
1		4	3	2				
							6	
6					7	3		
	3			4			9	2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

सार संक्षेप

जगदीप धनखड़ का आगरा दौरा आज

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को के आगरा के एक दिवसीय दौरे पर होंगे। शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार उपराष्ट्रपति के साथ उनकी आगरा में माता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस यात्रा में धनखड़ के साथ उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी रहेंगी।

खरगे ने वाल्मीकि थापर के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रसिद्ध वन्यजीव विशेषज्ञ, लेखक एवं प्रकृति प्रेमी वाल्मीक थापर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। खरगे ने कहा कि थापर के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। बाघ संरक्षण के अग्रणी अधिकारी रहे थापर भारत के सबसे सम्मानित वन्यजीव विशेषज्ञों में से एक थे। उन्हें वर्ष 2005 के बाघ टास्क फोर्स का सदस्य नियुक्त किया गया था। उनके परिवार, दोस्तों, वन्यजीव उत्साही और संरक्षण समुदाय के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

यादव ने किया देवी अहिल्याबाई को नमन

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए आज कहा कि वे सुशासन और महिला सशक्तिकरण की प्रणेता हैं। डॉ. यादव ने एक्स पोस्ट में कहा, सुशासन, महिला सशक्तिकरण एवं सनातन संस्कृति के प्रति समर्पित, ममता की प्रतिमूर्ति, लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन-वंदन करता हूं।

मुंबई में कार्गो शिप पुर्जे चोरी के आरोप में चार गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र में नवी मुंबई पुलिस ने 93 लाख रुपए से अधिक मूल्य के कार्गो शिप इंजन पुर्जे चोरी करने के आरोप में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने जानकारी दी। चोरी का मामला उस समय सामने आया जब शिकायतकर्ता वासुदेव दत्तात्रेय प्रभु ने 25 मई को उनकी कंपनी के गोदाम में सेंधमारी की सूचना दी गयी। जिसमें कार्गो शिप के टर्बो इंजन के पुर्जे चोरी हो गए थे। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए तुर्भे पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य का विश्लेषण किया और क्षेत्र में लगभग 40 सीसीटीवी की फुटेज को खंगाला। जांच के बाद 28 मई को इंदिरानगर, तुर्भे एमआईडीसी से चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

बांग्लोदश : दिसंबर में चुनाव कराने की मांग तेज, यूनुस पर राजनीतिक माहौल खराब करने का आरोप

ढाका, (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के हाल ही में जापान में दिए गए चुनाव संबंधी बयान को लेकर देश के कई प्रमुख राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूनुस ने कहा था, दिसंबर में चुनाव चाहने वाला सिर्फ एक ही दल है। इसे राजनीतिक दलों ने झूठा, भ्रामक और राजनीतिक माहौल बिगाड़ने वाला बयान करार दिया है। गणो फोरम, लेफ्ट डेमोक्रेटिक अलायंस समेत दर्जनों राजनीतिक दलों ने यूनुस के बयान को खारिज करते हुए दोहराया कि राष्ट्रीय चुनाव दिसंबर तक हर हाल में कराए जाएं। इन दलों ने एक संयुक्त बयान में आरोप लगाया कि सरकार समर्थित एक नया राजनीतिक दल और 1971 के युद्ध अपराधों में लिप्त कट्टरपंथी गुट देश को अस्थिर करने और चुनाव को विफल करने की साजिश कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 50 से अधिक पंजीकृत और गैर-पंजीकृत दलों ने दिसंबर में चुनाव कराने की मांग की है और यूनुस के बयान को 'स्पष्ट रूप से झूठा और भ्रामक' बताया है। गणो फोरम ने यूनुस के बयान को 'गलत' बताया और कहा कि इससे विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच भ्रम और विभाजन फैल रहा है। शुक्रवार को हुई प्रेसीडियम काउंसिल की बैठक में तत्काल एक स्पष्ट चुनावी रोडमैप की घोषणा की मांग की गई। पार्टी नेताओं ने कहा कि पिछले नौ महीनों में अंतरिम सरकार ने न तो कानून-व्यवस्था बहाल की, न ही प्रशासन में कोई स्थिरता ला सकी है। 12 पार्टियों के अलायंस ने अपने बयान में कहा कि यूनुस अपनी अवधि बढ़ाने के लिए 'राजनीतिक चालबाजी' कर रहे हैं और कट्टरपंथी, अलोकप्रिय और स्वतंत्रता-विरोधी समूहों से गठजोड़ कर रहे हैं। प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने चेतावनी दी है कि यदि एक महीने के भीतर चुनावी रोडमैप घोषित नहीं किया गया।

■ इसे राजनीतिक दलों ने झूठा, भ्रामक और राजनीतिक माहौल बिगाड़ने वाला बयान करार दिया : यूनुस

मूल कारणों के समाधान तक यूक्रेन में जारी रहेगा सैन्य अभियान: रूस

मॉस्को, (एजेंसियां)। वरिष्ठ रूसी अधिकारियों ने कहा है कि यूक्रेन में सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा जब तब संघर्ष के मूल कारणों का समाधान नहीं हो जाता और शांति समझौतों की औपचारिक पुष्टि नहीं हो जाती। रूसी स्टेट ड्यूमा की रक्षा समिति के अध्यक्ष एंड्री कार्टापोलोव ने बिना शर्त युद्ध विराम की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि हमारा देश तब तक अपना हमला जारी रखेगा जब तक कि चीजें 'लिखित रूप में नहीं रखी जातीं। रूस के सरकारी मीडिया ताश (टीएएसएस) के अनुसार, देश की संघीय टीवी एजेंसी चैनल वन पर श्री कार्टापोलोव ने कहा कि हम केवल युद्ध विराम के लिए सहमत नहीं होंगे। जब सब कुछ लिखित रूप में रखा जाता है, कानून में पारित किया जाता है।

मिस्री ने अमेरिका के साथ सैन्य साझीदारी पर चर्चा की

वाशिंगटन, (एजेंसियां)। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अमेरिका के विदेश, रक्षा, राजकोषीय और वाणिज्य विभागों और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के शीर्ष अधिकारियों के साथ मिल कर सैन्य साझीदारी के अवसरों का विश्लेषण किया तथा वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के बारे में चर्चा की। विदेश सचिव श्री मिस्री ने अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के लिए 27-29, मई तक वाशिंगटन की यात्रा की। यह यात्रा 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका की यात्रा के बाद हुई थी जिसके दौरान दोनों पक्षों ने 21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका समझौता (सैन्य साझीदारी के अवसरों का विश्लेषण, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी) का शुभारंभ किया था। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पवन कपूर भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव मिस्री ने विदेश विभाग, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, रक्षा विभाग, राजकोषीय विभाग और वाणिज्य विभाग के समकक्षों के साथ व्यापक चर्चा की। उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ दोपहर के भोजन की बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय एजेंडे के सभी आयामों की समीक्षा की।

सीमा पार आतंकवाद की चुनौतियों पर डेनमार्क में चर्चा : गुलाम अली खटाना

कोपेनहेगन, (एजेंसियां)। भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने शनिवार को कहा कि डेनमार्क में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने डेनिश नेताओं के साथ सार्थक बातचीत की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख को पेश किया और वैश्विक आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए एकजुटता पर जोर दिया। जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता गुलाम अली खटाना भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं।

इन नेताओं ने फ्रांस और इटली में भारत का रुख स्पष्ट किया और अब डेनमार्क में हैं, जहां वे आतंकवाद और इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भारत के अटल रुख को पेश कर रहे हैं। गुलाम अली खटाना ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, डेनमार्क की यात्रा के दौरान रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सांसदों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। हमने डेनिश संसद के उपाध्यक्ष लार्स-क्रिश्चियन ब्रास्क से मुलाकात की और उन्हें पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया के बारे में जानकारी दी। आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख और आतंकवाद से निपटने के लिए एक एकीकृत वैश्विक लड़ाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया।

■ प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व अधिकारियों, मंत्रियों, संसद सदस्यों और राजनयिकों के एक समूह से भी मुलाकात की

वर्ग पहेली 6931

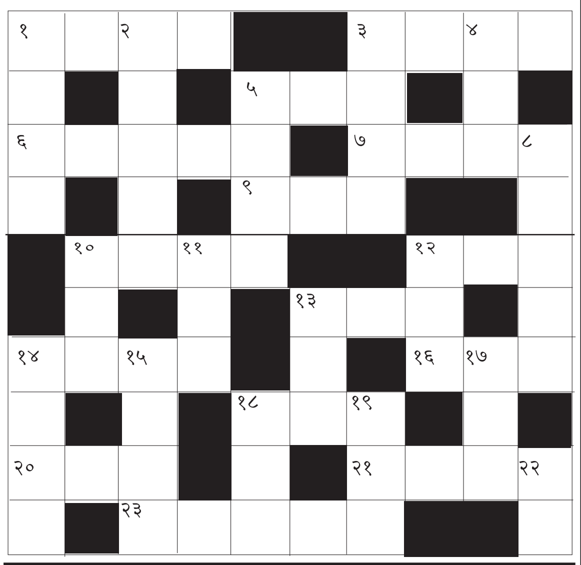

बायें से दायें:-
१. विभिन्न राष्ट्रों का एक समूह
३. तलवार के कब्जे में होने वाला सोने आदि का काम (उर्दू)
५. एक विषैला पौधा या उसका फल
६. जल्दबाजी करना
७. निर्बल
९. दफ़न करना
१०. आकारहीन
१२. पीड़ित, बीमार, अशक्त, उत्सुक, अधीर
१३. जानने की इच्छा
१४. परिवर्तित करना
१६. स्वाद लेना
१८. स्वदेश, मातृभूमि (उर्दू)
२२. जिसका दमन करना कठिन हो
२१. कपटी, मक्कार
२३. कपोलकल्पित

ऊपर से नीचे:-
१. राजा की जिद
२. पुस्तकालय (उर्दू)
३. काट पीट कर सुडौल बनाना
४. ममता रहित, निष्ठुर
५. कोषालय
८. नगरवासी
१०. संख्या, अंक (उर्दू)
११. टुकड़े करना, व्यतीत करना
१२. लक्षण (उर्दू)
१३. अपमानित, बेइज्जती, दुर्गति (उर्दू)
१४. वीर (उर्दू)
१५. सबसे छोटा
१७. सारा, समस्त
१८. माह, साल का एक भाग
१९. झुका हुआ
२२. मेरूदंड

वर्ग पहेली-6930

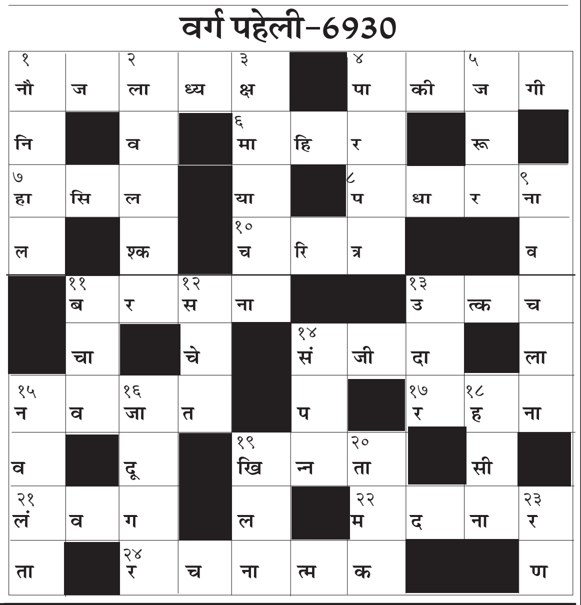

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

घोषणा — सूडान में हैजा के मामलों में बढ़ोतरी

एक हफ्ते में 2,729 नए संक्रमण के मामले

खार्तूम, 31 मई (एजेंसियां)। सूडान में, खासतौर से राजधानी खार्तूम में हैजा के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस बीच, सूडानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की है कि उसे हैजा के टीके की 29 लाख से अधिक डोज़ प्राप्त हुई हैं। हैजा एक गंभीर बीमारी है, जो गंदे पानी या बासी खाने से फैलती है। इससे डायरिया और पानी की कमी हो सकती है। इलाज न होने पर यह जानलेवा भी हो सकता है। एक बयान में सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हैजा महामारी से निपटने के लिए कुल 29,05,400 वैक्सीन प्राप्त की गई हैं।

यह वैक्सीन विशेष रूप से खार्तूम में फैल रहे हैजा संक्रमण को रोकने के लिए लाई गई है। सरकार ने बताया कि यह वैक्सीन अंतर्राष्ट्रीय समन्वय समूह (आईसीजी) नाम की संस्था ने दान की हैं। इस काम में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने भी मदद की है। बयान में कहा गया कि इन वैक्सीन को खार्तूम राज्य में भेजा जाएगा, जहां जल्द ही एक बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। एक साल या उससे ज्यादा उम्र के सभी लोगों को टीका लगाया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, स्वास्थ्य एजेंसियों और आईसीजी की साझेदारी के जरिए अक्टूबर 2023 से अब तक, सूडान को 1.69 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज मिल चुकी हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, सूडान के स्वास्थ्य मंत्री हैथम मोहम्मद इब्राहिम ने बताया कि खार्तूम में हैजा से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ी है। मई महीने में ही खार्तूम में कम से कम 2,500 लोग हैजा से पीड़ित हुए हैं।मंगलवार को मंत्रालय ने बताया कि एक हफ्ते में 2,729 नए संक्रमण के मामले सामने आए और 172 लोग इस बीमारी की वजह से अपनी जान गंवा बैठे। गैर-सरकारी चिकित्सा सहायता समूह डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के अनुसार, खार्तूम राज्य में बिजली और पानी की सेवाएं बार-बार बंद हो रही हैं। जब बिजली और साफ पानी नहीं मिलता है तो लोग गंदे पानी का इस्तेमाल करने को मजबूर हो जाते हैं, जिससे हैजा जैसी महामारी फैलती है।

■ हैजा एक गंभीर बीमारी है, जो गंदे पानी या बासी खाने से फैलती है

खेल जगत

एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में चीन पहले स्थान पर

बीजिंग। वर्ष 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 31 मई को दक्षिण कोरिया के गुमी में समाप्त हुई। चीनी टीम 19 स्वर्ण पदक, 9 रजत पदक और 4 कांस्य पदक के साथ पहले स्थान पर रही। प्रतिस्पर्धा के अंतिम दिन चीनी टीम ने 4 स्वर्ण पदक जीते। महिलाओं की 200 मीटर की प्रतिस्पर्धा में 16 वर्षीय खिलाड़ी छन यूच्ये ने 22.97 सेकंड से स्वर्ण पदक जीता। यह उनकी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि भी है। चीनी खिलाड़ी ली यूथिंग ने कांस्य पदक जीता। वहीं, महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में चीनी खिलाड़ी मो च्यात्ये अंतिम क्षण में आगे निकल गईं और 0.01 सेकंड के लाभ के साथ चैंपियनशिप जीती। उन्होंने हांगचो एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। उधर, महिलाओं की 800 मीटर की प्रतिस्पर्धा में चीनी खिलाड़ी वू होंगच्याओ ने 2 मिनट 00.08 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

मेरे लिए रजत पाटीदार सबसे बड़े 'आई ओपनर' हैं : कार्तिक

■ आरसीबी ने पंजाब के खिलाफ आठ विकेट की शानदार जीत के साथ नौ साल बाद आईपीएल फाइनल में प्रवेश किया है

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मेंटर दिनेश कार्तिक ने टीम के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर तारीफ की है। कार्तिक के अनुसार, पाटीदार ने कप्तान बनने के बाद भी अपना व्यवहार बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि 32 वर्षीय पाटीदार बिल्कुल वैसे ही हैं, जैसे कप्तान बनने से पहले थे। आईपीएल 2025 से पहले आरसीबी ने पाटीदार को कप्तान बनाकर सभी को चौंकाया। वह पहली बार आईपीएल टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पहले पाटीदार अपनी कप्तानी में मध्य प्रदेश को 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा चुके हैं। कार्तिक ने आरसीबी की 'जर्नी टू द फिनाले' के दूसरे एपिसोड में कहा कि रजत पाटीदार मेरे लिए जीवन के सबसे बड़े 'आई ओपनर' रहे हैं, क्योंकि जब लोगों को अचानक थोड़ी तारीफ, पावर मिलती है, तो वे बदल जाते हैं। यह सामान्य है। उनका व्यवहार, जिस तरह से वे बातचीत करते हैं।

कहीं न कहीं, कुछ न कुछ तो दिखेगा ही। लेकिन, रजत पाटीदार के साथ, वह क्या आदमी हैं। एक ऐसे व्यक्ति के लिए जो आरसीबी का कप्तान है और आज वह फैसले लेता है। वह बिल्कुल वैसा ही रजत है, जैसा वह कप्तान बनने से पहले था। आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आठ विकेट की शानदार जीत के साथ नौ साल बाद आईपीएल फाइनल में प्रवेश किया है। टीम की बॉलिंग यूनिट ने एक साथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया और पंजाब को 14.1 ओवर में सिर्फ 101 रन पर ढेर कर दिया। बल्ले से काइल जैमीसन की चुनौती के बावजूद, आरसीबी ने फिल साल्ट की शानदार पारी की बदौलत सिर्फ 10 ओवर में लक्ष्य हासिल किया और फाइनल में जगह पक्की कर ली। आरसीबी के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबाट ने पाटीदार के संयमित दृष्टिकोण और सहयोगी नेतृत्व शैली पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रजत ने जो सबसे प्रभावशाली चीजें दिखाई हैं, उनमें से एक यह है कि वह एक व्यक्तित्व और चरित्र के रूप में ऐसा करते हैं, जो कोई भी उन्हें जानता है, उसे पता है कि वह अविश्वसनीय रूप से शांत हैं। उन्हें अपने आस-पास मौजूद खिलाड़ी का इस्तेमाल करते हुए देखना अच्छा रहा, चाहे वह उप-कप्तान के रूप में जितेश हों या सीनियर खिलाड़ी के रूप में विराट, दूसरे सीनियर खिलाड़ी के रूप में क्रुणाल या यहां तक कि जोश हेजलवुड जैसे कोई खिलाड़ी। बोबाट ने कहा कि हमने इस सीजन में शानदार निरंतरता बनाए रखी है।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में प्लान पर ध्यान केंद्रित करना अहम : केशव महाराज

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अपनी योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अहम होगा। केशव महाराज ने कहा कि हम जानते हैं कि यह एक महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है। लॉर्ड्स में हमारा रिकॉर्ड शानदार है।

हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने पर ध्यान केंद्रित करें। मुझे इस टीम की कभी हार न मानने वाली प्रवृत्ति सबसे अलग नजर आती है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी टीम में तीन ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनके पास पचास या उससे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है। लेकिन, हम किसी चुनौती से पीछे नहीं हटते हैं। प्रतिद्वंद्वी कोई भी हो, कोई भी जगह हो, हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए सबसे अहम यही है। रविवार को क्रिकेट साउथ अफ्रीका की तरफ से आए बयान में केशव महाराज ने कहा कि कोच शुकरी कॉनराड और कप्तान बवुमा इस टीम को एकजुट रखते हैं और हमें लगातार प्रोत्साहित करते हुए इस मुकाम तक लाए हैं। इसके लिए उन्हें श्रेय मिलना चाहिए। महाराज ने कहा क मेरे लिए व्यक्तिगत प्रशंसा मायने नहीं रखती है। मैं हमेशा टीम की जीत में अहम भूमिका निभाना चाहता हूं, जहां संभव होता है, अपनी सलाह देना पसंद करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं अपने स्किल पर भरोसा करते हुए अपने खेल में सुधार करना चाहता हूं और देश के लिए योगदान देना चाहता हूं। उम्मीद है करियर की समाप्ति तक 200 और विकेट ले सकूंगा। उन्होंने कहा कि ब्रेक के बाद, मैं लड़कों के साथ फिर से जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। लड़के हर जगह, अलग-अलग प्रतियोगिताओं में खेल रहे थे, लेकिन अब हमारे पास वास्तव में करीब आने और ध्यान केंद्रित करने के लिए कुछ समय है। मैं अपनी गेंदबाजी और कंडीशनिंग पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं, और मुझे लगता है कि हमें मानसिक ब्रेक की जरूरत थी। दो महीने की छुट्टी के बाद वे तरोताजा महसूस कर रहे हैं और उम्मीद है कि टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मनीष नरवाल और सृष्टि अरोड़ा की टीम ने मिश्रित एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण पदक

चांगवोन (दक्षिण कोरिया), 1 जून (एजेसियां)।डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड कप के दूसरे दिन रविवार को मनीष नरवाल और सृष्टि अरोड़ा की मिश्रित एयर पिस्टल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। आज यहां प्रतियोगिता के दूसरे दिन मनीष नरवाल और सृष्टि अरोड़ा की मिक्स्ड एयर पिस्टल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रुद्रांश खंडेलवाल और सुमेधा पाठक की टीम ने कांस्य पदक जीता।वहीं अवनी लेखरा और इशांक आहूजा की आर 10 मिश्रित टीम ने 10 मीटर राइफल एसएच 1 स्पर्धा में कांस्य पदक जाता। दिन के आखिर तक कुल तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना), 1 जून (एजेसियां)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे को शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत की उप-कप्तान हिना (10') और लालरिनपुई (24') ने शुरुआती पलों में ही मैच भारत की पकड़ में ला दिया, जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। भारत ने मजबूत शुरुआत की। हिना ने 10वें मिनट में गोल किया, इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफटाइम तक भारत के पास 2-0 की बढ़त थी। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद मिलाग्रोस सीगल ने गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक गोल करने का मौका मिला। इससे पहले, भारत की इस जूनियर टीम को अपने चौथे मैच में 2-2 से ड्रॉ के बाद चिली के खिलाफ शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

फोर नेशंस टूर्नामेंट

रीतिका हुड्डा ने महिलाओं की 76 किग्रा फ्रीस्टाइल श्रेणी में जीता स्वर्ण पदक

■ दीपक पुनिया ने लगातार तीन जीत के साथ धमाकेदार शुरुआत की

■ 74 किग्रा में प्रतिस्पर्धा कर रहे जयदीप सेमीफाइनल में ईरान के योनेस इमामी से हार गए

उलानबटार, 1 जून (एजेसियां)। उलानबटार ओपन 2025 रेसलिंग रैंकिंग सीरीज में भारत की रीतिका हुड्डा ने महिलाओं की 76 किग्रा फ्रीस्टाइल श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। पेरिस 2024 ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली 22 वर्षीय भारतीय पहलवान रीतिका हुड्डा ने नॉर्डिक सिस्टम में 3-0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की, जिसका समापन अंतिम पूल मैच में घरेलू पसंदीदा और एनख-अमरिन दावानासन के खिलाफ 5-2 से जीत के साथ हुआ। इस दिन भारत ने अपने खाते में चार और पदक जोड़े। दीपक पुनिया ने (पुरुषों की 92 किग्रा), शिक्षा ने (महिलाओं की 65 किग्रा) और पुष्पा ने (महिलाओं की 55 किग्रा) में एक-एक रजत और जयदीप ने (पुरुषों की 74 किग्रा) में कांस्य पदक जीता। दीपक पुनिया ने लगातार तीन जीत के साथ धमाकेदार शुरुआत की, जिसमें मंगोलिया के डेमचिगदोर तुमुरबाटर पर 10-0 की तकनीकी श्रेष्ठता और बैट-एर्डीन ब्याम्बासुरेन पर 4-1 के कड़े मुकाबले में जीत शामिल है। हालांकि, चोट के कारण उन्हें अस्काब सादुलाएव के खिलाफ अपने अंतिम मैच से हटाने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 74 किग्रा में प्रतिस्पर्धा कर रहे जयदीप सेमीफाइनल में ईरान के योनेस इमामी से 5-3 से हार गए। कांस्य पदक के मुकाबले में मंगोलिया के तुग्सजार्गल एर्डेनेबैट को हराया। इस बीच, शिक्षा और पुष्पा दोनों ने अपने-अपने भार वर्ग में रजत पदक जीता। पुष्पा ने शुरुआती हार से उबरते हुए मंगोलिया की दुलगुन बोलोरमा को मात दी और ओटगोंटुया बयानमुंख को हराया। लेकिन आखिर में स्वर्ण पदक से चूक गईं।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और कोच प्रतिमा बरवा का निधन

रांची, 1 जून (एजेसियां)। प्रसिद्ध महिला हॉकी कोच झारखंड की खूंटी निवासी प्रतिमा बरवा का रविवार को निधन हो गया। वह बीते कुछ दिनों से लकवे (पैरालिसिस) से पीड़ित थीं और रांची के पारस हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती थीं। प्रतिमा बरवा भारतीय महिला हॉकी टीम की मौजूदा कप्तान सलीमा टेटे सहित कई ओलंपियन एवं अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों की कोच रही हैं। उनके निधन पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता अर्जुन मुंडा सहित कई प्रमुख शख्सियतों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रतिमा बरवा मूल रूप से खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड स्थित कोचा गांव की रहने वाली थीं। वह फिलहाल खेल विभाग की ओर से संचालित खूंटी हॉकी प्रशिक्षण केंद्र में कोच के रूप में कार्यरत थीं। इससे पहले वह सिमडेगा के आवासीय बालिका हॉकी सेंटर में 15 वर्षों तक कोचिंग दे चुकी थीं। उनके निर्देशन एवं कोचिंग में भारतीय हॉकी टीम की खिलाड़ी गीता कुमारी एवं ब्यूटी डुंगडुंग, जूनियर इंडिया टीम की रोपनी कुमारी, दीपिका सोरेंग, महिमा टेटे के अलावा भारत के लिए खेल चुकीं दीपिका सोरेन, रजनी केरकेट्टा, और सुषमा जैसी नामचीन हॉकी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड और भारत का नाम रोशन किया।

■ वह बीते कुछ दिनों से से पीड़ित थीं और रांची के पारस हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती थीं

सार संक्षेप

पीएसजी ने जीता चैम्पियंस लीग का खिताब

म्यूनिख। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में मुकाबले में इंटर मिलान को 5-0 से रौंद कर पहली बार यूरोपीय चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया। एलियांज एरिना में खेले गये मुकाबले में लुइस एनरिक की युवा टीम ने मैच में शुरुआत से ही इंटर मिलान पर दबदबा बनाए रखा। पीएसजी के लिए पहला गोल 12वें मिनट में अशरफ हकीमी ने किया। इसके बाद डेजायर डोऊ ने 20वें और 63वें मिनट में गोल दागे। मैच का चौथा गोल ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने 73वें मिनट में किया। अन्य खिलाड़ी के स्थान पर खेलने मैदान में उतरे सेनी मायुलु ने 86वें मिनट में गोल दागकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही पीएसजी यूरोपीय कप जीतने वाला 24वां क्लब बन गया।

स्वितोलिना फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। यूक्रेन की टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने रविवार को चौथी वरीयता प्राप्त और पिछले साल की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी को हराकर फ्रेंच ओपन के महिला एकल के चौथे दौर में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में यूक्रेन की 30 वर्षीय खिलाड़ी स्वितोलिना ने जैस्मीन पोओलिनी को 6-4 6-7 (6) 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा कि मुझे कभी विश्वास नहीं था कि यह मैच मेरे पक्ष में जाएगा। यह वास्तव में एक कठिन मैच था, जैस्मीन वास्तव में बहुत अच्छा खेल रही थी। मुझे आखिरी पॉइंट तक लड़ना पड़ा और मैं अगले दौर में पहुंचकर बहुत खुश हूं।

आरसीए जिला टीमों की ओपन चयन ट्रायल करेगा आयोजित

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) सात जून से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में शिरकत करने वाली पाली, जोधपुर और बीकानेर जिला क्रिकेट संघ टीमों के चयन के लिये ओपन चयन ट्रायल का आयोजन करेगा। आरसीए तदर्थ समिति के सदस्य विमल शर्मा ने रविवार को बताया कि जिला क्रिकेट संघ की टीमों के लिए ओपन चयन ट्रॉयल आरसीए पर्यवेक्षक की उपस्थिति में जिला केन्दों पर आयोजित की जायेगी और टीम का चयन आरसीए द्वारा अधिकृत चयनकर्ता करेंगे। श्री शर्मा ने बताया कि चयन ट्रायल में भाग लेने के लिये खिलाड़ियों को वांछित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पाली जिला क्रिकेट टीम ओपन चयन ट्रायल बांगर स्टेडियम में तीन जून को सुबह सात बजे से होगा। इसमें चयन कर्ता जाकिर हुसैन और शैलेंद्र गहलोत जबकि सुशील जैन पर्यवेक्षक होंगे।इसी प्रकार जोधपुर जिला क्रिकेट टीम का ओपन चयन ट्रायल बरकतुल्लाह खान स्टेडियम, जोधपुर में चार जून को सुबह सात बजे से शुरु होगी।

पीकेएल 12 प्लेयर ऑक्शन में दो करोड़ से ज्यादा कीमत में बिके शादलू

■ प्रो कबड्डी इतिहास की चौथी सबसे बड़ी बोली है

मुंबई, 1 जून (एजेंसियां)। मोहम्मदरेज़ा शादलू चियानेह ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के इतिहास में एक और कीर्तिमान रच दिया है। वह लगातार तीसरे सीज़न में दो करोड़ रुपये से अधिक की बोली पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। सीज़न 11 के मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर को पीकेएल 12 प्लेयर ऑक्शन की पहली ही बोली में गुजरात जायंट्स ने 2.23 करोड़ रुपए की भारी-भरकम कीमत पर खरीदकर सबको चौंका दिया। यह प्रो कबड्डी इतिहास की चौथी सबसे बड़ी बोली है। शादलू के साथ-साथ, सीज़न 11 के सर्वश्रेष्ठ रेडर रहे देवांक दलाल ने भी दो करोड़ रुपए की सीमा पार की। पटना पाइरेट्स को पिछले सीज़न फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले देवांक को बंगाल वॉरियर्ज़ ने 2.205 करोड़ में खरीदा, जिससे वह पीकेएल इतिहास के पांचवे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम पर लगा धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

■ वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने अपराध के लिए सजा स्वीकार कर ली।

आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने प्रत्येक खिलाड़ी पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है : आईसीसी

दुबई, 1 जून (एजेंसियां)। आईसीसी ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में स्लो ओवर रेट के लिए वेस्टइंडीज पर जुर्माना लगाया है। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और मार्टिन सैगर्स, थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड ने ये आरोप तय किए थे। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने अपराध के लिए सजा स्वीकार कर ली। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने प्रत्येक खिलाड़ी पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है। होप की टीम पारी के अंत में जरूरी टारगेट से एक ओवर पीछे रह गई थी, जिसमें समय की छूट को ध्यान में रखा गया था। यह जुर्माना आईसीसी खिलाड़ी और खिलाड़ी सहायक कर्मचारी आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के अनुरूप है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से जुड़ा है। आईसीसी नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों पर उनकी टीम द्वारा तय समय के अंदर गेंदबाजी न कर पाने वाले प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड ने तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के शुरुआती मैच में बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक और जैकब बेथेल के शानदार अर्द्धशतकों की बदौलत 400/8 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम 162 रन ही बना सकी।

रोलां गैरो में 99वीं जीत के साथ चौथे दौर में पहुंचे जोकोविच

पेरिस, 1 जून (एजेसियां)। तीन बार के रोलां गैरो चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस क्ले पर अपने करियर की 99वीं जीत दर्ज की है। जोकोविच ने ऑस्ट्रियाई क्वालीफायर फिलिप मिसोलिक को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। रोलां गैरो से ठीक पहले जिनेवा में अपने 100वें टूर लेवल सिंगल्स खिताब के बाद जोकोविच अब पहली बार एक ही टूर्नामेंट में 100 मैच जीतने की उपलब्धि हासिल करने से महज एक कदम दूर हैं। अगर जोकोविच सोमवार को पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी कैमरन नोरी को हरा दें, तो उनके नाम ये उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं। जोकोविच ने जीत का शतक पूरा करने की संभावना पर बात करते हुए कहा कि 99 अच्छा है, लेकिन 100 बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि मैं और जीतूंगा। मैं अपने करियर, अपने जीवन के ऐसे दौर में हूं, जब मैं बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं, क्योंकि हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता हूं, तो इतिहास की किताबों के लिए खेल रहा होता हूं। यह अविश्वसनीय है। रोलां गैरो में जोकोविच से ज्यादा जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल हैं, जिनका रिकॉर्ड 112-4 है। जोकोविच को 23 वर्षीय मिसोलिक के खिलाफ सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। इस परिणाम ने जोकोविच को व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का मौका दिया। जोकोविच ने कहा कि यह मेरे लिए इस साल का पहला नाइट सेशन था। नाइट सेशन अलग होते हैं। खेलने के लिए पूरे दिन इंतजार करना आसान नहीं है, क्योंकि आप बहुत तनाव में होते हैं। आपको मैच के लिए तैयारी करनी होती है। पिछले साल मैंने कुछ नाइट सेशन खेले थे। लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ एक बेहतरीन सेशन, जो सुबह 3 बजे खत्म हुआ था। आज रात मैं बस यही उम्मीद कर रहा था कि यह 3 बजे के बाद खत्म न हो!

99 अच्छा है, लेकिन 100 बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि मैं और जीतूंगा। मैं अपने करियर, अपने जीवन के ऐसे दौर में हूं, जब मैं बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं : नोवाक जोकोविच

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 25वें संस्करण की तिरंगा रैली में सशस्त्र बलों को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 25वें संस्करण में रविवार को हुई तिरंगा रैली में सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि दी गई। आज सुबह देश भर में पांच हजार से अधिक स्थानों पर आयोजित हुए कार्यक्रम में 75 हजार से अधिक साइकिल चालकों ने ऑपरेशन सिंदूर में शामिल सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में सचिव (खेल) हरि रंजन राव, खेल जगत की हस्तियां, ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त, क्रिकेटर सबा करीम, पहलवान सरिता मोर, बॉलीवुड अभिनेत्री शारवरी और भारतीय साइकिलिंग टीम के साथ 1500 से अधिक साइकिल चालकों की तिरंगा रैली की अगुवाई की। खेलो इंडिया सेंटर (केआईसी), खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और साई ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के तहत जम्मू और कश्मीर के कई क्षेत्रों जम्मू, पुंछ, किश्तवाड़, कुलगाम, बांदीपोरा, शोपियां, बारामुल्ला, बडगाम, सांबा में साइकिल चालक तिरंगा रैली में शामिल हुए। इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर में शामिल सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर डा. मांडविया कहा कि यह तिरंगा रैली हमारे जवानों और उनके बलिदान को सलाम है। फिटनेस और देशभक्ति एक साथ चलते हैं। इस ऐतिहासिक संस्करण में दो प्रमुख पहलों का शुभारंभ हुआ – फिट इंडिया न्यूजलैटर और फिट इंडिया मोबाइल ऐप पर कार्बन क्रेडिट फीचर, जहाँ साइकिल चालक अब नियमित रूप से साइकिल चलाकर बचाए गए कार्बन क्रेडिट को ट्रैक कर सकते हैं।

यह तिरंगा रैली हमारे जवानों और उनके बलिदान को सलाम है : डा. मांडविया

कृषि जगत

आम की वैज्ञानिक खेती

आम की खेती लगभग पूरे देश में की जाती है। यह मनुष्य का बहुत ही प्रिय फल माना जाता है इसमें खटास लिए हुए मिठास पाई जाती है। जो की अलग-अलग प्रजातियों के मुताबिक फल में कम ज्यादा मिठास पायी जाती है। कच्चे आम से चटनी, आचार एवं अनेक प्रकार के पेय के रूप में प्रयोग किया जाता है। इससे जैली, जैम, सीरप आदि बनाये जाते हैं। यह विटामिन ए एवं विटामिन बी का अच्छा स्त्रोत है।

भूमि एवं जलवायु –आम की खेती उष्ण एव समशीतोष्ण दोनों प्रकार की जलवायु में की जाती है। आम की खेती समुद्र तल से 600 मीटर की ऊँचाई तक सफलता पूर्वक होती है इसके लिए 23.5 से 32.6 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान अति उत्तम होता है। आम की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है। परन्तु अधिक बलुई, पथरीली, क्षारीय तथा जल भराव वाली भूमि में इसे उगाना लाभकारी नहीं है, तथा अच्छे जल निकास वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है।

उन्नतशील प्रजातियां– हमारे देश में उगाई जाने वाली प्रजातियों में, दशहरी, लंगड़ा, चौसा, फजरी, बाम्बे ग्रीन,

अलफांसो, तोतापरी, हिमसागर, किशनभोग, नीलम, सुवर्णरेखा,वनराज आदि प्रमुख उन्नतशील प्रजातियाँ हैं। आम की नयी किस्मों में मल्लिका, आम्रपाली, दशहरी-5, दशहरी-51, अम्बिका, गौरव, राजीव, सौरव, रामकेला, तथा रत्ना प्रमुख प्रजातियां हैं।

गड्ढों की तैयारी और वृक्षों का रोपण– आम के पेड़ों को लगाने के लिए सारे देश में वर्षाकाल उपयुक्त समय माना गया है। जिन क्षेत्रों में वर्षा आधिक होती है वहां वर्षा के अंत में आम का बाग लगायें। लगभग 50 सेन्टीमीटर व्यास एक मीटर गहरे गड्ढ़े मई माह में खोद कर उनमें लगभग 30 से 40 किलो ग्राम प्रति गड्ढा सड़ी गोबर की खाद मिट्टी में मिलाकर और 100 ग्राम क्लोरोपाइरीफास पाउडर भुरककर गड्ढे को भर दें। पौधों की किस्म के अनुसार 10 से 12 मीटर पौध से पौध की दूरी हो, परन्तु आम्रपाली किस्म के लिए यह दूरी 2.5 मीटर ही हो।

प्रवर्धन या प्रोपोगेशन– आम के बीजू पौधे तैयार करने के लिए आम की गुठलियों को जून-जुलाई में बुवाई कर दी जाती है आम की प्रवर्धन की विधियों में भेट कलम, विनियर, साफ्टवुड ग्राफ्टिंग, प्रांकुर कलम, तथा बडिंग प्रमुख हैं, विनियर एवं साफ्टवुड ग्राफ्टिंग द्वारा अच्छे किस्म के पौधे कम समय में तैयार कर लिए जाते हैं।

खाद एवं उर्वरक का प्रयोग– पौधों की दस साल की उम्र तक प्रतिवर्ष उम्र के गुणांक में नाइट्रोजन, पोटाश तथा फास्फोरस प्रत्येक को 100 ग्राम प्रति पेड़ जुलाई में पेड़ के चारों तरफ बनायी गयी नाली में दें। इसके अतिरिक्त मृदा की भौतिक एवं रासायनिक दशा में सुधार हेतु 25 से 30 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद प्रति पौधा देना उचित पाया गया है। जैविक खाद हेतु जुलाई-अगस्त में 250 ग्राम एजोस्पाइरिलम को 40 किलोग्राम गोबर की खाद के साथ मिलाकर थाले में डालने से उत्पादन में वृद्धि पाई गयी है।

सिंचाई– आम की फसल के लिए बाग़ लगाने के प्रथम वर्ष सिंचाई 2-3 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार करें 2 से 5 वर्ष पर 4-5 दिन के अंतराल पर आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। तथा जब पेड़ों में फल लगने लगे तो दो तीन सिंचाई करनी अति आवश्यक है। आम के बागों में पहली सिंचाई फल लगने के पश्चात दूसरी सिंचाई फलों का काँच की गोली के बराबर अवस्था में तथा तीसरी सिंचाई फलों की पूरी बढ़वार होने पर करें। सिंचाई नालियों द्वारा थालों में ही करें जिससे की पानी की बचत हो सके।

निंदाई - गुड़ाई– आम के बाग को साफ रखने के लिए निराई गुड़ाई तथा बागों में वर्ष में दो बार जुताई कर दें इससे खरपतवार तथा भूमिगत कीट नष्ट हो जाते हैं इसके साथ ही साथ समय-समय पर घास निकालते रहें।

रोग एवं नियंत्रण– आम के रोगों का प्रबंधन कई प्रकार से करते हैं। जैसे की पहला आम के बाग में पावडरी मिल्डयू नामक एक बीमारी लगती है इसी प्रकार से खर्रा या दहिया रोग भी लगता है इससे बचाने के लिए घुलनशील गंधक 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में या ट्राईमार्फ 1 मिली प्रति लीटर पानी या डाईनोकैप 1 मिली प्रति लीटर पानी घोलकर प्रथम छिड़काव बौर आने के तुरन्त बाद दूसरा छिड़काव 10 से 15 दिन बाद तथा तीसरा छिड़काव उसके 10 से 15 दिन बाद करें आम की फसल को एन्थ्रेक्नोज फोमा ब्लाइट डाईबैक तथा रेडरस्ट से बचाव के लिए कॉपर आक्सीक्लोराईड 3 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अन्तराल पर वर्षा ऋतु प्रारंभ होने पर दो छिड़काव तथा अक्टूबर-नवम्वर में 2-3 छिड़काव करें। जिससे की हमारे आम के बौर आने में कोई परेशानी न हो। इसी प्रकार से आम में गुम्मा विकार या मालफॉर्मेशन बीमारी भी लगती है इसके उपचार के लिए कम प्रकोप वाले आम के बागों में जनवरी फरवरी माह में बौर को तोड़ दें एवं अधिक प्रकोप होने पर एनएए 200 पीपीएम रसायन की 900 मिली प्रति 200 लीटर पानी घोलकर छिड़काव करें। इसके साथ ही साथ आम के बागों में कोयलिया रोग भी लगता है। इसके नियंत्रण के लिए बोरेक्स या कास्टिक सोडा 10 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर प्रथम छिड़काव फल लगने पर तथा दूसरा छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें जिससे कोयलिया रोग से फल खराब न हो सके।

कीट एवं नियंत्रण– आम में भुनगा फुदका कीट, गुझिया कीट, आम के छाल खाने वाली सुंडी तथा तना भेदक कीट, आम में डासी मक्खी ये कीट है। आम की फसल की फुदका कीट से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर प्रथम छिड़काव फूल खिलने से पहले करते हैं। दूसरा छिड़काव जब फल मटर के दाने के बराबर हो जायें, तब कार्बोरिल 4 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलकर छिड़काव करें।

इसी प्रकार से आम की फसल की गुझिया कीट से बचाव के लिए दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में आम के तने के चारों ओर गहरी जुताई करें, तथा क्लोरोपाईरीफ़ास चूर्ण 200 ग्राम प्रति पेड़ तने के चारों ओर भुरक दें, यदि कीट पेड़ पर चढ़ गए हों तो इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर जनवरी माह में 2 छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें। आम की डासी मक्खी के नियंत्रण के लिए मिथाईलयूजीनाल ट्रैप का प्रयोग प्लाई लकड़ी के टुकड़े की अल्कोहल मिथाईल एवं मैलाथियान के छ्ह अनुपात चार अनुपात एक के अनुपात में घोल में 48 घंटे डुबोने के पश्चात पेड़ पर ट्रैप मई के प्रथम सप्ताह में लटका दें तथा ट्रैप को दो माह बाद बदल दें।

तुड़ाई– आम की परिपक्व फली की तुड़ाई 8 से 10 मिमी लम्बी डंठल के साथ करें, जिससे फली पर स्टेम राट बीमारी लगने का खतरा नहीं रहता है।

औसतन उपज– रोगों एवं कीटों के पूरे प्रबंधन पर प्रति पेड़ लगभग 150 से 200 किलोग्राम तक उपज प्राप्त हो सकती है। लेकिन प्रजातियों के आधार पर यह पैदावार अलग-अलग पाई गयी है।

कृषि वैज्ञानिकों के सुझाव से करें परवल की खेती, होगी अधिक पैदावार

परवल का उपयोग सब्जी के रूप में किया जाता है। यह सब्जी देखने में तो छोटी है, लेकिन सेहत के लिए इसके बड़े फायदे हैं। परवल भारत की बहुत ही प्रचलित सब्जी है। परवल की खेती गर्म एवं तर जलवायु वाले क्षेत्रो में अच्छी तरह से की जाती है। इसको ठंडे क्षेत्रो में बहुत कम उगाया जाता है। परवल की उपज एक वर्ष में 80 से 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से होती है। यदि परवल को वैज्ञानिक सुझावों के साथ इसके पौधों का ध्यान रखा जाये तो लगभग चार साल तक 150 से 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से उपज प्राप्त होती है। वर्तमान समय में किसान परवल की उन्नत खेती करके काफी अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। आप भी परवल की उन्नत खेती कर सकते हैं। परवल बहुवार्षिक सब्जी होने के कारण इसकी खेती वर्ष भर की जाती हैं। परवल को बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल में सामान्य तौर पर उगाया जाता है। इनके अलावा राजस्थान, मध्यप्रदेश, असम, महाराष्ट, गुजरात में भी ये कुछ क्षेत्रों में परवल की खेती की जाती है।

परवल की प्रमुख उन्नतशील किस्में -वर्तमान समय में बाजारों में परवल की कई उन्नत किस्में मौजूद हैं। किसान भाई समय और जगह के हिसाब से परवल की इन उन्नत किस्मों का चयन कर परवल की अधिक पैदावार को प्राप्त कर सकते हैं। ये किस्में इस प्रकार हैं- **स्वर्ण अलौकिक**- इस किस्म के परवल के फलों का रंग हरा और आकार अंडाकार होता है। ये 5 से 8 से.मी लम्बे होते हैं। ये सब्जी तथा मिठाई बनाने हेतु उपयुक्त हैं।

स्वर्ण रेखा - इसके फलों की लम्बाई 8 से 10 से.मी. होती है। इनका उपयोग सब्जी और मिठाई बनाने के लिए किया जाता है। **परवल की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु**- परवल की खेती के लिए गर्म एवं अधिक आर्द्रता वाली जलवायु उपयुक्त होती है। परवल की खेती वहां अच्छी पैदावार देती है जहां औसत वार्षिक वर्षा 100 से 120 सेंमी. हो। इसके अलावा तापक्रम 5 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं होना चाहिए। लेकिन जहां सिंचाई की सुविधा न हो, वहाँ भी परवल की खेती सफलतापूर्वक होती है। इसके अलावा सर्दियों के मौसम में इसकी खेती को नहीं किया जा सकता है, क्योकि इसके पौधे सर्दियों में गिरने वाले पाले को सहन नहीं कर सकते।

परवल की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी एवं तापमान

परवल की खेती के लिए गर्म जलवायु अच्छी मानी जाती है। परवल की खेती गर्म एवं तर जलवायु वाले क्षेत्रो में अच्छी तरह से की जाती है। परवल की खेती के लिए उचित जल निकास वाली जीवांशयुक्त रेतीली या दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी गई हैं क्योंकि इसकी लताएँ पानी के रुकाव को सहन नही कर पाती हैं। इसकी खेती के लिए भूमि का पीएच मान भी सामान्य होना चाहिए। अतः ऊंचे स्थानों पर जहाँ जल निकास की उचित व्यवस्था हो वहीं पर इसकी खेती करनी चाहिए। इसके बीजो को अंकुरित होने के लिए सामान्य तापमान की आवश्यकता होती है।

परवल की पौध रोपण व बुवाई विधि खेत बुवाई बीज एवं तना कलम के द्वारा कर सकते हैं। बीजों द्वारा उत्पन्न पौधे कमजोर होते हैं तथा उनमे लगभग 50 प्रतिशत नर एवं इतनी ही मादा लताये होती है। परवल की व्यापारिक खेती के लिए परवल के तने के टुकडो का प्रयोग करते हैं। इसमें अधिकांश कलम मादा लताओं से लेते हैं। 5 से 10 प्रतिशत कलम नर लता से लेते है, ताकि परागकण अच्छे से हो सके। इस विधि में सितम्बर-अक्टूबर में बेलों के टुकड़े नर्सरी में लगाते है। उनके द्वारा जड़ पकड़ लेने पर उन्हें फरवरी-मार्च में खेतों में लगा देते हैं। इस विधि में पौधे जल्द बढ़ते हैं तथा फलन अगेती होती है परन्तु कठिनाई यह है कि बड़े पैमाने पर परवल की रोपाई के लिए अत्यधिक संख्या में जड़ वाली कलमों का उपलब्ध होना एक प्रमुख समस्या भी है। परवल की कलम को दो प्रकार से लगाया जाता है। **सीधी लता वाली विधि :** इस विधि में खेत में 30 से.मी. गहरी नाली खोद कर उसे कम्पोस्ट खाद एवं मिट्टी के मिश्रण से भर देते है। इसमें 50 से.मी. लम्बी कलम को छोर से दो मीटर के अंतर पर 10 से.मी. की गहराई पर रख देते हैं।

शकरकंद की खेती कैसे करें और कैसे कमाए लाखो रुपये

शकरकंद या शकरिया के नाम मशहूर एक प्राकृतिक रूप से मीठी जड़ वाली सब्जी है। यह पूरे साल भर बाजार में देखनों को मिल जाती हैं। लेकिन यह विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में ज्यादा होती है। आलू की तरह दिखने वाली शकरकंद की खेती ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर की जाती है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में शकरकंद को पसंद किया जा रहा है। भारत में उगने वाले शकरकंद का स्वाद आज पूरी दुनिया को भा रहा है। वर्तमान समय में भारत से शकरकंद का निर्यात काफी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसके निर्यात में धीरे-धीरे इजाफा हो रहा है। फिलहाल शकरकंद के निर्यात की सूची में अभी भारत छठे स्थान पर बना हुआ है, लेकिन जिस प्रकार किसानों की रुची इसकी खेती को और बढ़ रही है। उसे देखते हुए ऐसे लगा रहा है कि वो दिन दूर नहीं जब हम चीन को पीछे छोड़कर निर्यातकों की लिस्ट में पहले स्थान पर होंगे। देश में इस वक्त इसकी खेती का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। देश के अलग-अलग राज्यों के किसान शकरकंद की खेती से कुछ दिनों में ही प्रति हेक्टेयर लाखों की मोटी कमाई कर रहे है। आने वाले वक्त में शकरकंद की खेती किसानों के लिए एक अच्छी आय का स्रोत बन सकती है। ट्रैक्टरगुरु के इस लेख में हम आपको शकरकंद की खेती से जुड़ी कुछ आम जानकारी देने जा रहे है। इस जानकारी से आप शकरकंद की खेती कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

शकरकंद आलू की प्रजाति का ही सदस्य है। इसकी खेती आलू की खेती की तरह ही की जाती है। आलू की अपेक्षा इसमें स्टार्च और मिठास अधिक मात्रा में पाई जाती है। इसकी मांग बाजारों में अधिक होती है। इस वजह से शकरकंद की खेती किसानों के लिए मुनाफेदार साबित होती है। इसकी फसल रोपाई या बुवाई के 125 से 130 दिनों में ही तैयार हो जाती है। इसके पौधों पर लगी पत्तियां पीले रंग की दिखाई देने लगें, उस दौरान इसके कंदो की खुदाई कर ली जाती है। कृषि विशेषज्ञों मानों तो किसान प्रति हेक्टेयर भूमि से लगभग 25 टन शकरकंद का उत्पादन हासिल कर सकते हैं। यदि बाजार में आप इस उपज को 10 रुपए प्रति किलो की दर से बेचेंगे तो आप आसानी से दो लाख रुपए की आय हासिल कर सकते हैं। जिसमें से लागत के 75 हजार रुपए निकाल दें, तो इसकी खेती से आप सवा लाख रुपए तक का मुनाफा आसानी से हासिल कर सकते है। शकरकंद को आमतौर पर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है। इसकी खेती तीनो ही मौसमो में की जा सकती है। लेकिन इसकी व्यापारिक तौर खेती गर्मियों के मौसम में करना चाहिए। क्योकि गर्मी और बारिश के मौसम में इसके पौधे अच्छे से विकास करते है। इसकी खेती के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तक उपयुक्त रहता हैं। पौधों को आरंभ में अंकुरित होने के लिए 22 डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है। शकरकंद की खेती के लिए भूमि उचित जल निकासी वाली होनी चाहिए। इसकी खेती में भूमि का पीएच मान 5.5 से 6.8 के बीच होना चाहिए। कठोरे व पत्थरीली मिट्टी वाली भूमि का चुनाव इसकी खेती के लिए नहीं करना चाहिए।

शकरकंद की उन्नत किस्में- एस टी 14, पीली प्रजाति की शंकरकंद, लाल प्रजाति की शकरकंद, भू-कृष्ण, एस टी 13, सफेद प्रजाति की शकरकंद, श्री अरूण, भू सोना और सफेद प्रजाति की शकरकंद आदि प्रमुख है। जिसे आप मौसम और भूमि के अनुसार चुनाव कर खेती कर सकते है। इसके अलावा श्री रतना, सीओ- 1, 2, श्री वर्धिनी, श्री नंदिनी, भुवन संकर, श्री वरुण, जवाहर शकरकंद- 145, वर्षा, पूसा सुहावनी, पूसा रेड, राजेंद्र शकरकंद, अशवनी और कलमेघ भी शकरकंद की कई उन्नत किस्मे है।

फसल उत्पादन

शकरकंद की इन उन्नत किस्मों को तैयार होने में 110 से 140 दिनों का समय लगता है। तथा उपज 15 से 30 टन प्रति हेक्टेयर हो सकती है।

कैसे करें शकरकंद की रोपाई/ बुवाई

शकरकंद की रोपाई/ बुवाई अप्रैल से जुलाई के महीने में गर्मी और बारिश के मौसम में कि जाती हैं। तथा इसकी खेती के लिए नर्सरी जनवरी से फरवरी महीने में तैयार किया जाता है। इसकी बुवाई/ रोपाई के लिए 30 से 35 हजार कटिंग कर हुई बेल या 300 से 320 किलो कंदों की प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है।

लीची की उन्नत किस्में और खेती का तरीका

लीची की खेती भारत में कई जगहों पर की जाती है। ये बहुत ही रसीला फल होता है। इसका वैज्ञानिक नाम लीची चिनेंसिस है। यह जीनस लीची का एकमात्र सदस्य है। इसका परिवार है सोपबैरी है। यह ऊष्णकटिबंधीय फल है, जिसका मूल निवास चीन है। यह सामान्यतः मैडागास्कर, नेपाल, भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, दक्षिण ताइवान, उत्तरी वियतनाम, इंडोनेशिया, थाईलैंड, फिलीपींस और दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है। बता दें कि लीची की खोज दक्षिणी चीन में की गई थी। चीन के बाद विश्व स्तर पर भारत इसकी पैदावार में दूसरे स्थान पर आता है। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से किसानों को लीची की खेती की जानकारी दे रहे हैं। आशा करते हैं कि ये जानकारी किसान भाइयों के लिए लाभदायक होगी।

कैसा होता है लीची का पेड़ / लीची का पौधा- लीची मध्यम ऊंचाई का सदाबहार पेड़ होता है, जो कि 15-20 मीटर तक होता है, ऑल्टर्नेट पाइनेट पत्तियां, लगभग 15-25 सें.मी. लंबी होती हैं। नव पल्लव उजले ताम्रवर्णी होते हैं और पूरे आकार तक आते हुए हरे होते जाते हैं। पुष्प छोटे हरित-श्वेत या पीत-श्वेत वर्ण के होते हैं, जो कि 30 सें.मी. लंबी पैनिकल पर लगते हैं। इसका फल 3-4 से.मी. और 3 से.मी व्यास का इसका छिलका गुलाबी-लाल से मैरून तक दानेदार होता है, जो कि अखाद्य और सरलता से हट जाता है। इसके अंदर एक मीठे, दूधिया श्वेत गूदे वाली, विटामिन- सी बहुल, कुछ-कुछ छिले अंगूर सी, मोटी पर्त इसके एकल, भूरे, चिकने मेवा जैसे बीज को ढंके होती है। यह बीज 2-1.5 नाप का ओवल आकार का होता है और अखाद्य होता है। इसके फल जुलाई से अक्टूबर में फूल के करीब तीन मास बाद पकते हैं।

लीची की खेती के लिए जलवायु / लीची की वैज्ञानिक खेती- लीची की खेती के लिए समशीतोष्ण जलवायु लीची के उत्पादन के लिए अच्छी मानी जाती है। जनवरी-फरवरी माह में मौसम साफ रहने पर जब तापमान में वृद्धि एवं शुष्क जलवायु में इसकी खेती की जाती है। इससे ज्यादा मंजर लगते हैं जिससे ज्यादा फूल एवं फल आते हैं। अप्रैल-मई में वातावरण में सामान्य आर्द्रता रहने से फलों में गूदे का विकास एवं गुणवत्ता में सुधार होता है। फल पकते समय वर्षा होने से फलों का रंगों पर प्रभाव पड़ता है।

लीची की खेती के लिए भूमि या मिट्टी - लीची की खेती के लिए 5-7 पी.एच.मान वाली बलुई दोमट मिट्टी सबसे अच्छी मानी जाती है। इसके आलावा हल्की अम्लीय एवं लेटराइट मिट्टी में भी इसकी खेती की जा सकती है। जल भराव वाले क्षेत्र लीची के लिए अच्छे नहीं होते है, इसलिए इसकी खेती जल निकास वाली मिट्टी में करना अच्छा परिणाम देता है।

लीची की उन्नत किस्में- लीची की उन्नत किस्मों में शाही, त्रिकोलिया, अझौली, ग्रीन, देशी, रोज सेंटेड,डी-रोज,अर्ली बेदाना, स्वर्ण, चाइना, पूर्वी, कसबा आदि उन्नत किस्में हैं।

खेत की तैयारी- खेत की दो बार तिरछी जुताई कर लेनी चाहिए और पाटा चलाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें कि उसमें पानी नहीं भर पाएं।

बिजाई का समय- इसकी बिजाई मॉनसून के तुरंत बाद अगस्त सितंबर के महीने में की जाती है। कई बार पंजाब में इसकी बिजाई नवंबर महीने तक की जाती है। इसकी बिजाई के लिए दो साल पुराने पौधे चुने जाते हैं।

पौधों की रोपाई का तरीका / लीची की खेती कैसे करें- लीची के पौधे 10×10 मी. की दूरी पर लगाना चाहिए। लीची के पौध की रोपाई से पहले अप्रैल-मई माह में खेत में 90× 90× 90 सें.मी. आकार के गड्ढे तैयार कर लेने चाहिए। इन गड्ढों को 20-25 किलोग्राम गली सड़ी हुई की खाद के साथ भर दें। 300 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश और 2 किलोग्राम बॉन मील डालें। बारिश शुरू होते ही जून के महीने में ही उचित रसायन मिलाकर इन गड्ढों को भर दें। जब ये मिट्टी बारिश से कुछ दब जाये तो इसमें पौधे रोप देना चाहिए। पौधे के चारों तरफ थाले बना देने चाहिए और इन थालों मे समय-समय पर रसायन और पानी देते रहना चाहिए।

कटाई और छंटाई- शुरुआती समय में पौधे को अच्छा आकार देने के लिए कटाई करनी जरूरी होती है। लीची के पौधों के लिए छंटाई की ज्यादा जरूरत नहीं होती। फलों की कटाई के बाद नई टहनियां लाने के लिए हल्की छंटाई करें।

लीची के साथ लें अंतरवर्ती फसलें- यह धीमी गति से उगने वाली फसल है जो कि 7-10 साल का समय लेती है। शुरुआती 3-4 साल तक अंतर फसलें उगाई जा सकती हैं जिससे आमदन बढ़ती है और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति में भी वृद्धि होती है। इसके इलावा खरपतवार को भी नियंत्रित किया जा सकता है। तेजी से उगने वाले पौधे जैसे कि आड़ू, आलू बुखारा, किन्नू अंतर फसलों के रूप में उगाए जा सकते हैं। इसके इलावा दालों और सब्जियों को भी अंतर फसलों के तौर पर उगाया जा सकता है। जब मुख्य फसल का बाग पूरी तरह बड़े स्तर पर विकास कर ले तो अंतर फसलों को उखाड़ दें। वहीं लीची का परागण कीड़ों, पतंगों और शहद की मक्खियों द्वारा किया जाता है। 20-25 शहद की मक्खियों के डिब्बे परागण करने के लिए प्रति हैक्टेयर रखे जाते हैं।

नए पौधों की देखभाल- नए पौधों को गर्म और ठंडी हवा से बचाने के लिए लीची के पौधों के आस-पास 4-5 साल के हवा रोधक पेड़ लगाएं। जंतर की फसल लगाने से फरवरी के महीने में इससे बीज भी प्राप्त किया जा सकता है। लीची के पौधों को तेज हवाओं से बचाने के लिए आसपास आम और जामुन जैसे लंबे पेड़ लगाएं।

लीची की खेती के लिए खाद एवं उर्वरक

1 से 3 साल की फसल के लिए 10-20 किलो गली सड़ी हुई खाद के साथ यूरिया 150-500 ग्राम, सिंगल सुपर फासफेट 200-600 ग्राम और म्यूरेट ऑफ पोटाश 60-150 ग्राम प्रति वृक्ष लगाएं।

4-6 साल की फसल के लिए गली सड़ी हुई खाद की मात्रा बढ़ाकर 25-40 किलोग्राम, यूरिया 500-1000 ग्राम, सिंगल सुपर फासफेट 750-1250 ग्राम और म्यूरेट ऑफ पोटाश 200-300 ग्राम प्रति वृक्ष लगाएं।

7-10 साल की फसल के लिए गली सड़ी रूडी की खाद की मात्रा बढ़ाकर 40-50 किलोग्राम, यूरिया 1000-1500 ग्राम, सिंगल सुपर फासफेट 1000 ग्राम और म्यूरेट ऑफ पोटाश 300-500 ग्राम प्रति वृक्ष लगाएं।

जब फसल 10 साल की हो जाए तो गली सड़ी रूडी की खाद की मात्रा बढ़ाकर 60 किलोग्राम, यूरिया 1600 ग्राम, सिंगल सुपर फासफेट 2250 ग्राम और म्यूरेट ऑफ पोटाश 600 ग्राम प्रति वृक्ष लगाएं।

लीची में सिंचाई कार्य- विकास के शुरुआती समय में पानी लगाना बहुत जरूरी होता है। गर्मियों में नए पौधों को 1 सप्ताह में 2 बार और पुराने पौधों को सप्ताह में 1 बार पानी देना चाहिए। खादें डालने के बाद एक सिंचाई जरूर करनी चाहिए। फसल को कोहरे से बचाने के लिए नवंबर के अंत और दिसंबर के पहले सप्ताह में पानी दें। फल बनने के समय सिंचाई बहुत जरूरी होती है। इस दौरान सप्ताह में 2 बार सिंचाई करें। इस तरह करने से फल में दरारें नहीं आती और फल का विकास अच्छा होता है।

फसल की कटाई- फल का हरे रंग से गुलाबी रंग का होना और फल की सतह का समतल होना, फल पकने की निशानियां हैं। फल को गुच्छों में तोड़ा जाता है। फल तोडने् के समय इसके साथ कुछ टहनियां और पत्ते भी तोडने् चाहिए। इसे ज्यादा लंबे समय तक स्टोर नहीं किया जा सकता। घरेलू बजार में बेचने के लिए इसकी तुड़ाई पूरी तरह से पकने के बाद करनी चाहिए जब कि दूर के क्षेत्रों में भेजने के लिए इसकी तुड़ाई फल के गुलाबी होने के समय करनी चाहिए।

पैकिंग एवं भंडारण- तुड़ाई के बाद फलों को इनके रंग और आकार के अनुसार अलग अलग करना चाहिए। प्रभावित और दरार वाले फलों को अलग कर देना चाहिए। लीची के हरे पत्तों को बिछाकर टोकरियों में इनकी पैकिंग करनी चाहिए। लीची के फलों को 1.6-1.7 डिगरी सैल्सियस तापमान और 85-90 प्रतिशत नमी में स्टोर करना चाहिए। फलों को इस तापमान पर 8-12 सप्ताह के लिए स्टोर किया जा सकता है।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

विवादित जिला आपूर्ति नियंत्रक से छीना 'नान' का प्रभार

राइस मिलर्स को दी थी क्लीन चिट, जांच में लीपा पोती का लगा था आरोप

जिस दिन जिला आपूर्ति नियंत्रक ने दी थी क्लीन चिट उसी दिन कलेक्टर ने दिए राइस मिलर्स की जांच के आदेश

जबलपुर, देशबन्धु। अपने पूर्व विवादित कार्यकाल के बाद शहर में दूसरी बार आई जिला आपूर्ति नियंत्रक नुजहत बानो बकाई से नागरिक आपूर्ति निगम (नान) का प्रभार छीन लिया गया हैं। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगातार मिल रही शिकायतों के चलते कलेक्टर जबलपुर द्वारा जिला आपूर्ति नियंत्रक नुजहत बानो बकाई से जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम का प्रभार छीन कर संयुक्त कलेक्टर शिवाली सिंह को सौंपा गया हैं। ज्ञात हो कि विगत दिनों जिला नुजहत बानो बकाई पर राइस मिलर्स की जाँच में लीपा-पोती करने के आरोप लगे थे। आलम ये हुआ कि जिस दिन उन्होंने राइस मिलर्स को क्लीन चिट दी ठीक उसी दिन कलेक्टर द्वारा राइस मिलर्स की नए सिरे से जांच के आदेश दिए गए थे। प्रशासनिक सूत्रों के शहर में जिला आपूर्ति नियंत्रक के पद पर अपने पूर्व कार्यकाल में भी नुजहत बानो बकाई पर कथित तौर पर भ्रष्टाचार की गंभीर शिकायतों के बाद उनका स्थानांतरण जबलपुर से उज्जैन किया गया था लेकिन फिर किसी तरह वे जबलपुर की पोस्टिंग हासिल करने में कामयाब हो गईं। जिला प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक दूसरी बार शहर आने के बावजूद उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं आ पाया जिसकी बानगी हालहीं में हुए वे घटनाक्रम दे रहे हैं जिनसे वे दोबार सुर्खियों में आईं। ज्ञात हो कि इस संबंध में देशबन्धु ने लगातार 17 मई और 25 मई को खबरें प्रकाशित की हैं।

जिस दिन दी क्लीन चिट उसी दिन दोबारा जांच के निर्देश

ज्ञात हो कि जिला आपूर्ति नियंत्रक के साथ तब नान के प्रबंधक के दो दायित्वों का निर्वहन कर रहीं महिला अधिकारी की कार्यशैली की बानगी हालहीं में उस वक्त एक बैठक में सामने आई जब जिन राइस मिलर्स को जिस दिन उन्होंने क्लीन चिट दी उन राइस मिलर्स की कलेक्टर दीपक सक्सेना ने उसी दिन दोबारा जांच के निर्देश दे दिए।

मिलर्स से भरपाई का निर्णय

ज्ञात हो कि जिले से टीकमगढ़ में राशन दुकानों में वितरण के लिए टीकमगढ़ भेजे गए 26 हजार क्विंटल गुणवत्ताहीन चावल भेज दिया गया था। इसमें टूटन, डिस्कलर के साथ ही चपड़ी और बड़ी मात्रा में गुच्छेयुक्त चावल है। गडबड़ी सामने आने पर मप्र सिविल सप्लाई कारपोरेशन ने इसकी भरपाई मिलर्स से करने का निर्णय लिया। टीकमगढ़ से चावल जबलपुर वापस मंगाया जा रहा है। चावल की गुणवत्ता की जांच करने वाली एजेंसी को भी नोटिस भेजा गया हैं। इस मामले को भी शासन ने संज्ञान में लिया हैं।

गरीबों के लिए भेजा ऐसा अनाज जो मुर्गी दाना के लायक नहीं

शहर से टीकमगढ़ पहुंचा 25 हजार क्विंटल फफूंद लगा चावल

गुणवत्ता अत्याधिक खराब

ऐसा चावल कि मुर्गी भी ना खाये

90 फीसद चावल सड़ा

खराब चावल होगा वापिस

आजीवन कारावास से दंडित हो सकते हैं गड़बड़ी करने वाले

कलेक्टर ने बैठक में कहा था कि खाद्य सामग्री में संगठित रूप से सोच-समझकर किया गया अवैधानिक कार्य गंभीर अपराध की श्रेणी में है, जिस पर आजीवन कारावास का दंड भी गड़बड़ी करने वालों को दिया जा सकता हैं। अतः सभी अधिकारी इस दिशा में सावधानी से जांच करें।

कलेक्टर ने दिए पुनः जांच के आदेश

धान परिवहन में हुए करोड़ों के घोटाले में भोपाल से जांच के निर्देश मिले थे। जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी गई लेकिन उसमें वे तथ्य ही नहीं हैं जिनकी जांच के लिए आदेशित किया गया था। लगभग सभी मिलर्स को क्लीन चिट दे दी गई थी। इसके बाद टीकमगढ़ में मिले हजारों क्विंटल कैटल फीड यानी जानवरों के अन्न के कारण एक बार फिर से यह मामला उछल गया। अब सवाल उठता है कि मिलर्स की जांच हो गई थी तो 25 हजार क्विंटल घटिया चावल मिल में कैसे रखा रहा। इन्हीं कुछ मामलों को लेकर कलेक्टर ने दोबारा जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने हाल हीं में राइस मिल की जांच के संबंध में समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी एसडीएम से उनके द्वारा किए गए जांच प्रतिवेदन पर चर्चा की और कहा कि शासन के जो निर्देश हैं उसके अनुसार पुनः जांच करें। जांच का आधार शासन के निर्देश तथा जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देश हों। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वाहन का परिवहन विभाग के पोर्टल में किस श्रेणी में दर्ज है यह देखें। धान परिवहन के दौरान टोल एंट्री है या नहीं, साथ ही जीपीएस सिस्टम का भी इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि धान चालान, ट्रैक चालान, रिलीज ऑर्डर के बारे में विस्तृत जांच करें। धान के बोरे किस वाहन में आए इसकी भी जांच करें।

सतना में सात फर्मों पर सेंट्रल जीएसटी का छापा, पांच करोड़ की कर चोरी का अनुमान

सतना, देशबन्धु। जीएसटी आयुक्त लोकेश कुमार लिल्हारे के नेतृत्व में सतना जिले में सेंट्रल जीएसटी ने कार्रवाई करते हुए सात कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। सेंट्रल जीएसटी की सात अलग-अलग टीमों ने सातों कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर दबिश देकर जांच शुरू की। यह कार्रवाई फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) पास ऑन करने के मामले में की गई।

सेंट्रल जीएसटी की सात अलग-अलग टीमों ने सतना जिले के अलग-अलग विकासखण्डों के सात प्रतिष्ठानों में दबिश दी है। इनमें चार फर्में सतना शहर, दो अमरपाटन और एक चित्रकूट में स्थित है। जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान अमन इंटरप्राइजेज, जितेन्द्र कुमार यादव की फर्म फर्जी पाई गई। अन्य प्रतिष्ठानों से दस्तावेज जब्त कर जांच की जा रही है। वहीं, जेएलसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड से अधिकारियों ने मौके पर 20 लाख रुपये जमा कराए, जबकि आरआर स्टील फैब्रिकेटर ने 30 लाख रुपये जमा करने के लिए समय मांगा है। प्राथमिक जांच में सभी सात प्रतिष्ठानों से मिलाकर पांच करोड़ रुपये से अधिक के कर अपवंचन की आशंका जताई। जांच अभी जारी है।

इन फर्मों पर कार्रवाई

जिन फर्मों पर छापामार कार्रवाई की गई, उनमें अमन इंटरप्राइजेज पतेरी सतना , जेएलसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड नई बस्ती सतना, आरआर स्टील फैब्रिकेटर नई बस्ती सतना , होलकर कंस्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर्स सतना, रज्जू पाण्डेय चित्रकूट (सतना), संदीप इंटरप्राइजेज अमरपाटन (मैहर) और पुष्पा कुशवाहा अमरपाटन (मैहर) शामिल हैं। सेंट्रल जीएसटी की टीम की जांच में अमन इंटरप्राइजेज प्रोपराइटर जितेन्द्र कुमार यादव की फर्म फेक निकली। 5 करोड़ से अधिक का कर अपवंचन की संभावना है।

दिन और रात के पारा में आई कमी, धूप-छांव से लोगों को मिली मामूली राहत

जबलपुर, देशबन्धु। नौ-तपा का आज आखिरी दिन है। 25 मई से नौ-तपा शुरू हो गये थे, जो 2 जून को समाप्त हो रहे हैं। इस बीच इस बार एक या दो बार ही बूंदा-बांदी या बारिश हुई। इसे बारिश के लिहाज से अच्छा संकेत माना जा रहा है। हालाकि 1 जून को दिन भर धूप और छांव देखने को मिली। दिन में अधिकतम तापमान 36.8 और न्यूनतम तापमान 25.8 जो क्रमशः चार से तीन डिग्री सेल्सियस सामान्य से कम आंका गया। बीते साल 44.0 और 30.7 डिग्री सेल्सियस पारा दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अगले कुछ दिन मौसम शुष्क रह सकता है। उत्तर से पश्चिमी हवाएं छ से सात किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल रही हैं। इधर रविवार को सुबह से शाम तक कई बार बदली छाई।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पास मिला तेंदुए का कंकाल

उमरिया, देशबन्धु। प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व से लगे वन परिक्षेत्र पतौर के अंतर्गत मझौली गांव में एक तेंदुए का कंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि कंकाल जिस स्थान पर मिला है, वह राजस्व क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इस घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और रिज़र्व प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर सबसे पहले पहुंचे अधिकारियों में बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय, एसडीओ पनपथा भूरा गायकवाड़, वन परिक्षेत्राधिकारी अर्पित मैराल, एनटीसीए के प्रतिनिधि ज्ञानेंद्र प्रजापति और पनपथा के सरपंच मूलचंद जायसवाल शामिल थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वाड की भी सहायता ली गई, जिससे घटना स्थल और आसपास के इलाके की गहन जांच की जा सके।

प्राथमिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि तेंदुआ लगभग दो हफ्ते पहले मरा होगा और तब से वह मांसाहारी जानवरों का निवाला बनता रहा है। हालांकि, तेंदुए की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा फिलहाल नहीं हो सका है। वन विभाग ने शव को संरक्षित कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई। वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. राजेश तोमर और आदर्श पशु चिकित्सक विपिन चंद्र ने मौके पर ही पीएम किया।

चार साल के नर तेंदुए की मौत, शरीर पर मिले चोट के निशान

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में रविवार को एक तेंदुए का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। यह घटना पनपथा बफर क्षेत्र के करौंदिया क्षेत्र के कक्ष क्रमांक पी एफ 619 में सामने आई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। डॉग स्क्वाड की मदद से क्षेत्र में सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही पैदल गश्त भी की जा रही है। इससे पहले शनिवार को पतौर परिक्षेत्र में एक तेंदुए का कंकाल मिला था, जो लगभग 12 दिन पुराना था। वन विभाग मामले की गहन जांच कर रहा है। पोस्टमार्टम के बाद तेंदुए का अंतिम संस्कार किया जाएगा। पनपथा बफर परिक्षेत्र के अधिकारी एस एस मार्को के अनुसार, मृत तेंदुआ लगभग 4 वर्ष का नर था। उसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। डॉक्टरों की टीम ने मौके पर पहुंचकर पोस्टमार्टम किया।

जबलपुर में गंभीर हादसा टला

132 केवी हाई टेंशन लाइन से टकराया डंपर, बिजली बंद

जबलपुर, देशबन्धु। धनवंतरी नगर स्थित जसूजा सिटी में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रेत से भरा एक हाइड्रॉलिक डंपर 132 केवी की एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के नीचे रेत खाली कर रहा था, तभी उसका ऊपरी हिस्सा ऊपर से गुजर रही नयागांव (जबलपुर) - व्हीकल फैक्ट्री - विनोबा भावे विद्युत लाइन से टकरा गया।

हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन डंपर को गंभीर क्षति पहुंची और पूरे शहर के एक बड़े हिस्से में करीब आधे घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। यह घटना सुबह लगभग 5:30 बजे की है।

पहले भी दिए गए थे चेतावनी नोटिस- प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने इससे पहले कई बार जसूजा सिटी सहित जबलपुर व आसपास के क्षेत्रों में निर्माण कार्यों को लेकर लोगों को सतर्क किया था।

कंपनी द्वारा प्रशासन और नगर निगम से भी आग्रह किया गया था कि विद्युत सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके बावजूद हाई टेंशन लाइनों के नीचे ऊंचे हाइड्रालिक वाहनों की गतिविधियां और निर्माण कार्य लगातार जारी हैं। यह घटना इसी लापरवाही का परिणाम है, जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता था।

ड्राइवर और मजदूर बाल-बाल बचे- घटना के समय राहत की बात यह रही कि डंपर का ड्राइवर और सभी मजदूर वाहन के बाहर थे, अन्यथा यह दुर्घटना जानलेवा साबित हो सकती थी।

एमपी ट्रांसको की अपील-एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड ने पुनः आम जनता से अपील की है कि वे विद्युत लाइनों के नीचे किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य या ऊंचाई के वाहनों का संचालन न करें। सभी नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे विद्युत सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

रेलवे के वाणिज्य शाखा कर्मचारी अनुशासनहीनता पर उतारू

जबलपुर, देशबन्धु। पमरे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के वाणिज्य शाखा के कर्मचारियों के बीच दिनों दिन अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है। सबसे ज्यादा अनुशासनहीनता मुख्य रेलवे स्टेशन के वाणिज्य शाखा में दिखाई पड़ रही है। स्टेशन परिसर में यात्री और फेसिलेटर आपस में आए दिन झगड़ते रहते हैं, परन्तु एसएस और बुकिंग पर्यवेक्षक अपने आपको ही वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मानते हुए घटना को छिपा लेते हैं और गोपनीय तरीके से फेसिलेटर (रेल टिकट बेचने वाले प्राइवेट वेंडर) और यात्रियों का समझौता करवाकर वाहवाही लूटते रहते हैं। मुख्य स्टेशन परिसर में तो यह भी चर्चा है कि एसएस खुद को ईडी स्टेशन (कार्यपालक निदेशक) स्टेशन के रूप में प्रचारित करता रहता है।

उल्लेखनीय है कि इस प्रकार की घटना से मंडल रेल प्रबंधक कमल तलरेजा जो कि एक अनुभवशील एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पूरे मंडल में विशेष पहचान बनाए हुए हैं।इस विवाद को लेकर अत्याधिक नाराज हैं। चूंकि संस्कारधानी के सांसद आशीष दुबे का जबलपुर स्टेशन का निरीक्षण जो कि अत्यंत महत्वपूर्ण था, इसी को ध्यान में रखते हुए वाणिज्य विभाग के एसएस वाणिज्य संजय जायसवाल व मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक महेन्द्र सिंह ठाकुर का स्थानांतरण बरगवां स्टेशन कर दिया गया था। इन कर्मियों को सोमवार दो जून को भारमुक्त किए जाने की संभावना है।

मंडल रेल प्रबंधक से है उम्मीद, लगाएंगे इस पर लगाम

यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि इसके पूर्व प्रमुख्य मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कुशाल सिंह ने भी स्टेशन के निरीक्षण के समय कुछ गलतियों को इंगित किया था, इसे वारिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, शशांक गुप्ता ने गंभीरता से लिया था और इन अधिकारियों द्वारा सदैव ही सावधानियां बरते हुए कार्य का संपादन करते हैं।

स्टेशन में स्टेशन डायरेक्टर भी अपनी टीम के साथ शीर्ष अधिकारियों के दिशानिर्देशों का सही ढंग से पालन किया जाता है। स्टेशन पदस्थ जिसका स्थानांतरण किया गया है। वह आपने आपको सबसे बड़ा अधिकारी समझते हुए मनमाने ढंग से कार्यों को अंजाम देने में ही बहादुर समझता है। यह एक सबसे बड़ा आश्चर्य का विषय माना जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक कमल तलरेजा और डॉ. मधुर वर्मा अनुशासनहीनता पर लगाम लगाएंगे, इसकी सभी को उम्मीद है।

गोड़ारु पंचायत में पानी के लिए हाहाकार

अनूपपुर/कोतमा, देशबन्धु । जनपद कोतमा के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पंचायत गोड़ारु की हालत बेहद चिंताजनक है। आदिवासी बहुल क्षेत्र में लोगो की प्यास बुझाने नलजल योजना और स्टॉप डेम निर्माण जैसे करोड़ों रुपये के सरकारी प्रोजेक्ट तो शुरू किए गए, लेकिन धरातल पर इनका असर शून्य है। ग्रामीणों का आरोप है कि भ्रष्टाचार के चलते यह सभी योजनाएं केवल कागजों में सिमट कर रह गई हैं, जबकि जनता अब भी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जब से विष्णु जायसवाल गोड़ारु पंचायत में पदस्थ हुए हैं, तभी से योजनाओं में गड़बड़ियों की शुरुआत हुई। वे इसी क्षेत्र के निवासी होने के कारण ठेकेदारों से मिलीभगत कर नलजल योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। ग्रामीणों के घरो तक पाइपलाइन बिछाई गई, पानी टंकी का निर्माण हुआ, लेकिन सप्लाई कभी नहीं हुई। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को अब तक एक बूंद पानी नसीब नहीं हुआ।

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 122
मुर्गा मीडियम	- रु. 116
मुर्गा बड़ा	- रु. 108
मुर्गा जम्बो	- रु. 108

मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 104
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 112
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 118

मोबाइल नं. 9300692405

NH नेशनल हॉस्पिटल

स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612

C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त

सुपर स्पेशिलिटी विभाग

- हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर)
- न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर)
- यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन)
- शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन)
- हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट)
- छाती रोग
- नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस)
- स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी)
- नेत्र रोग
- शिशु रोग

28 वर्षों से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान

अवैध हथियार और मवेशी तस्करी में फरार आरोपी गिरफ्तार, 10 हजार का था ईनाम

कोतमा, देशबन्धु। जिले में फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध हथियार रखने और पशु तस्करी के गंभीर मामलों में फरार चल रहे अपराधी अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू एवं उसके साथी मोहित सिंह परिहार को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार 3 मई को मुखबिर की सूचना पर गुरुकृपा ढाबे के पास अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू के मकान में दबिश देकर पुलिस ने मुस्तहीफ खान निवासी जिला मुजफ्फरनगर, उ.प्र. और मोहम्मद नसीम जिला सतना के पास से एक पिस्टल व कारतूस बरामद किया था। दोनों आरोपी उस समय पशु तस्करी की योजना बना रहे थे।